Website : www.mantrabharat.com
जुनून है सच लिखने का
E-Mail : mantrabharatmumbai@gmail.com, Mo. 7007837917

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

संस्करण : मुंबई
वर्ष : 10
अंक : 357
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.00
गुरुवार, 01 जनवरी, 2026

मुंबई, लखनऊ, प्रयागराज एवं ग्वालियर से एक साथ प्रकाशित एवं ठाणे, नवी मुम्बई, पालघर, नासिक एवं पुणे से प्रसारित

नववर्ष (2026) की हार्दिक शुभकामनाएं

3 भागवत कथा जीवन को मोह से मुक्त कर मोक्ष ...
4 अमेरिकी शुल्क की मार के बीच भारत की ...
7 उस्मान ख्वाजा खुद तय करें टेस्ट क्रिकेट में ...

संक्षिप्त न्यूज

अमित शाह का कोलकाता दौरा समाप्त, भाजपा विधायकों और सांसदों संग की बैठक

कोलकाता।केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को पश्चिम बंगाल के कोलकाता में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायकों और सांसदों की बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में भाजपा विधायकों और राज्य के सांसदों सहित पार्टी के वरिष्ठ नेता शामिल हुए। पार्टी सूत्रों के अनुसार, चर्चा का केंद्र संगठनात्मक मामले और पश्चिम बंगाल की राजनीतिक स्थिति थी। अमित शाह भाजपा के संगठनात्मक विस्तार के तहत राज्य के दौरे पर हैं और पार्टी नेताओं के साथ कई बैठकें कर रहे हैं।इस बीच, 2026 के विधानसभा चुनावों से पहले राज्य में राजनीतिक खींचतान तेज होने के साथ ही, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को एक-दूसरे पर तीखे हमले किए।
भाजपा के चुनाव अभियान की शुरुआत के लिए पश्चिम बंगाल के तीन दिवसीय दौरे पर आए शाह ने ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली टीएमसी सरकार पर तीखा हमला करते हुए कहा कि पिछले 14 वर्षों से 'डर और भ्रष्टाचार' राज्य की पहचान बन गए हैं। उन्होंने राज्य में अवैध प्रवासियों की कथित घुसपैठ पर ममता बनर्जी के रुख पर सवाल उठाया। उन्होंने ममता बनर्जी की सरकार पर सीमा बाड़ लगाने के लिए जमीन उपलब्ध कराने से इनकार करने का भी आरोप लगाया।
एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा कि राज्य में ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली सरकार के भ्रष्टाचार के कारण पश्चिम बंगाल में विकास रुक गया है। मोदी सरकार की सभी योजनाएं यहां टोल सिंडिकेट की शिकार हो गई हैं। पिछले 14 वर्षों से डर और भ्रष्टाचार पश्चिम बंगाल की पहचान बन गए हैं। उन्होंने आगे कहा कि 15 अप्रैल, 2026 के बाद जब पश्चिम बंगाल में भाजपा सरकार बनेगी, तब हम बंगाल की विरासत और संस्कृति को पुनर्जीवित करने का कार्य शुरू करेंगे।

केंद्रीय कैबिनेट ने महाराष्ट्र में नासिक-सोलापुर-अक्कलकोट रेलवे प्रोजेक्ट को दी मंजूरी

छह-लेन ग्रीनफील्ड कॉरिडोर को मंज़ूरी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता वाली आर्थिक मामलों की कैबिनेट समिति ने महाराष्ट्र में 374 किलोमीटर लंबे छह-लेन ग्रीनफील्ड एक्सेस-कंट्रोल्ड नासिक-सोलापुर-अक्कलकोट हाईवे के निर्माण को मंज़ूरी दे दी। बिल्ड-ऑपरेट-ट्रांसफर आधार पर लागू किए जा रहे इस प्रोजेक्ट की कुल लागत 19,142 करोड़ रुपये है। यह प्रोजेक्ट, जो कुरनूल को नासिक, अहिल्यानगर, सोलापुर जैसे महत्वपूर्ण शहरों से जोड़ता है, पीएम गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान के सिद्धांतों के तहत एकीकृत परिवहन बुनियादी ढांचे के विकास में तेज़ी लाने के लिए एक महत्वपूर्ण फैसला है।
नासिक और अक्कलकोट के बीच इस ग्रीनफील्ड मार्ग को वधान बंदर इंटरचेंज के पास दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे से, नासिक में नेशनल हाईवे - 60 (अडेगांव) के जंक्शन पर आगरा-मुंबई कॉरिडोर से और पांगरी (नासिक के पास) में समृद्धि हाईवे से जोड़ने का प्रस्ताव है। यह प्रस्तावित मार्ग पश्चिमी तट से पूर्वी

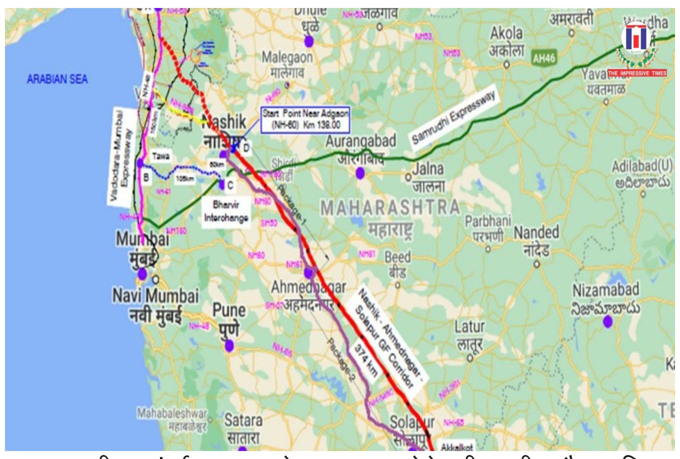

तट तक सीधा संपर्क प्रदान करेगा। चेन्नई बंदरगाह के साथ, तिरुवल्लूर, रेनिगुंटा, कडप्पा और कुरनूल होते हुए चेन्नई से हसापुर (महाराष्ट्र सीमा) तक चार-लेन मार्ग (700 किमी लंबा) पर काम चल रहा है।
प्रस्तावित एक्सेस-कंट्रोल्ड छह-लेन ग्रीनफील्ड प्रोजेक्ट से यात्रा का समय 17 घंटे और यात्रा की दूरी 201 किमी कम होने की उम्मीद है। नासिक-अक्कलकोट (सोलापुर) मार्ग कोप्पार्थी और ओरवाकल के प्रमुख नेशनल इंडस्ट्रियल कॉरिडोर डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन (NICDC) नोड्स पर आने-जाने वाले सामान की लॉजिस्टिक्स क्षमता में सुधार करेगा। नासिक-तालेगांव दिघे सेक्शन पुणे-नासिक एक्सप्रेसवे के विकास के लिए भी महत्वपूर्ण है। यह प्रोजेक्ट NICDC और महाराष्ट्र राज्य सरकार द्वारा शुरू किए जा रहे प्रस्तावित नए एक्सप्रेसवे का हिस्सा होगा। यह प्रोजेक्ट बेहतर सुरक्षा और बिना रुकावट ट्रैफिक के साथ एक तेज़ मार्ग प्रदान करेगा। इससे यात्रा का समय, ट्रैफिक जाम और परिचालन लागत कम करने में मदद मिलेगी। महत्वपूर्ण बात यह है कि यह प्रोजेक्ट न केवल क्षेत्र में बुनियादी ढांचे को बढ़ाएगा, बल्कि नासिक, अहिल्यानगर, धाराशिव और सोलापुर जिलों के समग्र आर्थिक विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान देगा। यह छह-लेन वाला एक्सेस-कंट्रोल्ड ग्रीनफील्ड कॉरिडोर 'क्लोज टोलिंग' सुविधाओं से लैस होगा। इसमें औसत 60 किमी प्रति घंटे और डिज़ाइन स्पीड 100 किमी प्रति घंटे की स्पीड की अनुमति होगी। इससे कुल यात्रा का समय लगभग 17 घंटे कम हो जाएगा (31 घंटे से 45इ की कमी), और यात्री और मालवाहक वाहनों के लिए सुरक्षित, तेज़ और बिना रुकावट के टर्निंग की सुविधा मिलेगी।

बधाई संदेश

प्रिय पाठको, संवाददाताओ, पत्रकारों और देश के समस्त लोगों को मंत्र भारत परिवार की ओर से नववर्ष (2026) की हार्दिक शुभकामनाएं।

नववर्ष महाराष्ट्र का, समृद्धि और विकास का नया अध्याय लेकर आएगा - मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस

नववर्ष की पूर्वसंध्या पर दी शुभकामनाएँ

मुंबई। नववर्ष महाराष्ट्र के लिए समृद्धि और विकास का नया अध्याय लेकर आएगा, ऐसा विश्वास व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने राज्य के नागरिकों को नववर्ष के शुभारंभ की हार्दिक शुभकामनाएँ दी हैं।

वर्षांत को विदा करते हुए और नववर्ष की पूर्वसंध्या पर दिए गए अपने शुभकामना संदेश में मुख्यमंत्री ने कहा, 'बीते वर्ष के कटु प्रसंगों को भुलाकर, मधुर स्मृतियों से प्रेरणा लेते हुए आगे बढ़ें। महाराष्ट्र हर क्षेत्र में अग्रणी और नेतृत्व करने वाला राज्य है। महाराष्ट्र की प्रगति की पताका इसी प्रकार फहराती रहे, इसके लिए हम सब एकजुट हों। महाराष्ट्र की धरती में चुनौतियों को स्वीकार करने का साहस है। यदि चुनौतियाँ आएँ, तो उन पर विजय पाने का संकल्प करें। नया वर्ष नवचैतन्य लेकर आए, आशाओं और आकांक्षाओं को बल दे– ऐसी आशा व्यक्त करता हूँ।'
मुख्यमंत्री श्री फडणवीस ने यह भी कामना की कि नववर्ष सभी के लिए स्वास्थ्यप्रद हो तथा प्रत्येक क्षेत्र में उन्नति, समृद्धि और खुशहाली लेकर आए।

गोवा में तीसरे जिले के गठन की अधिसूचना सरकार जल्द जारी करेगी:प्रमोद सावंत

गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने मंगलवार को कहा कि सरकार राज्य में तीसरे जिले का गठन करेगी और इसकी अधिसूचना जल्द ही जारी की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि नए जिले में उन चार तालुका को शामिल किया जाएगा जो वर्तमान में दक्षिण गोवा में हैं और क्वेपेम शहर जिले का मुख्यालय होगा। इस तटीय राज्य में वर्तमान में उत्तरी गोवा और दक्षिणी गोवा नाम से दो ही जिले हैं। विपक्ष के नेता यूरी अलेमाओ ने दावा किया कि राज्य सरकार बुधवार (31 दिसंबर) को नए जिले की अधिसूचना जारी करना चाहती है और उन्होंने पूछा कि इसमें इतनी जल्दबाजी क्यों है। उन्होंने इस कदम से वित्तीय प्रभावों पर भी स्पष्टता लाने की मांग की। सावंत ने पोरवोरिम स्थित मंत्रालय में विधायकों की एक बैठक की मंगलवार को अध्यक्षता की, जिसमें तीसरे जिले के गठन पर चर्चा की गई।

इस बैठक में विपक्षी दल के विधायक भी मौजूद रहे। बैठक के बाद विपक्षी दलों ने पत्रकारों से कहा कि उन्हें इस नए जिले के प्रभावी होने के बारे में स्पष्टता नहीं है।

राष्ट्रपति मुर्मू ने नववर्ष 2026 पर दी शुभकामनाएं, 'मजबूत भारत' के निर्माण का आह्वान

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को जारी एक विज्ञप्ति में कहा कि उन्होंने नव वर्ष 2026 की पूर्व संध्या पर सभी देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि नव वर्ष के शुभ अवसर पर मैं देश और विदेश में रहने वाले सभी भारतीयों को हार्दिक शुभकामनाएं देती हूं। नव वर्ष नई ऊर्जा और सकारात्मक बदलाव का प्रतीक है। यह आत्मचिंतन और नए संकल्पों का भी अवसर है। इस अवसर पर आइए हम राष्ट्र के विकास, सामाजिक सद्भाव और पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को और मजबूत करें। उन्होंने आगे कहा,

वर्ष 2026 हमारे जीवन में शांति, सुख और समृद्धि लाए और एक मजबूत और समृद्ध भारत के निर्माण के लिए नई ऊर्जा प्रदान करे।
इससे पहले, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने भी नव वर्ष की पूर्व संध्या पर देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि नया साल महज कैलेंडर में बदलाव नहीं है; यह नए संकल्पों को मजबूत करने का अवसर है। यह नए रास्ते तलाशने, सकारात्मक बदलाव को अपनाने और बेहतर इंसान बनने के लिए निरंतर प्रयास करने का समय है। अपने संदेश में बिरला ने कहा, 'नए साल 2026 के आगमन पर मैं सभी को हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं। आशा है कि आने वाला वर्ष सभी के जीवन में नए सपने, नया उत्साह, नई संभावनाएं और भरपूर खुशियां लेकर आए। उन्होंने कहा कि आइए इस अवसर पर एकजुट होकर अपने जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराएं। आने वाले वर्ष में व्यक्तिगत प्रगति के साथ-साथ राष्ट्र निर्माण के कार्य में भी सार्थक योगदान दें। स्वदेशी उत्पादों को अपनाने और बढ़ावा देने का संकल्प लें, क्योंकि स्वदेशी केवल एक अवधारणा नहीं, बल्कि आत्मनिर्भर भारत का एक मजबूत स्तंभ है।

खरगे का केंद्र पर वार: बोले, बीजेपी कर रही कुशासन, उम्मीद है 2026 में सुशासन देगी सरकार

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बुधवार को केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए भाजपा पर 2025 में कई मोर्चों पर नाकाम रहने और 'कुशासन' का आरोप लगाया। नव वर्ष की पूर्व संध्या पर उन्होंने सरकार से अगले वर्ष सुशासन की कामना की। बेंगलुरु में पत्रकारों से बात करते हुए खरगे ने कहा कि मैं प्रार्थना करता हूं कि यह वर्ष अच्छा बीते और सभी खुश रहें। मुझे उम्मीद है कि नया साल सभी के लिए समृद्धि और अच्छे स्वास्थ्य लेकर आए और सरकारें अगले वर्ष सुशासन प्रदान करें। इससे पहले आज एक पोस्ट में, राज्यसभा के विपक्ष ने भाजपा पर हमला करते हुए एमजीएनआरईजीए के प्रतिस्थापन, गिरते रुपये और मुद्रास्फीति सहित 14 विवादित मुद्दों का हवाला दिया। एमजीएनआरईजीए और मतदाता सूची के विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) का हवाला देते हुए, जिन दो मुद्दों पर कांग्रेस ने 2025 के चुनाव में एकजुटता दिखाई थी, उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार नागरिकों के

काम करने के अधिकार और वोट देने के अधिकार को छीन रही है।
कांग्रेस नेता ने एक्स पर लिखा कि साल के आखिरी दिन, यह याद दिलाना जरूरी है कि भाजपा शासन के 11वें वर्ष, 2025 में देश का संचालन कैसे हुआ–एमजीएनआरईजीए को खत्म करके लाखों गरीबों से 'काम का अधिकार' छीन लिया गया। बिना किसी तैयारी के, बिना बीएलओ प्रशिक्षण के, एसआईआर के जरिए लाखों लोगों से 'मतदान का अधिकार' छीन लिया गया और भाजपा की वोट चोरी रंगे हाथों पकड़ी गई। यह ऐसे समय में आया है जब संसद ने यूपीए सरकार द्वारा लाए गए एमजीएनआरईजीए के स्थान पर विकसित भारत-रोजगार और आजीविका मिशन (ग्रामीण) अधिनियम, 2025 पारित किया है।
हालांकि यह कानून एमजीएनआरईजीए में 100 दिनों की तुलना में रोजगार गारंटी को बढ़ाकर 125 दिन कर देता है, विपक्ष ने महात्मा गांधी का नाम हटाने और केंद्र और राज्यों के बीच 60:40 के निधि बंटवारे के अनुपात को लेकर इसकी आलोचना की है। आर्थिक मोर्चे पर, खार्गे ने गिरते रुपये पर प्रकाश डाला, क्योंकि भारतीय मुद्रा अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 91 के अंक पर पहुंचकर अब तक के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गई।

असम की एनआईए आदालत ने आतंकी को उम्रकैद की सजा सुनाई, पाकिस्तानी से जुड़े हैं तार

गुवाहटी। राष्ट्रीय जांच एजेंसी के विशेष अदालत ने आतंकी गतिविधियों के मामले में एक व्यक्ति को उम्रकैद की सजा सुनाई है। एनआईए ने बुधवार को बताया कि आरोपी आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए पाकिस्तान के एक आतंकी संगठन से जुड़ा था। रिपोर्ट में कहा गया है कि असम के गुवाहाटी स्थित एनआईए की विशेष अदालत ने मोहम्मद कामरुज जमान उर्फ कमरुद्दीन को आतंकवाद विरोधी कानून के प्रावधानों के तहत तीन अलग-अलग सजाएं सुनाई हैं, जिनमें अधिकतम सजा आजीवन कारावास है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि ये सजाएं एक साथ चलेंगी।
अदालत ने जमान पर तीनों मामलों में 5,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया। वहीं, जुर्माना न भरने की स्थिति में तीन महीने की अतिरिक्त साधारण कारावास की सजा का भी प्रावधान किया।

वाईएसआरसीपी का TDP पर हल्ला बोल, कहा- सुविधाएं दो, वरना कर्मचारियों को बदनाम करना बंद करो

हैदराबाद। वाईएसआर कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) ने टीडीपी के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार को चेतावनी दी है कि बुनियादी सुविधाएं दिए बिना ग्राम सचिवालय कर्मचारियों पर दोष मढ़ने की कोशिश न करें।
मीडिया से बात करते हुए पार्टी के कर्मचारी एवं पेंशनभोगी विंग के प्रदेश अध्यक्ष नलारू चंद्र शेखर रेड्डी ने कहा कि सरकार 28,000 से अधिक ग्राम सचिवालय कर्मचारियों को 'माना मित्र ऐप' के उपयोग के बारे में लोगों में

जागरूकता पैदा न करने के लिए ज्ञापन जारी करने की योजना बना रही है।
उन्होंने कहा कि लोगों में स्मार्टफोन के इस्तेमाल को लेकर डर का माहौल है और केवल 20 प्रतिशत लोग ही इनका इस्तेमाल कर रहे हैं। गठबंधन सरकार का मानना ??है कि सबके पास स्मार्टफोन है और वे इसका इस्तेमाल कर सकते हैं और ऐप अपलोड कर सकते हैं, जो कि सच नहीं है। उन्होंने कहा कि सरकार ने स्वयंसेवी प्रणाली को समाप्त कर दिया है और ग्राम सचिवालय प्रणाली को कमजोर कर रही है। अब सरकार उन कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई करने पर विचार कर रही है जो लोगों में जागरूकता लाने का काम कर रहे हैं, जबकि यह उनके कार्यक्षेत्र में शामिल नहीं है।
इसके अलावा, उन्होंने कहा कि उचित सुविधाएं दिए बिना गठबंधन सरकार सारा दोष उन पर मढ़ रही है और ज्ञापन जारी कर रही है, जो निंदनीय है। हम मांग करते हैं कि सरकार कर्मचारियों को परेशान न करे। उन्होंने कहा कि गठबंधन अपनी कर्मचारी-विरोधी नीति को जारी रखते हुए चारों कर्मचारियों को महंगाई भत्ता (डीए), आयकर (आईआर), पीआरसी आदि नहीं दे रहा है और उनके सभी वित्तीय लाभ रोक दिए गए हैं, तथा उनकी बचत को अन्य उद्देश्यों के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है। इस बीच, पुलिस के अनुसार, पश्चिम गोदावरी जिले के पूर्वी चोडावरम गांव में पूर्व मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी के फ्लेक्स बैनर के सामने शराब के नशे में एक बकरी का सिर काटने के आरोप में वाईएसआरसीपी के तीन सदस्यों, कट्टुला रमेश, पुट्टा नवीन और कोंडा बद्दुला साई को नल्लाजेरला पुलिस ने गिरफ्तार कर मुख्य सड़क पर घुमाया।

कानून मंत्री का दावा: 2025 में न्यायिक नियुक्तियां हुईं बेहतर, एडीआर ने बदला न्याय का स्वरूप

नई दिल्ली। केंद्रीय कानून और न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने बुधवार को कहा कि 2025 में काफी संख्या में न्यायिक नियुक्तियां की गई हैं। उन्होंने कहा कि वैकल्पिक विवाद समाधान (एडीआर) तंत्र ने पिछले वर्ष अच्छा काम किया और मानवीय मामलों के निपटारे में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।एएनआई से एक साक्षात्कार में

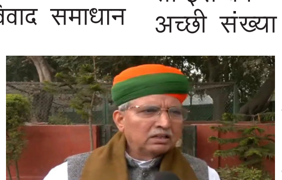

संसदीय कार्य राज्य मंत्री भी रहे मेघवाल ने कहा कि विभिन्न मंत्रालयों से संबंधित सुधारों के विधेयक संसद में पेश किए गए और उन्हें सदन में मध्यस्थता के माध्यम से पारित कराने के प्रयास किए गए। उन्होंने कहा कि एडीआर मानवीय मामलों के निपटारे में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।
विधि एवं न्याय मंत्रालय की बात करें तो इस वर्ष न्यायिक नियुक्तियों की अच्छी संख्या रही है... कुछ उच्च न्यायालयों में न्यायाधीशों की नियुक्ति में विविधता भी स्पष्ट रूप से दिखाई दी है। वैकल्पिक विवाद समाधान तंत्र ने 2025 में अच्छा काम किया। मध्यस्थता पर अच्छे सम्मेलन हुए। भारत मंडपम में मध्यस्थता पर एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया। मानवीय मामलों के निपटारे में वैकल्पिक विवाद समाधान (एडीआर) महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा और हमने इस दिशा में तेजी से प्रगति की।

MK Stalin सरकार को झटका, राष्ट्रपति ने ञ्ज नियुक्ति पर विधेयक लौटाया

चेन्नई। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मद्रास विश्वविद्यालय (संशोधन विधेयक) को तमिलनाडु सरकार को वापस भेज दिया, जिससे राज्य द्वारा संचालित विश्वविद्यालयों में कुलपतियों की नियुक्ति प्रक्रिया में बदलाव का प्रयास रुक गया।
अप्रैल 2022 में तमिलनाडु विधानसभा द्वारा पारित इस विधेयक में मद्रास विश्वविद्यालय अधिनियम में संशोधन का प्रस्ताव था, जिसके तहत कुलपति की नियुक्ति और बर्खास्तगी का अधिकार राज्य सरकार के पास होना था।
वर्तमान में यह अधिकार राज्यपाल के पास है, जो विश्वविद्यालय के पदेन कुलाधिपति भी होते हैं। प्रस्तावित संशोधन का उद्देश्य अधिनियम में कुलाधिपति के संदर्भ को सरकार के अधिकार से हटाना था। तमिलनाडु के राज्यपाल आर.एन. रवि ने पहले विधेयक को राष्ट्रपति के विचारार्थ आरक्षित कर दिया था, यह कहते हुए कि इन परिवर्तनों से विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के नियमों

और कुलपति नियुक्तियों से संबंधित स्थापित मानदंडों के साथ टकराव हो सकता है।
यह निर्णय द्रविड़ मुन्नेत्र कज़गम (डीएमके) सरकार और राज्यपाल के बीच राज्य में उच्च शिक्षा संस्थानों के प्रशासन को लेकर चल रहे लंबे टकराव के बीच आया है। तमिलनाडु के 22 राज्य-संचालित विश्वविद्यालयों में से लगभग 14, जिनमें 168 वर्ष पुराना मद्रास विश्वविद्यालय भी शामिल है, वर्तमान में नियमित कुलपतियों के बिना चल रहे हैं और संयोजक समिति द्वारा संचालित किए जा रहे हैं।
यह विवाद सर्वोच्च न्यायालय तक भी पहुंच चुका है, जिसने इस वर्ष अप्रैल में राज्य विधानमंडल से निपटने में राज्यपाल की भूमिका पर एक ऐतिहासिक फैसला सुनाया था। न्यायालय ने संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत अपनी शक्तियों का प्रयोग करते हुए, तमिलनाडु विधानसभा द्वारा 2022 में पारित 10 संशोधन विधेयकों को स्वतः स्वीकृत कर दिया।

एआईएडीएमके का आरोप, राज्य में नशे की लत फैलने से बिगड़ रही कानून-व्यवस्था

चेन्नई। पूर्व मंत्री और एआईएडीएमके के वरिष्ठ नेता डी. जयकुमार ने बुधवार को तमिलनाडु में चार नाबालिगों द्वारा ओडिशा के एक व्यक्ति पर किए गए हमले पर प्रतिक्रिया व्यक्त की। उन्होंने तमिलनाडु के स्वास्थ्य मंत्री एम. सुब्रमणियन की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि स्वास्थ्य मंत्री का कहना है कि किसी भी प्रकार के नशीले पदार्थ का प्रचलन नहीं है; जबकि ऐसी घटनाएं दर्शाती हैं कि राज्य में नशीले पदार्थों की लत फैल रही है।
डी. जयकुमार ने कहा कि तमिलनाडु, जो लोगों का स्वागत करने के लिए जाना जाता है, ऐसी घटनाओं के कारण अब शर्मिंदगी का सामना कर रहा है। स्वास्थ्य मंत्री बिना किसी शर्म के कहते हैं कि तमिलनाडु में गांजा या नशीले पदार्थों का प्रचलन नहीं है। वास्तविकता में, नशीले पदार्थों की लत फैल रही है। इस बीच, पुलिस महानिरीक्षक (उत्तर क्षेत्र) आसरा गर्ग ने घटना का विस्तृत विवरण देते हुए बताया कि चार नाबालिग लड़कों ने ओडिशा के 20 वर्षीय व्यक्ति पर हमला किया। उन्होंने घटना का वीडियो भी बनाया और उसे इंटरनेट पर प्रकाशित कर दिया।
उन्होंने कहा कि 27 दिसंबर को एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना घटी, जिसमें ओडिशा के एक 20 वर्षीय युवक पर चार नाबालिगों ने हमला किया... सभी नाबालिग थे... उन्होंने इस पूरी घटना का वीडियो बनाया और इसे सोशल मीडिया पर भी अपलोड कर दिया। पीड़ित को तुरंत तीन सरकारी अस्पतालों में चिकित्सा सहायता दी गई।

चुनावी हलचल के बीच एनसीपी नेता धनंजय मुंडे को बड़ी राहत, इस विवाद पर अदालत ने दी क्लीन चिट

दिव्यांश
मुंबई(संवाददाता)

मुंबई। महाराष्ट्र के बीड जिले के न्यायालय ने बुधवार को पूर्व राज्य मंत्री और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) नेता धनंजय मुंडे को बड़ी राहत दी है। न्यायालय ने नेता के खिलाफ उनकी पहली पत्नी होने का दावा करने वाली एक महिला की याचिका खारिज कर दी। महिला ने आरोप लगाया था कि मुंडे ने 2024 के चुनावी नामांकन पत्रों में आवश्यक जानकारी छिपाई है।

कोर्ट ने क्या सुनाया फैसला?

मामले में न्यायिक मजिस्ट्रेट (परली वैजनाथ) दीपक बोरडे ने फैसला सुनाया कि शिकायतकर्ता करुणा मुंडे आरोपी के खिलाफ प्रथम दृष्टया में कोई मामला साबित नहीं कर पाई हैं। न्यायालय ने यह भी कहा कि तथ्यों को चुनाव जीतने के उद्देश्य से नहीं छिपाया गया था। अदालत ने कहा, 'ऐसा लगता है कि शिकायतकर्ता की ओर से बताए गए तथ्यों को छिपाने से उनकी चुनावी जीत पर कोई असर नहीं पड़ा है। इसलिए ऐसे तथ्य को न बताने का मकसद चुनाव में जीतने का नहीं लगता।'

क्या था मामला?

मामले में करुणा मुंडे ने लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम के प्रावधानों के तहत अदालत का रुख किया था। उन्होंने खुद को एनसीपी नेता की पहली कानूनी रूप से विवाहित पत्नी बताया था। उनकी मुख्य शिकायत थी कि पहली पत्नी होने के बावजूद, नवंबर 2024 में जब धनंजय मुंडे ने बीड जिले के परली से विधानसभा चुनाव लड़ा, तो नामांकन पत्रों में उनका नाम शामिल नहीं था।

एनसीपी नेता के वकील ने क्या कहा?

दूसरी ओर, एनसीपी नेता ने न्यायालय में कहा कि उनका संबंध आपसी सहमति से था, जिससे दो बच्चे हुए। पूर्व मंत्री ने बच्चों के दस्तावेजों में केवल अपना नाम और उपनाम प्रयोग करने की अनुमति दी थी। धनंजय मुंडे के अधिवक्ता बी. कावड़े ने तर्क दिया कि शिकायतकर्ता को पूरी जानकारी थी कि एनसीपी विधायक पहले से शादीशुदा हैं, फिर भी उन्होंने स्वेच्छा से रिश्ता बनाया, जो नवंबर 2020 में खत्म हो गया।

कोर्ट ने क्या कहा?

महिला के मामले में कई विसंगतियों को उजागर करते हुए, न्यायालय ने बताया कि शिकायत में 1996 के विवाह का उल्लेख है, जबकि उनके सत्यापन बयान में तिथि 1 सितंबर, 1998 बताई गई है। न्यायालय ने कहा कि शिकायतकर्ता ने विवाह का कोई कानूनी दस्तावेज जैसे पंजीकरण प्रमाण पत्र या अन्य साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किए हैं, जो यह सिद्ध करें कि वह परली विधायक की पहली कानूनी रूप से विवाहित पत्नी हैं।

इलेक्शन इंस्पेक्टरों ने चुनाव से जुड़े कामों का डिटेल में रिव्यू किया

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

नवी मुंबई म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन का आम चुनाव बिना डरे, आज़ाद और ट्रांसपेरेंट माहौल में कराने के लिए म्युनिसिपल कमिश्नर और इलेक्शन ऑफिसर डॉ. कैलाश शिंदे की गाइडेंस में पूरे इंतज़ाम किए गए हैं और हर मामले के लिए हेड ऑफ़ डिपार्टमेंट रैंक के नोडल ऑफिसर अपॉइंट किए गए हैं।

इस चुनाव प्रोसेस पर नज़र रखने के लिए, स्टेट इलेक्शन कमीशन ने हर म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के लिए एक चीफ़ इलेक्शन इंस्पेक्टर और एक इलेक्शन इंस्पेक्टर अपॉइंट किया है। नवी मुंबई म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के आम चुनावों के लिए, महाराष्ट्र पेट्रोकेमिकल्स कॉर्पोरेशन के मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ. भाऊसाहेब डांगड़े को चीफ़ इलेक्शन इंस्पेक्टर और महाराष्ट्र इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन के डिप्टी चीफ़ एग्ज़ीक्यूटिव ऑफिसर श्री धनंजय सावलकर को इलेक्शन इंस्पेक्टर अपॉइंट किया गया है। ये दोनों सीनियर ऑफिसर चुनाव के हर पहलू पर पूरा ध्यान देंगे।

चुनाव के सिलसिले में, दोनों इलेक्शन इंस्पेक्टरों ने कमिश्नर डॉ. कैलाश शिंदे से मुलाकात की और चुनाव से जुड़े कामों के सभी नोडल ऑफिसरों ने नवी मुंबई म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन की तरफ से चल रहे कामों का डिटेल में रिव्यू किया।

चुनावों के बारे में लोगों से शिकायतें/सुझाव लेने के लिए एक शिकायत निवारण सेल बनाया गया है और लोग आचार संहिता लागू होने और चुनाव से जुड़े दूसरे मामलों के बारे में टोल-फ्री नंबर 1800222309 और ईमेल ID nmmcelectionobserver@gmail.com पर शिकायत/सुझाव दे सकते हैं। इसी तरह, वे नगर निगम हेडक्वार्टर में चुनाव विभाग में लिखकर भी शिकायत/सुझाव दे सकते हैं।

आज, चीफ इलेक्शन इंस्पेक्टर डॉ. भाऊसाहेब डांगड़े और इलेक्शन इंस्पेक्टर श्री धनंजय सावलकर ने रिटर्निंग ऑफिसर के ऑफिस का दौरा किया और वहां चल रहे चुनाव नॉमिनेशन पेपर की जांच के काम का निरीक्षण किया।

पूरी चुनाव प्रक्रिया को सही तरीके से करने के लिए और क्योंकि यह पहली बार है कि चुनाव मल्टी-मेंबर सिस्टम में हो रहे हैं, इसलिए अलग-अलग मीडिया का इस्तेमाल करके वोटिंग सिस्टम के बारे में लोगों में जागरूकता पैदा की जा रही है। वोटिंग परसेंटेज बढ़ाने के लिए भी अलग-अलग मीडिया का इस्तेमाल किया जा रहा है।

Thane Police ने दो भाइयों के खिलाफ बलात्कार का मामला दर्ज किया

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

महाराष्ट्र के ठाणे जिले में पुलिस ने दो भाइयों के खिलाफ एक महिला के साथ लगभग सात साल तक बलात्कार करने के आरोप में मामला दर्ज किया है। एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी।

अधिकारी ने बताया कि 22 वर्षीय गृहिणी ने हाल में नयी दिल्ली में पुलिस से संपर्क किया, जहां 'जीरो एफआईआर' दर्ज की गई। इसके बाद मामला भिवंडी क्षेत्र के भोईवाड़ा पुलिस थाने को स्थानांतरित कर दिया गया।

'जीरो एफआईआर' एक ऐसी प्रथम सूचना रिपोर्ट है जिसे किसी भी पुलिस थाने में दर्ज कराया जा सकता है, भले ही अपराध उस थाने के अधिकार क्षेत्र में न हुआ हो। मामले के दस्तावेजों का हवाला देते हुए अधिकारी ने बताया कि शिकायतकर्ता, जो अब राष्ट्रीय राजधानी के नजफगढ़ में रहती है, को आरोपी सुदीप उपाध्याय 2018 में आगे की शिक्षा दिलाने के बहाने उसके गृहनगर से भिवंडी लाया था। उस समय वह 10वीं कक्षा में पढ़ रही थी।

अधिकारी ने बताया कि महिला के अनुसार उसके आने के बाद सुदीप अपने गांव चला गया। उस दौरान उसके भाई संदीप उपाध्याय ने कई बार उसके साथ कथित तौर पर बलात्कार किया। उन्होंने भिवंडी स्थित उनके आवास पर दोनों भाइयों ने उसे शारीरिक और मानसिक यातनाएं दीं। यह तुरंत स्पष्ट नहीं हो पाया कि पीड़िता नयी दिल्ली कैसे पहुंची या उसकी शादी

कब हुई।

अधिकारी ने बताया कि आवश्यक दस्तावेज प्राप्त होने के बाद, भोईवाड़ा पुलिस ने मंगलवार को दोनों भाइयों के खिलाफ बलात्कार और आपराधिक धमकी के आरोप में बाल यौन उत्पीड़न संरक्षण अधिनियम और भारतीय दंड संहिता के तहत मामला दर्ज किया। सहायक पुलिस निरीक्षक एसआर पाटिल ने बताया कि जांच जारी है।

शिकायतकर्ता ने पुलिस को बताया कि 2018 से अगस्त 2025 के बीच बताया कि जब उसने सुदीप को उसके भाई के कृत्यों के बारे में बताया, तो उसने कथित तौर पर उससे शादी करने का वादा करके उसे चुप करा दिया। अधिकारी ने बताया कि बाद में, सुदीप ने शिकायतकर्ता को अपने साथ शारीरिक संबंध बनाने के लिए कथित तौर पर मजबूर किया।

डीएफसीसीआईएल ने जेएनपीटी-वैतरणा खंड का रेल कार निरीक्षण सफलतापूर्वक संपन्न किया

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (डीएफसीसीआईएल) के प्रबंध निदेशक श्री प्रवीण कुमार ने हाल ही में वैतरणा-जेएनपीटी तक, जो पश्चिमी डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर (डब्ल्यूडीएफसी) का आरंभिक बिंदु है, लगभग 102 किलोमीटर की दूरी का रेल कार निरीक्षण सफलतापूर्वक संपन्न किया।

यह ऐतिहासिक निरीक्षण जेएनपीटी-वैतरणा खंड के नवनिर्मित डीएफसीसीआईएल ट्रैक पर पहली बार रेलगाड़ी (रेल कार) की आवाजाही को दर्शाता है। यह खंड डब्ल्यूडीएफसी का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है और डीएफसीसीआईएल की सीजीएम/मुंबई इकाई के अधिकार क्षेत्र में आता है। इस रेल कार निरीक्षण का सफल समापन जेएनपीटी-वैतरणा (102 किलोमीटर) खंड के आरंभ होने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। पूर्ण रूप से आरंभ होने के बाद, यह खंड भारत के भीतरी क्षेत्रों और जेएनपीटी बंदरगाह के बीच माल ढुलाई संपर्क को काफी हद तक बढ़ाएगा और विश्व स्तरीय माल ढुलाई अवसंरचना विकसित करने के लिए डीएफसीसीआईएल की प्रतिबद्धता की पुष्टि करेगा।

कुल मार्ग में से वैतरणा से न्यू खरबाओ तक का खंड (30 किमी) पूरी तरह से विद्युतीकृत हो चुका है, और 30 नवंबर 2025 को इस पर विद्युतीकृत लोकोमोटिव का सफल परीक्षण किया गया था। शेष खंड पर विद्युतीकरण और सिग्नलिंग का कार्य तेजी से चल रहा है और जल्द ही पूर्ण होने वाला है।

निरीक्षण के दौरान श्री अनुराग शर्मा, निदेशक (अवसंरचना), श्री संदेश श्रीवास्तव, कार्यकारी निदेशक (परियोजनाएं), श्री विकास कुमार, मुख्य महाप्रबंधक (मुंबई), डीएफसीसीआईएल मुंबई इकाई के वरिष्ठ अधिकारी, कार्यान्वयन एजेंसियों (मेसर्स टाटा प्रोजेक्ट्स, मेसर्स एल एंड टी, मेसर्स केपीआईएल) के प्रतिनिधि और अन्य सलाहकार भी उपस्थित थे।

संजय राउत के घर के बाहर कार पर बम की धमकी वाला संदेश; तलाशी में नहीं मिला कुछ भी संदिग्ध

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट) के सांसद संजय राउत के मुंबई स्थित आवास के बाहर बुधवार दोपहर एक कार खड़ी मिली, जिसकी खिड़की पर बम धमाके से जुड़ा संदेश लिखा हुआ था। इसके बाद बम निरोधक दस्ते ने राउत के घर की तलाशी ली। एक पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी।

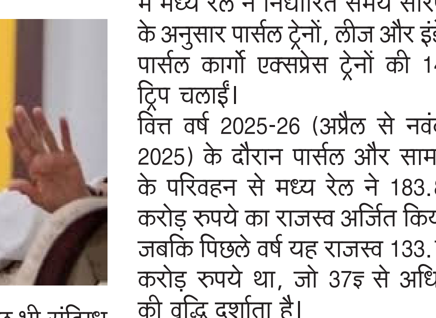

उन्होंने कहा कि भांडुप इलाके में राउत के घर की तलाशी के दौरान कोई भी संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। अधिकारी के मुताबिक, वैगनआर कार की खिड़की पर धूल में लिखा एक संदेश मिला, जिसमें लिखा था- आज होगा हंगामा 12 बजे बम विस्फोट। राज्यसभा सांसद के समर्थकों ने तत्काल इस बम धमकी वाले संदेश की जानकारी पुलिस को दी।

इसके बाद बम निरोधक और निस्तारण दस्ते (बीडीडीएस) के जवान मौके पर पहुंचे और राउत के बंगले की गहन जांच की। लेकिन वहां कुछ भी संदिग्ध नहीं पाया गया। अधिकारी ने बताया कि वहां खड़ी कार को जब्त कर लिया गया है और पुलिस धमकी भरे संदेश के मामले में एक अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज करने की प्रक्रिया में है।

वित्त वर्ष 2025-26 में नवंबर तक मध्य रेल ने पार्सल परिवहन से 183.80 करोड़ रुपये की आय अर्जित की

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

वित्त वर्ष 2025-26 (नवंबर 2025 तक) में मध्य रेल ने निर्धारित समय सारणी के अनुसार पार्सल ट्रेनों, लीज और इंडेंट पार्सल कार्गो एक्सप्रेस ट्रेनों की 143 ट्रिप चलाईं।

वित्त वर्ष 2025-26 (अप्रैल से नवंबर 2025) के दौरान पार्सल और सामान के परिवहन से मध्य रेल ने 183.80 करोड़ रुपये का राजस्व अर्जित किया, जबकि पिछले वर्ष यह राजस्व 133.70 करोड़ रुपये था, जो 37इ से अधिक की वृद्धि दर्शाता है।

मुंबई मंडल ने वित्त वर्ष 2025-26 में 136.20 करोड़ रुपये की आय के साथ पार्सल राजस्व में अग्रणी स्थान प्राप्त किया, जबकि पिछले वित्त वर्ष में यह 95.20 करोड़ रुपये था, जो 43इ से अधिक की वृद्धि दर्शाता है।

भुसावल मंडल में पार्सल राजस्व में 93इ की तीव्र वृद्धि दर्ज की गई है, जो वित्त वर्ष 2024-25 के मामूली 8.90 करोड़ रुपये से बढ़कर वित्त वर्ष 2025-26 में 17.20 करोड़ रुपये हो गया है।

अन्य मंडलों से पार्सल राजस्व में पुणे मंडल से 20.20 करोड़ रुपये, नागपुर मंडल से 7.60 करोड़ रुपये और सोलापुर मंडल से 2.60 करोड़ रुपये शामिल हैं।

मुख्य आकर्षण

मध्य रेल ने अक्टूबर 2024 में देवलाली (महाराष्ट्र) से दानापुर (बिहार) तक शेतकरी समृद्धि स्पेशल ट्रेन शुरू की, ताकि बिहार के नए बाजारों में किसानों को कम खर्च में खराब होने वाली वस्तुओं के परिवहन में सुविधा मिल सके। इन ट्रेनों में ताजे उत्पादों के परिवहन के लिए पार्सल वैन हैं, जो कृषि रसद और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देती हैं।

ोतकरी समृद्धि स्पेशल ट्रेनों की अब तक कुल 63 ट्रिप चलाई जा चुकी हैं, जिनमें 9044 टन से अधिक पार्सल का परिवहन किया गया है और 3.24 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ है।

किसानों को किफायती और सीधे बाजार तक पहुंच प्रदान करने के सरकार के दृष्टिकोण के अनुरूप, मध्य रेल ने एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। नवंबर 2025 में सोलापुर और पंढरपुर (महाराष्ट्र) से एशिया के सबसे बड़े रेशम ककून बाजार, रामनगरम (कर्नाटक) तक एक नई वस्तु, रेशम ककून, का सीधा परिवहन शुरू किया गया। ङयह अपनी तरह की प्रथम पहल थी और अब तक मध्य रेल द्वारा 535 पार्सलों में कुल 14939 किलोग्राम रेशम ककून का परिवहन किया जा चुका है।

पार्सल राजस्व में वृद्धि का श्रेय मध्य रेल द्वारा गहन विपणन और पार्सल परिवहन को बढ़ावा देने के लिए किए गए अन्य नवीन उपायों को जाता है।

पश्चिम रेलवे
वडोदरा मंडल

ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना सं. 82255227C तारीख 22.12.25.

निविदा नंबर: 82255227C आइटम का संक्षिप्त विवरण: 4 और 10 सीटों वाली स्टील **बेंच मात्रा:** NIT के अनुसार **निविदा खुलने की तारीख:** 15.01.26 विस्तृत नोटिस EMD, खरीद प्रतिबंध और विस्तृत निविदा शर्तों के बारे में कृपया वेबसाइट **www.ireps.gov.in** और **www.wr.indianrailways.gov.in** पर जाएं।

BRC 298

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly

पश्चिम मध्य रेल

शुद्धिपत्र संख्या 49/2025

निविदा सं. 8125WCRTP-03 जिसके खुलने की तिथि 15/01/2026 थी, जो कि इस कार्यालय की निविदा नोटिस सं. EPS/111/2025 के तहत प्रकाशित की गई थी, इसमें निम्न संशोधन किए गए है-**Tender No. & Short Description-**8125WCRTP-03,Description: Manufacture & सप्लाई ऑफ 1-in-12 Weldable कास्ट मैंगजीन स्टील क्रसिंग B.G. फॉर 60E1 रेल सेक्शन , **Description:-From-**Manufacture & Supply of 1-in- 12 Weldable Cast Manganese Steel Crossing B.G. for 60E1rail section and R260 grade on PSC sleepers in accordance with RDSO's standard drawing No. T-6412(Alt.6) & T-8781 (Alt. 3) including supply of 6mm thick Nylon Chord Reinforced GRSP (drawing no. RDSO/T-10203 to RDSO/T- 10215, RDSO/T-10159 and RDSO/T 10161), excluding standard fish plates, fish bolts and nuts, E.R. Clips, insulating liner etc. All amendments/ Alterations in drawing and specification issued by RDSO as on date of publishing of tender shall be applicable to this tender), **Description:-To-**Manufacture & Supply, of 1-in- 12 Weldable Cast Manganese Steel Crossing B.G. for 60E1 rail section and R260 grade on PSC sleepers in accordance with RDSO's standard drawing No. T-6412 (Alt.6) & T-8781 (Alt. 3) including supply of 6mm thick Nylon Chord Reinforced GRSP and other fittings as per RDSO Drg. No. T-6412 (Fitting list to Drg. No. T-6412 is attached with this Tender). All amendments/ Alterations in drawing and specification issued by RDSO as on date of publishing of tender shall be applicable to this tender. **List of Fittings-Description:-From-**Existing, **Description:-To-** Revised List OF FITTINGS. अद्धतन एवं पूर्ण जानकारी के लिए वेवसाईट https://www.ireps.gov.in देखे।

(हस्ता.)

कृते प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबंधक, पमरे/जबलपुर

स्वच्छ भारत अभियान, एक कदम स्वच्छता की ओर

पश्चिम रेलवे द्वारा विभिन्न स्पेशल ट्रेनों के फेरे विस्तारित

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा उनकी यात्रा मांग को ध्यान में रखते हुए, 04 जोड़ी स्पेशल ट्रेनों के फेरों को विशेष किराये पर विस्तारित किया गया है।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इन ट्रेनों का विवरण निम्नानुसार है:

1. ट्रेन संख्या 04828/04827 बांद्रा टर्मिनस - भगत की कोठी स्पेशल (साप्ताहिक)

ट्रेन संख्या 04828 बांद्रा टर्मिनस-भगत की कोठी स्पेशल को 01 फरवरी, 2026 तक विस्तारित किया गया है। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 04827 भगत की कोठी-बांद्रा टर्मिनस स्पेशल को 31 जनवरी, 2026 तक विस्तारित किया गया है।

2. ट्रेन संख्या 09622/09621 बांद्रा टर्मिनस - अजमेर स्पेशल (साप्ताहिक)

ट्रेन संख्या 09622 बांद्रा टर्मिनस-अजमेर स्पेशल को 26 जनवरी, 2026 तक विस्तारित किया गया है। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09621 अजमेर-बांद्रा टर्मिनस स्पेशल को 25 जनवरी, 2026 तक विस्तारित किया गया है।

3.ट्रेन संख्या 09057/09058 उधना - मंगलुरु स्पेशल (द्विसाप्ताहिक)

ट्रेन संख्या 09057 उधना-मंगलुरु स्पेशल को 28 जनवरी, 2026 तक विस्तारित किया गया है। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09058 मंगलुरु-उधना स्पेशल को 29 जनवरी, 2026 तक विस्तारित किया गया है।

4. ट्रेन संख्या 09059/09060 उधना - खुरदा रोड स्पेशल (साप्ताहिक)

ट्रेन संख्या 09059 उधना-खुरदा रोड स्पेशल को 25 फरवरी, 2026 तक विस्तारित किया गया है। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09060 खुरदा रोड-उधना स्पेशल को 27 फरवरी, 2026 तक विस्तारित किया गया है।

ट्रेन संख्या 04828 एवं 09622 के विस्तारित फेरों की बुकिंग 01 जनवरी, 2026 से जबकि, ट्रेन संख्या 09057 एवं 09059 के विस्तारित फेरों की बुकिंग 02 जनवरी, 2026 से सभी पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर शुरू होगी। ट्रेनों के ठहराव, संरचना और समय के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www.enquiry .indianrail.gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

पश्चिम रेलवे

विभिन्न पुलों का रखरखाव और मरम्मत का काम

DY. CE (ब्रिज-लाइन), वेस्टर्न रेलवे, दादर, ई-टेंडर नोटिस नंबर: DYCE-BR-DDR-2025-17, तारीख: 29.12.2025 जारी करता है। **काम का नाम:** 'ज़ोन-1, 2025-26 के पुलों के लिए मुंबई डिवीजन के SSE/Br/भयंदर के अधिकार क्षेत्र में विभिन्न पुलों के शेड्यूल रखरखाव और छोटी-मोटी मरम्मत का काम'। **काम की अनुमानित लागत:** 53,99,744.29.EMD: 1,08,000/-. **ई-टेंडर ऑनलाइन जमा करने की तारीख और समय:** 29.01.2026 तक 15:00 बजे तक। **ई-टेंडर ऑनलाइन खोलने की तारीख और समय:** 29.01.2026 को 15:30 बजे। अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर जाएं। 0954

हमें फॉलो करें facebook.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे दो जोड़ी साप्ताहिक स्पेशल ट्रेनों के फेरों का विस्तार करेगा

ट्रेन नंबर	से	तक	चलने का दिन	विस्तारित तिथि
04828	बांद्रा टर्मिनस	भगत की कोठी		01.02.2026
04827	भगत की कोठी	बांद्रा टर्मिनस		31.01.2026
09622	बांद्रा टर्मिनस	अजमेर		26.01.2026
09621	अजमेर	बांद्रा टर्मिनस		25.01.2026

स्टॉप के समय और कंपोजीशन के बारे में डिटेल में जानकारी के लिए, पैसेंजर कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाएं।

ट्रेन नंबर 04828 और 09622 की लंबी यात्राओं की बुकिंग 01.01.2026 से PRS काउंटर और IRCTC वेबसाइट पर शुरू होगी। ये ट्रेनें स्पेशल किराए पर स्पेशल ट्रेनों के रूप में चलेंगी।

पश्चिम रेलवे
wr.indianrailways.gov.in
Like us on: facebook.com/WesternRly
Follow us on: X.com/WesternRly
Follow us on: Instagram/WesternRly

कृपया सभी रिज़र्व टिकटों के लिए ओरिजिनल आईडी प्रूफ साथ रखें।

कसाब को पकड़ने वाले IPS अधिकारी सदानंद दाते बने महाराष्ट्र के नए डीजीपी, नए साल में संभालेंगे पद

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई। 26/11 आतंकी हमलों नायक और एनआईए के प्रमुख रहे आईपीएस अधिकारी सदानंद वसंत दाते को महाराष्ट्र का नया पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) नियुक्त किया गया है। राज्य सरकार ने बुधवार को उनके नाम पर मुहर लगाई।

1990 बैच के आईपीएस अधिकारी सदानंद दाते (59 वर्ष) मौजूदा डीजीपी रश्मि शुक्ला की जगह लेंगे, जो 3 जनवरी को सेवानिवृत्त हो रही हैं। दाते को महाराष्ट्र पुलिस बल का प्रमुख बनने के बाद दो वर्षों का कार्यकाल मिलेगा। नरम स्वभाव लेकिन सख्त प्रशासक माने जाने वाले सदानंद दाते हाल ही में केंद्रीय प्रतिनियुक्ति से राज्य लौटे हैं। इससे पहले वह केंद्र में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) के प्रमुख के रूप में कार्यरत थे।

अजमल कसाब को पकड़ने में निभाई थी अहम भूमिका

महाराष्ट्र कैडर के 1990 बैच के आईपीएस अधिकारी सदानंद वसंत दाते को 26/11 हमले के दौरान उनकी बहादुरी के लिए याद किया जाता है। आतंकी हमले के दौरान उनकी वीरता के लिए उन्हें राष्ट्रपति पुलिस पदक से सम्मानित किया गया था। दाते ने अजमल कसाब और उसके लश्कर-ए-ताइबा के सहयोगी अबू इस्माइल से संघर्ष किया, उन्हें चोटें आईं और

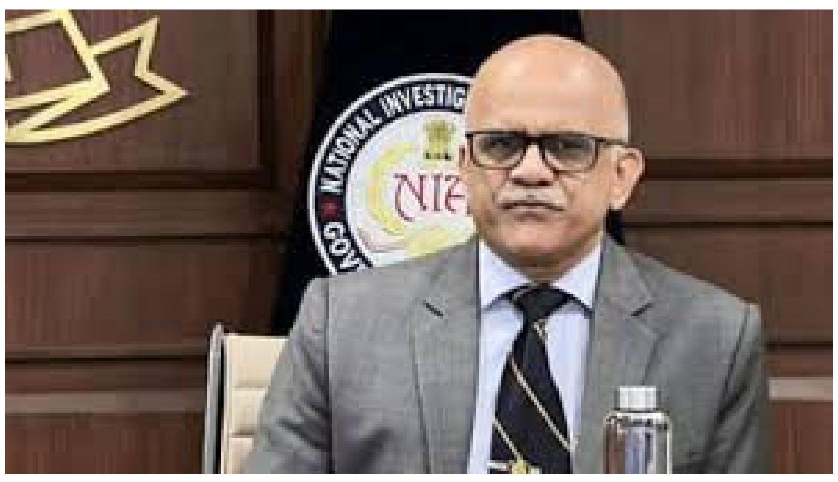

जब तक वह बेहोश नहीं हो गए, तब तक उन्होंने उन्हें रोके रखा। उनकी सूझबूझ के कारण ही कसाब जिंदा पकड़ा गया। उस समय वे मध्य क्षेत्र के अतिरिक्त पुलिस आयुक्त थे।

26 नवंबर, 2008 की उस भयावह रात को मध्य क्षेत्र के तत्कालीन अतिरिक्त पुलिस आयुक्त दाते को एक फोन आया कि छत्रपति शिवाजी टर्मिनस (सीएसटी) के पास आतंकी अंधाधुंध गोलीबारी कर रहे हैं। कुछ समय पहले ही 10 आतंकी एक नाव के जरिये मुंबई में घुस आए थे और शहर में फैल गए थे। इस हमले में मुंबई पुलिस के वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी हेमंत करकरे और अशोक कामटे सहित 18 बहादुर बलिदान हुए।

हमले के दौरान हुए थे घायल

आतंकियों के फेंके गए ग्रेनेड के हमले में दाते गंभीर रूप से घायल हुए थे। आज भी उनके शरीर में ग्रेनेड के धातु के टुकड़े फंसे हुए हैं, जिसमें एक उनकी आंख के पास भी है और वह इन स्थायी निशानों को चोटों के रूप में नहीं, बल्कि युद्ध क्षेत्र से लाए गए पदक के रूप में देखते हैं।

आतंकियों ने कामा अस्पताल की छत पर कब्जा कर लिया था

जब तक दाते और उनकी टीम सीएसटी पहुंची, तब तक दोनों आतंकी कसाब और इस्माइल वहां से चले गए थे और पास के कामा अस्पताल की छत पर कब्जा कर लिया था। टीम ने उनका वहां तक पीछा किया। उन्हें पता था कि दो लोग वहां हैं, लेकिन उन्हें आतंकियों के पास मौजूद हथियारों और गोला-बारूद के बारे में कोई जानकारी नहीं थी। बहरहाल, दाते के नेतृत्व वाली टीम ने दोनों से मुकाबला करने का फैसला किया। टीम की त्वरित प्रतिक्रिया और निर्णायक कार्रवाइयों ने अस्पताल में मरीजों, जिनमें बड़ी संख्या में महिलाएं और बच्चे भी शामिल थे को सुरक्षित रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। बुरी तरह घायल होने के बावजूद उन्होंने अन्य वरिष्ठ अधिकारियों को उनके स्थान के बारे में सूचित करने के अलावा दोनों आतंकियों पर गोलीबारी जारी रखी।

(अष्टम दिवस - समापन पूर्व दिवस : श्रीमद् भागवत ज्ञानयज्ञ)

भागवत कथा जीवन को मोह से मुक्त कर मोक्ष की ओर ले जाती है- जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी नारायणानन्द तीर्थ

मुंबई, कांदिवली (पूर्व) । कांदिवली (पूर्व) स्थित डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मैदान में श्री नारायण सेवा समिति, मुंबई के तत्वावधान में आयोजित श्रीमद् भागवत ज्ञानयज्ञ के अष्टम पावन दिवस पर आज कथा अपने निष्कर्षात्मक चरण में प्रविष्ट हुई। संपूर्ण पंडाल भक्ति, वैराग्य और आत्ममंथन के वातावरण से परिपूर्ण रहा। श्रद्धालुओं में यह अनुभूति स्पष्ट थी कि कथा अब केवल श्रवण नहीं, बल्कि जीवन में उतारने का आह्वान कर रही है।

जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी नारायणानन्द तीर्थ जी महाराज ने प्रवचन में कहा कि श्रीमद् भागवत मनुष्य को संसार से भागना नहीं सिखाती, बल्कि संसार में रहते हुए उससे मुक्त होना सिखाती है। उन्होंने कहा कि भागवत का मूल संदेश विवेक है, क्योंकि विवेकः परमं ज्ञानम्' – विवेक ही सर्वोच्च ज्ञान है।

स्वामीजी ने कहा–

'जब तक मनुष्य भोग को ही जीवन मानता है, तब तक अशांति रहती है; और जब सेवा, संयम और समर्पण जीवन का आधार बन जाते हैं, तभी भागवत का प्रकाश अंतःकरण में उतरता है।'

इस संदर्भ में उन्होंने श्लोक उद्धृत किया–

'न कर्मणा न प्रजया धनेन,
त्यागेनैके अमृतत्वमानशुः।'

अर्थात् त्याग से ही अमरत्व अर्थात् परम शांति की प्राप्ति होती है।

अष्टम दिवस पर स्वामीजी ने उद्धव-गोपी संवाद, ब्रह्मर गीत, राजा परीक्षित के वैराग्य, कलियुग के धर्म तथा नाम-स्मरण की महिमा पर विशेष प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि कलियुग में यदि कोई सरलतम साधना है, तो वह–

'हरेर्नाम हरेर्नाम हरेर्नामैव केवलम्।
कलौ नास्त्येव नास्त्येव नास्त्येव गतिरन्यथा?'

उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि भागवत कथा का उद्देश्य केवल कथा-श्रवण नहीं, बल्कि चरित्र शुद्धि और सामाजिक चेतना का निर्माण है, क्योंकि–

'धर्मो रक्षति रक्षितः'

अर्थात् धर्म की रक्षा करने पर धर्म स्वयं मनुष्य की रक्षा करता है।

स्वामी नारायणानन्द तीर्थ जी महाराज ने कहा कि वर्ष 2025 सनातन चेतना के पुनर्जागरण का वर्ष रहा है। अयोध्या में श्रीराम मंदिर के ध्वजारोहण को उन्होंने सनातन संस्कृति के उत्सव और राष्ट्रीय आत्मगौरव का प्रतीक बताया। साथ ही काशी, उज्जैन, द्वारका और बद्रीनाथ जैसे तीर्थों में बढ़ती श्रद्धालु सहभागिता को उन्होंने यह प्रमाण बताया कि–

'यदा यदा हि धर्मस्य ग्लानिर्भवति भारतष्ठ'

धर्म की हानि होने पर ईश्वर स्वयं उसके संरक्षण हेतु प्रकट होते हैं।

कार्यक्रम में प्रतिदिन की भांति आज भी विशाल संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। भजन-कीर्तन और हरिनाम संकीर्तन से संपूर्ण वातावरण आध्यात्मिक ऊर्जा और भक्तिरस से ओतप्रोत रहा।

प्रो. दयानंद तिवारी
प्रवक्ता - काशी धर्म पीठ
मो.: 99871 23330

महायुति में Seat Sharing पर बढ़ी टेंशन, अठावले ने फडणवीस के सामने रखी अपनी Demand List

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले ने बुधवार को कहा कि रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (अठावले) (आरपीआई(ए)) के प्रतिनिधिमंडल ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को मांगों की एक सूची सौंपी है, जिसमें सूची में उल्लिखित कुल 17 सीटों में से कम से कम 5-6 सीटें मांगी गई हैं। अठावले ने कहा कि आरपीआई(ए) के एक प्रतिनिधिमंडल ने आज मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात की और उन्होंने आरपीआई(ए) की शिकायतों का समाधान करने का प्रयास किया। हमने उन्हें 17 सीटों की सूची दी और उनसे कहा कि हमें उस सूची में से 5-6 सीटें मिलनी चाहिए।

अठावले ने आगे कहा कि एमएलसी की एक सीट के अनुरोध के साथ मांगों की एक सूची सौंपी गई है। इसके साथ ही, आरपीआई(ए) ने महाराष्ट्र राज्य निगमों में नियुक्तियां होने पर अध्यक्ष के दो पदों की मांग की है। इसके अलावा, आरपीआई(ए) ने आगामी जिला परिषद और पंचायत

चुनावों में 50-60 सदस्यों की मांग की है, जिसमें प्रत्येक जिले में कुछ सीटें हों। उन्होंने बताया कि एकनाथ शिंदे की शिवसेना के साथ बातचीत में काफी समय लग गया, जिसके कारण आरपीआई (ए) के साथ चर्चा में देरी हुई। हमने उन्हें अपनी मांगों की सूची सौंपी और एक एमएलसी सीट देने का अनुरोध किया।

उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र के राज्य निगमों में नियुक्तियां होने पर हमें दो अध्यक्ष पद, एक या दो उपाध्यक्ष पद और 50-60 सदस्य मिलने चाहिए, और आगामी जिला परिषद और पंचायत चुनावों में हमें हर जिले में कुछ सीटें मिलनी चाहिए। उन्होंने आगे कहा, 'हमने उन्हें अपनी मांगों वाला पत्र सौंपा और उन्होंने हमें आश्वासन दिया कि चुनाव के बाद नियुक्तियां होने पर आरपीआई (ए) पर उचित विचार किया जाएगा... मैं उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से भी मिलने जा रहा हूं... आज की बैठक अच्छी रही...'

इससे पहले, अठावले ने बताया कि आरपीआई (ए) ने मुख्यमंत्री फडणवीस को एक प्रस्ताव सौंपा है, जिसमें इस बात पर जोर दिया गया है कि 39 स्थानों पर उम्मीदवार उतारे गए हैं और यदि मुख्यमंत्री किसी उम्मीदवार को हटने के लिए कहते हैं तो बैठक आवश्यक है।

नया साल महाराष्ट्र के विकास के लिए नए अवसर लाएगा-उपमुख्यमंत्री अजीत पवार

उपमुख्यमंत्री अजीत पवार ने राज्य के लोगों को नए साल की शुभकामनाएं दीं

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई। राज्य के नागरिकों की सक्रिय भागीदारी, आधुनिक तकनीक के प्रभावी उपयोग और दूरदर्शी योजना के माध्यम से 'विकसित महाराष्ट्र' बनाने की दिशा में ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। इसलिए, यह दृढ़ विश्वास व्यक्त करते हुए कि महाराष्ट्र 'विकसित भारत 2047' के राष्ट्रीय लक्ष्य को पूरा करने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका सफलतापूर्वक निभाएगा, उपमुख्यमंत्री अजीत पवार ने नए साल 2026 के अवसर पर राज्य के लोगों को हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने यह भी विश्वास व्यक्त किया है कि आने वाला नया साल महाराष्ट्र को सर्वांगीण प्रगति के पथ पर और भी तेजी से ले जाएगा।

उपमुख्यमंत्री अजीत पवार ने अपने शुभकामना संदेश में कहा कि महाराष्ट्र के लोगों की एकता और

दृढ़ संकल्प के कारण राज्य ने अब तक हर चुनौती का सफलतापूर्वक सामना किया है। सरकार इस एकता को बनाए रखते हुए विकास के मार्ग को मजबूत करने के लिए दृढ़ संकल्पित है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'विकसित भारत 2047' के संकल्प को पूरा करने में महाराष्ट्र की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है, और तदनुसार, 2028 तक राज्य की अर्थव्यवस्था को एक ट्रिलियन डॉलर तक ले जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। सरकार का एकमात्र एजेंडा महाराष्ट्र का समग्र विकास है, जिसके लिए गुणवत्तापूर्ण बुनियादी ढांचे के निर्माण, जन कल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी कार्यान्वयन और शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के संतुलित विकास पर जोर दिया जा रहा है। नागरिकों की सक्रिय भागीदारी, आधुनिक तकनीक के उपयोग और प्रभावी योजना के माध्यम से 'विकसित महाराष्ट्र' को साकार करने के लिए ठोस और निर्णायक कदम उठाए जा रहे हैं।

उपमुख्यमंत्री अजीत पवार ने सभी से कृषि, उद्योग, शिक्षा, सहकारिता, कला और संस्कृति, साथ ही सामाजिक क्षेत्र में महाराष्ट्र की अग्रणी स्थिति बनाए रखने के लिए एकजुट प्रयास करने की अपील की है, और नए साल का उत्साह के साथ, लेकिन संयम और स्वास्थ्य जागरूकता के साथ स्वागत करने की अपील की है।

केंद्रीय कृषि और किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान का महाराष्ट्र का तीन दिवसीय दौरा

अहिल्यानगर और नासिक में विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होंगे

मुंबई। केंद्रीय कृषि और किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान 31 दिसंबर, 2025 से 2 जनवरी, 2026 तक अहिल्यानगर और नासिक जिलों के दौरे पर हैं। यह दौरा किसानों, ग्रामीण विकास, महिला सशक्तिकरण और युवाओं के लिए नए अवसरों को समर्पित है, और वे विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से केंद्र सरकार की किसान और ग्रामीण विकास नीतियों के बारे में जानकारी देंगे।

31 दिसंबर को, श्री चौहान अहिल्यानगर में विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होंगे। इस दौरान, वे बभलेश्वर में कृषि विज्ञान केंद्र का दौरा करेंगे और किसान समूहों के साथ बातचीत करेंगे। वे किसानों और ग्रामीण विकास से संबंधित मुद्दों पर भी चर्चा और समीक्षा करेंगे। किसानों के साथ सीधे बातचीत करते हुए, वे फसल पैटर्न, सिंचाई, जल संरक्षण, फसल बीमा, बाजार तक पहुंच बढ़ाने और सरकारी योजनाओं के कार्यान्वयन पर विचार-विमर्श करेंगे। अहिल्यानगर के अपने दौरे के दौरान, वे किसानों की आय बढ़ाने, प्राकृतिक खेती, आधुनिक तकनीक के उपयोग, फसल विविधीकरण, मूल्य संवर्धन और किसान उत्पादक संगठनों (इइ्ढ) के माध्यम से संगठित खेती को बढ़ावा देने पर अपनी बात रखेंगे।

1 जनवरी, 2026 को, श्री चौहान एक पेड़ लगाएंगे और शिरडी में साईं बाबा मंदिर जाएंगे। नए साल के अवसर पर, सुबह 10 से 11 बजे तक, वे वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से अपने दोनों मंत्रालयों के अधिकारियों को संबोधित करेंगे और विशेष संकल्प लेंगे और आने वाले वर्ष के कार्यों के लिए निर्देश देंगे। दोपहर 2 बजे, वे शिरडी के पास लोनी बुद्रुक में आयोजित ग्राम सभा में भाग

लेंगे और ग्रामीणों, मजदूरों और कामकाजी भाइयों से बातचीत करेंगे। साथ ही, शाम को, वे शनि शिंगणापुर जाएंगे।

2 जनवरी को, श्री चौहान का मुख्य कार्यक्रम नासिक में यशवंतराव चव्हाण महाराष्ट्र ओपन यूनिवर्सिटी के कृषि विज्ञान केंद्र में आयोजित किया गया है। यह कार्यक्रम दोपहर 12.15 बजे शुरू होगा, कुलपति और वरिष्ठ अधिकारियों से शिष्टाचार भेंट के बाद सभागार में औपचारिक रूप से इसका उद्घाटन किया जाएगा। वे प्रश्न-उत्तर और इंटरैक्टिव सत्र के माध्यम से छात्रों और शोधकर्ताओं को मार्गदर्शन देंगे और उनसे सीधे बातचीत करेंगे।

जमीन में निवेश के नाम पर 64 लाख रुपये की धोखाधड़ी, सात आरोपी गिरफ्तार

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

ठाणे जमीन में निवेश के नाम पर धोखाधड़ी करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने एक महिला सहित सात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। आरोप है कि ज़मीन में निवेश पर आकर्षक रिटर्न का वादा करके कई लोगों से 64 लाख रुपये की धोखाधड़ी की गई है।

मुंबई के कांदिवली के 28 साल के एक व्यक्ति और अन्य अज्ञात पीड़ितों ने इसकी शिकायत की। इसके आधार पर ठाणे के वागले एस्टेट डिवीजन के कपूरबावड़ी पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज हुई। कपूरबावड़ी पुलिस स्टेशन के एक अधिकारी ने बताया कि सात आरोपियों की पहचान किसानराव राठौड़, मेनका राठौड़, युगंधर, संतोष पावस्कर, स्वप्निल बेगले, अविनाश नारकर और एक अन्य एजेंट के रूप में हुई है।

कैसे दिया धोखाधड़ी की घटना को अंजाम

आरोपियों ने कथित तौर पर एक इन्वेस्टमेंट कंपनी के प्रतिनिधियों के रूप में काम किया और सितंबर 2023 में एक फर्जी स्कीम शुरू की। उन्होंने निवेशकों को अच्छा रिटर्न देने का वादा किया। निवेशकों को केवनी डाइव, कलहेर और भिवंडी जैसे इलाकों में प्लॉट देने का आश्वासन दिया। स्कीम को बढ़ावा देने के लिए विज्ञापन भी प्रकाशित किए गए थे। पैसे देने के बाद भी वादे के मुताबिक किसी को प्लॉट नहीं दिया गया। जब पीड़ितों ने जवाब मांगेने अपने पैसे वापस पाने के लिए आरोपियों से संपर्क किया तो उन्हें कथित तौर पर कोई जवाब नहीं मिला।।

आरोपियों पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 318(4) (धोखाधड़ी), 316(2) और 316(3) (आपराधिक विश्वासघात), और 3(5) (सामान्य इरादा) के साथ-साथ महाराष्ट्र प्रोटेक्शन ऑफ इंटरेस्ट ऑफ डिपॉजिटर्स एक्ट के प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया गया है।

निकाय चुनाव में एमवीए को मिली मदद, स्वाभिमानी पार्टी ने समर्थन देने का किया एलान

मुंबई। महाराष्ट्र की स्वाभिमानी पार्टी ने आगामी निकाय चुनाव में महाविकास अघाड़ी (एमवीए) को समर्थन देने का एलान किया है। स्वाभिमानी पार्टी ने कहा कि महाविकास अघाड़ी गठबंधन ही महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ रहा है। कांग्रेस के विधान परिषद के नेता सतेज पाटिल को लिखे पत्र में स्वाभिमानी पार्टी के नेता और पूर्व सांसद राजू शेट्टी ने कहा कि निकाय चुनाव ऐसे समय लड़े जा रहे हैं, जब शहरी नागरिक बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी और प्रशासन की नाकामी के चलते भारी परेशानी झेल रहे हैं। शेट्टी ने सत्ताधारी पार्टियों पर विकास के नाम पर भ्रष्टाचार और मनमाने तरीके से प्रशासन करने का आरोप लगाया। पत्र में शेट्टी ने लिखा कि इसके परिणामस्वरूप गरीब और आम नागरिक परेशान हैं। महाविकास अघाड़ी में कांग्रेस, शिवसेना (यूबीटी) और एनसीपी (एसपी) शामिल हैं, जबकि सत्ताधारी गठबंधन महायुति में भाजपा, शिवसेना और एनसीपी साझेदार हैं। राजू शेट्टी ने कहा कि एमवीए के उम्मीदवार जनता के मुद्दों पर आवाज उठाने और शहरी निवासियों के हितों की रक्षा के लिए मैदान में हैं।

आखिरी दिन हुए 2122 नामांकन, ठाणे में भाजपा के दो प्रत्याशी निर्विरोध चुने गए

मुंबई।महाराष्ट्र नगर निकाय चुनावों के लिए कुछ 2500 नामांकन कुए गए हैं। आखिरी दिन कुल 2122 नामांकन हुए हैं। बीएमसी में कुल 227 चुनावी वार्ड है, जहां 15 जनवरी को चुनाव होने हैं। नतीजे अगल दिन यानी 16 जनवरी को आएंगे। नामांकन का प्रक्रिया 23 दिसंबर को शुरू होकर 30 दिसंबर को खत्म हो गई। आज इन सभी नामांकन का जांच हो रही है। इसी के साथ नाम वापस लेने की आखिरी तारीख 2 जनवरी दोपहर तीन बजे तक है।

एम-ईस्ट वार्ड से सबसे ज्यादा 183 नामांकन किए गए हैं। इसमें गोवंडी, देवनार, चेंबूर, ट्रॉम्बे, मानखुर्द और अनीक जैसे इलाके शामिल हैं।

थाने में दो महिलाएं निर्विरोध चुनी गई ठाणे जिले के कल्याण डोंबिवली नगर निगम में भाजपा की दो महिलाओं ने निर्विरोध जीत दर्ज की। इसमें पहला नाम रेखा चौधरी का है। उन्हें वार्ड नंबर 26( ) से जीत मिली है। वह एक दशक से ज़्यादा समय से पार्षद थीं। दूसरा नाम असावरी केदार नवारे का है। उन्हें वार्ड नंबर 18 (कचोरे) से विजेता घोषित किया गया।

राज्य बीजेपी प्रमुख रवींद्र चव्हाण ने इन जीतों को लोगों की तरफ से 'सबसे बड़ा नागरिक सम्मान बताया। मुख्यमंत्री फडणवीस ने वीडियो कॉल के दौरान कहा जीत तो जीत होती है। लेकिन बिना मुकाबले की जीत भरोसे का संदेश है।

सम्पादकीय

अरावली की ऊंचाई पर सुप्रीम कोर्ट की परिभाषा, क्या 100 मीटर की लकीर से खतरे में पड़ जाएगा पूरा इकोसिस्टम?

हाल ही में अरावली पहाड़ियों की ऊंचाई को लेकर सुप्रीम कोर्ट की ओर से नई परिभाषा सामने आने के बाद स्वाभाविक ही यह बहस तेज हो गई कि अगर इसे कसौटी बनाया गया, तो आने वाले वक्त में स्थानीय पारिस्थितिकी पर इसका क्या असर पड़ेगा। पर्यावरण विशेषज्ञों से लेकर आम जनता के स्तर पर सौ मीटर की ऊंचाई वाली परिभाषा को लेकर चिंता जताई गई और एक बड़े इलाके के पर्यावरण पर जोखिम की आशंका के मद्देनजर इसमें फिर से बदलाव की मांग की गई।

अब सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को अपने पहले के निर्देशों पर रोक लगा दी और कहा कि कुछ महत्त्वपूर्ण अस्पष्टता को दूर करने की जरूरत है। इसमें एक सवाल यह भी शामिल है कि क्या सौ मीटर की ऊंचाई और पहाड़ियों के बीच पांच सौ मीटर का अंतर पर्यावरण संरक्षण के दायरे के एक महत्त्वपूर्ण हिस्से को कम कर देगा। गौरतलब है कि 20 नवंबर को सुप्रीम कोर्ट ने अरावली पहाड़ियों और श्रेणियों की एक समान और वैज्ञानिक परिभाषा को मंजूरी दे दी थी। इसके अलावा, अरावली क्षेत्र में विशेषज्ञों की रपट आने तक नए खनन पट्टे देने पर रोक लगा दी गई थी।

दरअसल, दुनिया की सबसे प्राचीन पर्वत-श्रृंखलाओं में से एक अरावली पहाड़ियों के संरक्षण और बिना रोकटोक खनन से समूचे क्षेत्र में होने वाले पर्यावरणीय नुकसान को लेकर लंबे समय से बहस चलती रही है। इसी संबंध में केंद्रीय वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की एक समिति ने सिफारिश की थी कि अरावली पहाड़ियों के संबंध में स्पष्ट और वैज्ञानिक परिभाषा बेहद जरूरी है। समिति ने यह भी कहा था कि अरावली जिलों में स्थित सौ मीटर या उससे अधिक की किसी भी भू-आकृति को पहाड़ी माना जाएगा।

मगर सुप्रीम कोर्ट की ओर से भी इसे स्वीकार्यता मिलने के बाद राष्ट्रीय स्तर पर अरावली के जीवन को लेकर चिंता जताई गई और कई सवाल उठे। यह एक जगजाहिर तथ्य है कि दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान तथा गुजरात में सैकड़ों किलोमीटर के इलाके में फैली अरावली पहाड़ियां कैसे एक जीवन-रेखा की भूमिका में खड़ी हैं और पर्यावरण के लिहाज से इसकी कितनी अहमियत है। ऐसे में स्वाभाविक ही यह सवाल उठा कि इस पर्वत श्रेणी में निर्बाध खनन गतिविधियों को अगर खुली छूट दी गई तो यह सार्वजनिक हित के लिहाज से कितना सही है।

पर्यावरण विशेषज्ञों और इस मसले पर शोधकर्ताओं का साफ मानना रहा है कि अगर सौ मीटर से नीचे की सभी पहाड़ियों में खनन की इजाजत दे दी जाती है, तो इसका असर समूचे इलाके में पड़ेगा। पश्चिम की तरफ से आने वाली गर्म हवा और धूल भरी आंधियों को रोकने में अरावली की पहाड़ियां एक तरह की दीवार का काम करती हैं।

इस संदर्भ में देखें तो इन पहाड़ियों की यह भूमिका और महत्त्व सभी जानते हैं कि अगर इन्हें नुकसान पहुंचा, तो पूर्वी राजस्थान, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, हरियाणा और दिल्ली सहित राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के इलाकों में धूल भरी आंधियों और सूखे का प्रकोप काफी बढ़ जाएगा। ऐसे में अगर अरावली पहाड़ियों के संरक्षण को लेकर कोई सख्त नियम-कायदे तय नहीं किए गए, तो उसके बाद उस इलाके में खनन और निर्माण से जुड़ी अन्य गतिविधियों से पर्यावरण पर व्यापक पैमाने पर नकारात्मक असर पड़ेगा और पारिस्थितिकी तंत्र के नष्ट हो जाने की आशंका है।यह सही है कि विकास की राह न रुके, लेकिन अगर इसकी कीमत पर एक बड़े इलाके के पर्यावरण और पारिस्थितिकी तंत्र को दीर्घकालिक नुकसान पहुंचता है, तो विकास की परिभाषा पर सवाल उठेंगे।

अमेरिकी शुल्क की मार के बीच भारत की एफटीए रणनीति
न्यूजीलैंड-ओमान से यूरोप तक, कैसे उड़ान भर रहा है निर्यात

अमेरिका की ओर से भारी-भरकम शुल्क लगाने के बावजूद भारत के मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) इस समय निर्यात बढ़ाने में अहम भूमिका निभाते हुए दिखाई दे रहे हैं। वहीं अब नए वर्ष में अमेरिका, यूरोपीय यूनियन और अन्य कई देशों के साथ एफटीए के आकार लेने से भारत का निर्यात तेजी से बढ़ेगा। वहीं प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआइ) बढ़ेंगे और व्यापार घाटे की तमाम चिंताएं भी कम होंगी। हाल ही में जारी विदेश व्यापार के आंकड़ों के अनुसार नवंबर 2024 से नवंबर 2025 के बीच भारत का कुल निर्यात 64.05 अरब डालर से बढ़ कर 73.99 अरब डालर हो गया। निर्यात में 15.52 फीसद की वृद्धि हुई है।

आगामी वित्तीय वर्ष 2026-27 में व्यापार समझौतों में नए श्रम कानून जान फूंकते हुए दिखाई देंगे। ऐसे में भारत से निर्यात नई ऊंचाई पर होंगे। पिछले दिनों सरकार ने कहा कि भारत द्वारा किए गए विभिन्न मुक्त व्यापार समझौते से पेशेवर सेवाओं पर कानूनी रूप से बाध्यकारी प्रतिबद्धताओं के कारण भारतीय पेशेवरों के लिए वैश्विक अवसर खुलेंगे और पेशेवर सेवाओं का निर्यात भी बढ़ेगा।

गौरतलब है कि हाल ही में 22 दिसंबर को भारत और न्यूजीलैंड के बीच मुक्त व्यापार समझौते की घोषणा की गई। इस संबंध में प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत-न्यूजीलैंड की साझेदारी नई ऊंचाइयों पर पहुंचने वाली है और इस समझौते से अगले पांच वर्षों में द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना करने में मदद मिलेगी। समझौते के तहत न्यूजीलैंड में भारतीय निर्यात पर शून्य शुल्क सुनिश्चित किया गया है। साथ ही न्यूजीलैंड ने भारत में अगले पंद्रह वर्षों में 20 अरब डालर के प्रत्यक्ष निवेश की प्रतिबद्धता भी जताई है।

दूसरी ओर, भारत ने न्यूजीलैंड के 70 फीसद उत्पादों के लिए शुल्क में कमी की पेशकश की है, जो 95 फीसद द्विपक्षीय व्यापार मूल्य को शामिल करती है। ऐसे में इस समझौते से 30 फीसद उत्पादों के लिए शुल्क खत्म हो जाएगा। इस समझौते के तहत लगभग 29.97 फीसद उत्पादों को सूची से बाहर रखा गया है। इनमें दूध, दही, पनीर, मांस और मट्ठा के साथ अन्य पशु उत्पाद, चना, मक्का, बादाम, चीनी एवं प्याज जैसी वस्तुएं शामिल हैं। एफटीए लागू होने के बाद न्यूजीलैंड के लिए भारत का शुल्क घट कर 13.18 फीसद हो जाएगा।

इस मुक्त व्यापार समझौते का मजबूत पक्ष भारत से सेवा निर्यात बढ़ाना और यहां से पेशेवरों को न्यूजीलैंड में अच्छे अवसरों के लिए आगे बढ़ाना भी है। यह समझौता भारत की प्रतिभाओं, नवउद्यम और नवाचार के लिए एक मजबूत बुनियाद प्रदान करता है। यह भारत के लिए सबसे प्रमुख सेवाओं की ऐसी पेशकश करता है, जो अब तक किसी भी पिछले समझौते में शामिल नहीं रहा है। यह समझौता न्यूजीलैंड में भारतीय छात्रों पर संख्या संबंधी सीमाओं को भी हटाता है। साथ ही विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और स्नातकोत्तर डिग्रीधारकों के लिए तीन वर्ष तक और डाक्टरेट कर चुके विद्यार्थियों के लिए अध्ययन के बाद चार साल तक न्यूजीलैंड में काम करने अवसर प्रदान करता है। इतना ही नहीं, भारत के कुशल पेशेवरों के लिए मुक्त व्यापार समझौता एक नया अस्थायी रोजगार प्रवेश (टीईई) यानी वीजा प्रदान करता है। इसका लाभ उच्च मांग वाले क्षेत्रों के भारतीय पेशेवर ले सकेंगे।

भारत-न्यूजीलैंड मुक्त व्यापार समझौते के महज चार दिन पहले 18 दिसंबर को प्रधानमंत्री और ओमान के सुल्तान की मौजूदगी में मस्कट में वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल तथा ओमान के उनके समकक्ष कैस बिन मोहम्मद अल यूसुफ ने समझौते पर हस्ताक्षर किए। इस समझौते को आधिकारिक तौर पर समग्र आर्थिक भागीदारी समझौता (सीपा) कहा गया है। यह बात भी महत्त्वपूर्ण है कि भारत-ओमान के बीच समझौते के तहत भारत के 98 फीसद निर्यात को ओमान के बाजार में शून्य शुल्क पर पहुंच मिलेगी। इस समझौते से भारत के कपड़ा, रत्न-आभूषण, दवाई, वाहन, कृषि उत्पाद और चमड़ा उद्योग को बड़ा फायदा मिलने की उम्मीद है। खासतौर से भारत से करीब 3.64 अरब डालर के निर्यात पर ओमान में फिलहाल लगने वाला पांच फीसद शुल्क शून्य हो जाएगा। इसके बदले में भारत ने ओमान से आने वाले विभिन्न उत्पादों पर आयात शुल्क में कमी सुनिश्चित की है।

ओमान से भारत आने वाले 95 फीसद उत्पादों के शुल्क कम होंगे। इनमें खजूर, मार्बल और पेट्रोकेमिकल उत्पाद शामिल हैं। इस मुक्त व्यापार समझौते के तहत भारत के हित में कई अहम बातें हैं। हमारे देश ने घरेलू हितों की रक्षा के लिए कुछ सख्त कदम भी उठाए हैं। पेशेवर आवाजाही पर भी एफटीए में भारत के हित हैं। पहली बार ओमान ने भारतीय पेशेवरों की आवाजाही पर व्यापक रियायतें दी हैं। अब एक अप्रैल 2026 से भारत-ओमान समझौता लागू होने के बाद भारतीय उत्पाद और सेवा निर्यात ओमान में बढ़ सकेंगे और हमारा प्रतिकूल व्यापार असंतुलन कम होगा।

यह बात अहम है कि राजग शासन के दौरान मारीशस, संयुक्त अरब अमीरात और आस्ट्रेलिया के साथ किए गए मुक्त व्यापार समझौते की प्रगति से संबंधित जो नए आंकड़े प्रकाशित हुए हैं, उनके मुताबिक जहां इन देशों के साथ तेजी से व्यापार बढ़ा है, वहीं इन देशों में निर्यात भी बढ़ रहे हैं। वहां से भारत को अधिक निवेश प्राप्त हो रहा है। एक अक्तूबर से भारत और चार यूरोपीय देशों आइसलैंड, स्विट्जरलैंड, नार्वे और यूरोपियन फ्री ट्रेड एसोसिएशन (एफ्टा) के बीच मुक्त व्यापार समझौता लागू हो गया है। एफ्टा देशों को निर्यात बढ़ने लगे हैं। इसी तरह भारत और ब्रिटेन के बीच किया गया मुक्त व्यापार समझौता भी अहम है।

पिछले दिनों ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ने भारत के साथ समझौते के विभिन्न पहलुओं पर रणनीतिक मंथन किया और कहा कि भारत और ब्रिटेन के बीच मुक्त व्यापार समझौते से मिलने वाले अवसर बेजोड़ होंगे। इतना ही नहीं, नए वर्ष में अमेरिका, यूरोपीय यूनियन, पेरू, चिली, मैक्सिको, कनाडा, दक्षिण अफ्रीका और इजराइल सहित अन्य कई प्रमुख देशों के साथ भी व्यापार समझौते आकार लेते हुए दिखाई देंगे।

पिछले दिनों रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने दिल्ली में 23वीं भारत-रूस शिखर बैठक में भारत के साथ 2030 तक द्विपक्षीय कारोबार बढ़ा कर सौ अरब डालर किया जाना सुनिश्चित करते हुए भारत-रूस मुक्त व्यापार समझौते के लिए वार्ता तेजी से आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता व्यक्त की। ऐसे में द्विपक्षीय व्यापार और एफटीए के अधिकतम लाभ लेने और विकास की नई संभावनाओं को साकार करने के लिए एक अप्रैल 2026 से भारत में लागू किए जाने वाले नए श्रम कानून भी मील का पत्थर साबित होंगे। केंद्र सरकार ने जिन नए श्रम कानूनों के तहत चार श्रम संहिताओं को अधिसूचित किया है, उनसे श्रमिकों के लिए राहत और उद्योग-कारोबार के लिए आर्थिक रफ्तार का परिदृश्य दिखाई दे रहा है। उम्मीद करना चाहिए कि नए वर्ष में सरकार दुनिया के प्रमुख देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते को तेजी से आकार देने के साथ-साथ समझौते के लाभों को पाने के लिए देश के उद्योग-कारोबार और श्रम बल को नई दक्षता के साथ तैयार करेगी। ऐसे में यह भी उम्मीद करें कि ये समझौते भारत को वर्ष 2027 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने की डगर पर आगे बढ़ाएंगे।

गमले उठाते 'सभ्य' लोग : क्या सार्वजनिक नैतिकता हमारे विकास से पीछे छूट गई है?

हाल ही में लखनऊ में जिस तरह के दृश्य सामने आए, वह उस व्यापक सामाजिक प्रवृत्ति का आईना है, जिसमें सार्वजनिक संपत्ति के प्रति हमारी जिम्मेदारी लगातार कमजोर पड़ती जा रही है। एक कार्यक्रम के दौरान सजावट के लिए लगाए गए पौधों को जिस सहजता से तथाकथित सभ्य लोगों ने उठा लिया, उसने एक असहज सवाल खड़ा किया है कि विकास की भाषा धाराप्रवाह बोलने वाले हम लोग, क्या अपने नागरिक होने का अर्थ भूलते जा रहे हैं! यह घटना इसलिए भी विचलित करती है क्योंकि इसमें वे लोग शामिल नहीं थे, जिनके लिए मजबूरी या अभाव का तर्क दिया जा सके।

गमले उठाने वाले वैसे लोग थे, जिन्हें समाज संपन्न, शिक्षित और 'सभ्य' मानता है। जब लाखों रुपए की गाड़ी रखने वाला व्यक्ति कुछ सौ रुपए का सरकारी गमला उठाकर ले जाता है, तो यह उस मानसिकता की अभिव्यक्ति होती है, जिसमें सार्वजनिक वस्तु को 'मुफ्त का माल' समझ लिया जाता है। यह आर्थिक नहीं, बल्कि मानसिक दरिद्रता का भी लक्षण है।

हम अक्सर यह मान लेते हैं कि शिक्षा, आय और आधुनिक जीवन-शैली अपने साथ अनुशासन और नैतिकता भी ले आती है, लेकिन ऐसी घटनाएं इस भ्रम को बार-बार तोड़ती हैं। सच यह है कि संपन्नता और संस्कार के बीच कोई स्वाभाविक रिश्ता नहीं है। कई बार सुविधा और ताकत का अहसास व्यक्ति को नियमों से ऊपर होने का भ्रम दे देता है। यही भ्रम सार्वजनिक जीवन को सबसे गहरी चोट पहुंचाता है, क्योंकि इससे नागरिक जिम्मेदारी आत्मसात होने के बजाय धीरे-धीरे क्षीण होती जाती है।

भारतीय संविधान नागरिकों को केवल अधिकार नहीं देता, बल्कि उनके कर्तव्य भी स्पष्ट करता है। सार्वजनिक संपत्ति की रक्षा करना हर नागरिक का मौलिक दायित्व है, लेकिन व्यवहार में हमने अधिकारों को प्राथमिकता और कर्तव्यों को औपचारिकता बना लिया है। अधिकारों की बात आते ही हम मुखर हो जाते हैं, लेकिन कर्तव्यों की चर्चा होते ही चुप्पी साध लेते हैं। यही असंतुलन समाज के नैतिक ढांचे को भीतर से खोखला करता है।

कुछ समय पहले भी लखनऊ में ही आम महोत्सव के दौरान प्रदर्शनी में सजाकर रखे गए आमों को लोगों ने लूट लिया था। वह भी किसी अव्यवस्थित या अभावग्रस्त भीड़ का आचरण नहीं था, बल्कि उन्हीं नागरिकों का था, जिन्हें ऐसे आयोजनों का जागरूक दर्शक और उपभोक्ता माना जाता है। इससे पहले बड़े आयोजनों के दौरान गुरुग्राम और नोएडा जैसे शहरों में सार्वजनिक स्थलों से फूल-पौधों की चोरी की घटनाएं भी सामने आ चुकी हैं।

महंगी गाड़ियों में इन चीजों की चोरी की तस्वीरें और वीडियो सुर्खियों में आए थे। इसी तरह एक राजनीतिक रैली में लोग खाट लेकर भागते दिख रहे थे। समस्या किसी एक आयोजन या प्रशासनिक चूक की नहीं है, बल्कि यह एक ऐसी मानसिकता का परिणाम है, जो सार्वजनिक स्थान को 'सरकारी' और 'बेपरवाह इस्तेमाल' की वस्तु मान लेती है।

हम निजी बातचीत में भ्रष्टाचार, व्यवस्था की खामियों और प्रशासन की विफलताओं पर खुलकर चर्चा करते हैं, नेताओं और अधिकारियों को दोषी ठहराते हैं, लेकिन जब अपने आचरण की बारी आती है, तो हम वही करते हैं जो हमें सुविधाजनक लगता है। हम अक्सर उन देशों की प्रशंसा करते हैं, जहां सड़कें साफ हैं, कतारें अनुशासित हैं और सार्वजनिक व्यवस्था सुचारु है, लेकिन हम यह भूल जाते हैं कि यह सब किसी चमत्कार का परिणाम नहीं है।

यह नागरिकों के रोजमर्रा के छोटे-छोटे निर्णयों का फल है–कचरा जहां-तहां न फेंकने, नियम न तोड़ने और जो अपना नहीं है, उसे न छूने का निर्णय। सभ्यता इन्हीं निर्णयों से बनती है। वहां व्यवस्था केवल कानूनों से नहीं, बल्कि नागरिकों के आत्म-अनुशासन से चलती है। सार्वजनिक स्थल वहां सरकार की नहीं, नागरिकों की भी जिम्मेदारी होते हैं।

यह समझना जरूरी है कि सड़कें, उद्यान, स्मारक और सार्वजनिक स्थल किसी सरकार की निजी संपत्ति नहीं हैं। वे हमारे ही कर या टैक्स के पैसों से बने हमारे साझा स्थान हैं। उन्हें नुकसान पहुंचाना आखिर अपनी ही सामूहिक संपदा को क्षति पहुंचाना है। यह वैसा ही है जैसे कोई अपने ही घर की चीजें तोड़ दे और फिर अव्यवस्था का रोना रोए।

सभ्यता की पहचान ऊंची इमारतों, भव्य आयोजनों या चमकदार ढांचों से नहीं होती। उसकी पहचान नागरिकों के छोटे-छोटे व्यवहार से होती है। संस्कार किसी योजना या बजट से नहीं आते, वे रोजमर्रा के आचरण से बनते हैं। सवाल यह नहीं है कि प्रशासन ने कितनी सुरक्षा की या कितने गमले लगाए, सवाल यह है कि क्या हम ऐसे समाज में बदलते जा रहे हैं जहां सार्वजनिक नैतिकता केवल भाषणों और उपदेशों तक सीमित रह गई है!

किसी भी सभ्यता का पतन अचानक नहीं होता। वह धीरे-धीरे होता है। शब्दों से पहले व्यवहार में, नीतियों से पहले आदतों में। जब नियम केवल दूसरों के लिए रह जाते हैं और सुविधा नैतिकता से बड़ी हो जाती है, तब पतन की प्रक्रिया शुरू हो चुकी होती है–चाहे बाहर से सब कुछ कितना ही आधुनिक क्यों न दिखे।

ऐसी घटनाएं हमें यह सोचने पर मजबूर करती हैं कि विकास का अर्थ क्या केवल भव्य आयोजन, सजावट और चमकदार ढांचे हैं। अगर नागरिकों में जिम्मेदारी, संयम और साझा स्वामित्व का भाव नहीं होगा, तो यह विकास सतही और अल्पकालिक साबित होगा। नियमों का पालन डर से नहीं, बल्कि समझ और जिम्मेदारी से होना चाहिए, क्योंकि सभ्यता शोर से नहीं बचती, वह चुपचाप निभाए गए कर्तव्यों से बचती है। और इतिहास आखिर इन्हीं कर्तव्यों का हिसाब रखता है।

कांग्रेस की कमियों को छिपाने के लिए आरएसएस को अलकायदा जैसा बताना सिर्फ अनर्गल प्रलाप!

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता, पूर्व केंद्रीय मंत्री और पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने कांग्रेस नेतृत्व को भाजपा-आरएसएस के संगठनात्मक कौशल का आईना क्या दिखाया, कांग्रेसियों ने भाजपा-आरएसएस के खिलाफ अनर्गल प्रतिक्रिया देनी शुरू कर दी है। कोई गांधी वनाम गोडसे के मुद्दे को उछाल रहा है तो कोई आरएसएस की तुलना अलकायदा से कर रहा है। बता दें कि दिग्विजय सिंह ने मौजूदा पीएम नरेंद्र मोदी की एक पुरानी तस्वीर शेयर कर कहा कि भाजपा में जमीनी कार्यकर्ता भी शीर्ष पद तक पहुंच सकता है, जो कांग्रेस की गुटबाजी पर प्रहार था। इससे सोशल मीडिया पर बहस छिड़ गई और पार्टी के बाहर भाजपा ने इसे कांग्रेस के संकट का संकेत बताया।

स्पष्ट है कि अपने ही दिग्गज नेता द्वारा कांग्रेस की कमियों को दुरुस्त करने की जरूरत बताने के बाद उसे छिपाने के लिए आरएसएस को अलकायदा जैसा बताना मानसिक व सियासी दिवालिया पन तो है ही, एक अनर्गल प्रलाप भी है। खास बात यह कि नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी इसे दिग्विजय सिंह की सियासी शरारत ठहरा रहे हैं, क्योंकि कांग्रेस के कद्दावर नेता दिग्विजय सिंह ने अपने हालिया सोशल मीडिया पोस्ट्स में आरएसएस-भाजपा की संगठनात्मक ताकत की तारीफ की और कांग्रेस में विकेंद्रीकरण व सुधारों की मांग उठाई।

लिहाजा, अब उनकी इस बेबाकी ने पार्टी के कई नेताओं को असहज कर दिया है। दरअसल, जिस तरह से सीडब्ल्यूसी की बैठक से पहले यह विवाद उठा है, उससे पार्टी के 140वें स्थापना दिवस से एक दिन पहले आयोजित हुई सीडब्ल्यूसी बैठक के दौरान दिग्विजय सिंह के बयानों का विरोध और तेज हुआ, जहां उनके बयानों को आलाकमान के खिलाफ असंतोष के रूप में देखा गया। उधर, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता व पूर्व केंद्रीय मंत्री शशि थरूर ने पार्टी के स्थापना दिवस समारोह के दौरान दिग्विजय सिंह के साथ बैठक कर उन्हें और भी गैर भरोसेमंद दिखाने की एक सफल कोशिश की है।

यही वजह है कि अब कांग्रेस पार्टी में प्रतिक्रियाएं आनी शुरू हो चुकी हैं और पार्टी में आंतरिक खींचतान शुरू हो गई। हालांकि शशि थरूर ने भी दिग्विजय सिंह का समर्थन करके नहले पर दहला चल दिया है। उधर, कई विश्लेषकों का मानना है कि दिग्विजय सिंह ने राहुल गांधी को सीधे निशाना बनाते हुए संगठन की कमियों पर आईना दिखाया। इससे पहले कुछ नेताओं ने पार्टी सांसद व महासचिव प्रियंका गांधी को प्रधानमंत्री पद का दावेदार बताने की चाल चली, जिसका समर्थन रॉबर्ट वाड्रा ने भी कर दिया। इससे राहुल गांधी का सशंकित होना स्वाभाविक है।

मसलन, दिग्विजय सिंह के सुझावों ने कांग्रेस में आंतरिक बहस को तेज कर दिया है, जिससे संगठनात्मक सुधारों पर दबाव बढ़ा है। इससे पार्टी दो गुटों में बंटी नजर आ रही है, लेकिन लंबे समय में यह आत्ममंथन का अवसर साबित हो सकता है। अब पार्टी में आंतरिक विभाजन इतना बढ़ चुका है कि शशि थरूर जैसे नेताओं ने दिग्विजय का समर्थन किया, जबकि पवन खेड़ा और सलमान खुर्शीद ने विरोध जताया। आलम यह रहा कि सीडब्ल्यूसी की बैठक में दिग्विजय सिंह के बयानों से हंगामा हुआ, जो केंद्रीकरण की कमियों को उजागर करता है। बावजूद इसके पार्टी नेतृत्व पर सुधारों का दबाव बढ़ा है।

अलबत्ता, इन सुझावों से हाई कमांड पर विकेंद्रीकरण और जमीनी मजबूती की मांग तेज हुई है। हालांकि कार्रवाई न लेने से कलह उभर सकती है, लेकिन अनुभवी नेताओं पर एक्शन से पार्टी की लोकतांत्रिक छवि को नुकसान पहुंचेगा। इसका संभावित परिणाम यह होगा कि कांग्रेस को संगठन मजबूत करने के लिए बड़े बदलाव करने पड़ सकते हैं, वरना चुनावी हारें जारी रहेंगी। यही वजह है कि बीजेपी इसे कांग्रेस ककि कमजोरी के रूप में प्रचारित कर रही है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह कह रहे हैं कि राहुल गांधी की हार का सिलसिला पश्चिम बंगाल व तमिलनाडु में भी जारी रहेगा।

उधर, जिस तरह से कांग्रेस के नेता मणिक्कम टैगोर आरएसएस की तुलना अलकायदा से करने लगे हैं, उससे देश में यह बहस छिड़ चुकी है कि क्या आरएसएस से अलकायदा की तुलना उचित है? जवाब होगा बिल्कुल नहीं, आरएसएस की अलकायदा से तुलना उचित नहीं है, क्योंकि दोनों संगठनों के उद्देश्य, तरीके और गतिविधियाँ मूल रूप से भिन्न हैं। जहां आरएसएस एक सांस्कृतिक-सामाजिक संगठन है जो हिंदुत्व पर आधारित है, जबकि अलकायदा एक वैश्विक इस्लामिक जिहादी आतंकी संगठन है। हालांकि, यह तुलना हाल ही में राजनीतिक बहस में सामने आई है, लेकिन तथ्यों पर आधारित नहीं।

जहां तक आरएसएस के स्वरूप की बात है तो आरएसएस की स्थापना 1925 में नागपुर में हुई, जो हिंदू एकता, चरित्र निर्माण और राष्ट्रभक्ति पर जोर देता है। यह अहिंसा और सत्य को हिंदुत्व के मूल्यों के रूप में मानता है, तथा सामाजिक सद्भाव को बढ़ावा देता है। संगठन ने कभी प्रत्यक्ष हिंसा या आतंकवाद को प्रोत्साहित नहीं किया। जबकि दूसरी ओर अलकायदा का स्वरूप हिंसात्मक रहा है। उसकी स्थापना 1988 में हुई, जो जिहाद के नाम पर वैश्विक इस्लामी खलीफा स्थापित करने का लक्ष्य रखता है। इसने यूएसएस कोल, अमेरिकी दूतावासों पर बम धमाके जैसे हमले किए, जिसमें हजारों निर्दोष मारे गए। इसका फोकस सशस्त्र जिहाद और पश्चिमी प्रभाव को समाप्त करना है।

यही वजह है कि कांग्रेस सांसद मणिक्कम टैगोर ने दिग्विजय सिंह के आरएसएस संगठन की प्रशंसा पर प्रतिक्रिया में यह तुलना की, जिसे भाजपा और आरएसएस ने राजनीतिक हताशा बताया। यह बयानबाजी विवादास्पद रही, लेकिन वैचारिक अंतर को नजरअंदाज करती है। इतना ही नहीं, आरएसएस और अलकायदा के उद्देश्यों में भी अंतर हैं। आरएसएस और अलकायदा के उद्देश्यों में मूलभूत अंतर यह हैं कि जहाँ आरएसएस हिंदू समाज के चरित्र निर्माण और राष्ट्र की सर्वांगीण उन्नति पर केंद्रित है, जबकि अलकायदा वैश्विक जिहाद के माध्यम से इस्लामी खलीफा स्थापित करने का लक्ष्य रखता है।

एक ओर आरएसएस का मुख्य लक्ष्य हिंदू धर्म, संस्कृति और समाज की रक्षा करते हुए राष्ट्र का सर्वांगीण विकास करना है। यह युवाओं के चरित्र निर्माण, सामाजिक संगठन और राष्ट्रभक्ति के माध्यम से समाज को सक्रिय बनाने पर जोर देता है। संगठन अहिंसक तरीकों से हिंदू एकता और स्वाभिमान को पुनर्स्थापित करने का प्रयास करता है। तो दूसरी ओर अलकायदा का दीर्घकालिक उद्देश्य मुस्लिम दुनिया को एकजुट कर शरिया-आधारित खलीफा राज्य स्थापित करना है। इसके तात्कालिक लक्ष्य अमेरिकी सेनाओं को अरब प्रायद्वीप से हटाना, जिहाद को बढ़ावा देना और पश्चिमी प्रभाव को समाप्त करना हैं। यह सशस्त्र जिहाद और वैश्विक इस्लामी क्रांति पर आधारित है।

यही वजह है कि कांग्रेस नेता टैगोर को अपने गिरेबान में झांक कर देखना चाहिए। वहीं कांग्रेस के एक अन्य नेता ने नाथूराम गोडसे और महात्मा गांधी के अंतर का मुद्दा उछाल दिया। वह इसलिए कि सियासी विमर्श का रुख मोड़ा जा सके। अलबत्ता उनकी कोशिश भी पुनः राजनीतिक बहस का हिस्सा बन गया है, खासकर भाजपा और आरएसएस पर निशाना साधने के लिए। हालिया घटनाओं में दिग्विजय सिंह जैसे नेताओं की टिप्पणी के बाद एक कांग्रेस नेता ने 'गांधी बनाम गोडसे' की वैचारिक लड़ाई का जिक्र किया। इसका कारण यह है कि कांग्रेस अक्सर गोडसे को हत्यारा बताकर भाजपा को घेरती है, जबकि खुद के इतिहास पर सवाल उठते हैं जैसे मध्य प्रदेश में गोडसे समर्थक को शामिल करना। यूँ तो यह गांधी जयंती या अन्य मौकों पर भी कांग्रेसियों के बीच तीखी बहस का विषय बनता है। क्योंकि गोडसे ने गांधी की हत्या के पीछे विभाजन, पाकिस्तान को 55 करोड़ देने और मुस्लिम पक्षधरता का आरोप लगाया था। इसलिए कांग्रेस इसे वर्तमान राजनीति में अक्सर इस्तेमाल करती है। बार बार ऐसी ही बात छेड़कर वह सियासी रसातल की ओर मुखातिब है। काश!

प्रमुख सचिव ने मेला क्षेत्र का किया भ्रमण, तैयारियों का लिया जायजा, अधिकारियों को दिए दिशा-निर्देश

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। प्रमुख सचिव, आवास एवं शहरी नियोजन तथा नगर विकास विभाग , पी0 गुरूप्रसाद मंगलवार को मेलाधिकारी , ऋषिराज व नगर आयुक्त , सांई तेजा के साथ मेला क्षेत्र का भ्रमण कर माघ मेला-2026 के दृष्टिगत की जा रही तैयारियों का जायजा लिया तथा सभी सम्बंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने सर्वप्रथम संगम नोज पहुंचकर वॉच टॉवर से मेला क्षेत्र का जायजा लिया तथा वॉच टॉवर से ही संगम नोज व सेक्टर-4 में बनाये जा रहे घाटों की प्रगति को भी देखा तथा मेलाधिकारी से सभी सेक्टरों की लोकेशन, नदी के वाटर लेवल एवं घाटों के बारे में विस्तार से जानकारी ली। तत्पश्चात प्रमुख सचिव ने सेक्टर-4 में महावीर पुल के पास बड़े क्षेत्र में स्नान घाट बनाये जाने हेतु बढ़ाये जा रहे सर्कुलेटिंग एरिया के कार्य का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिशासी अभियंता सिंचाई से मड पम्प के द्वारा बढ़ाये जा रहे सर्कुलेटिंग एरिया के कार्य के बारे में जानकारी ली और कार्य कब तक पूर्ण हो जायेगा, के बारे में पूछे जाने पर बताया गया कि कार्य ते, के साथ चल रहा है और जल्द ही सर्कुलेटिंग एरिया को बढ़ाये जाने के कार्य को पूर्ण कर स्नान हेतु बड़े क्षेत्र में घाट तैयार कर लिया जायेगा, जिससे श्रद्धालुओं को प्रमुख स्नान पर्वों के समय कोई असुविधा नहीं होगी। तत्पश्चात प्रमुख सचिव ने साधु-संतो से बातचीत कर मेला क्षेत्र की व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी ली। उन्होंने भ्रमणकर चकर्ड प्लेट बिछाये जाने का कार्य व सड़क पर पानी छिड़काव, वाटर सप्लाई लाइन तथा साफ-सफाई की

व्यवस्थाओं को देखा तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने सेक्टर-6 में नए-नए बस रहे कैम्पों में जाकर पानी की सप्लाई को चलवाकर देखा तथा कैम्पवासियों से भी उन्हें वाटर कनेक्शन कब मिला, कोई परेशानी तो नहीं है, आदि के बारे में जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान अधिशासी अभियंता के द्वारा बताया गया कि सभी सेक्टरों में वाटर लाइन बिछायी जा चुकी है तथा सेक्टर-4 व 5 में अधिकांशतः सभी कनेक्शन हो चुके है तथा सेक्टर-6 में जैसे-जैसे कैम्पों की बाउंड्री हो रही है, प्रत्येक कैम्प में पानी की सप्लाई शुरू करा दी जा रही है और आवश्यकतानुसार प्वाइंट बढ़ाये जा रहे है। उन्होंने बताया कि 67 कैम्पों में आज कनेक्शन दे दिया गया है। प्रमुख सचिव ने कहा कि कहीं से किसी भी प्रकार की कोई शिकायत नहीं आनी चाहिए, सभी को समय से आवश्कतानुसार स्वचछ जल की आपूर्ति सुनिश्चित की जाये। उन्होंने सेक्टर 1, 4, 5, 6 व सेक्टर 2 का क्रमशः भ्रमण कर की गयी तैयारियों का विधिवत निरीक्षण किया। उन्होंने भ्रमण के दौरान कल्पवासियों को दी जाने वाली सुविधाओं के बारे में भी जानकारी ली व निरीक्षण कर जायजा भी लिया। उन्होंनें सेक्टर-6 में बनाये गये अग्निशमन केन्द्र का भी निरीक्षण किया।

प्रमुख सचिव ने माघ मेला के दृष्टिगत जल की स्वच्छता व निर्मलता को सुनिश्चित किए जाने हेतु नागवासुकी के पास जिओ ट्यूब के माध्यम से ड्रेनवाटर की प्यूरीफिकेशन के कार्य का निरीक्षण किया तथा प्रासेस फ्लो डायग्राम के माध्यम से जलशोधन की विस्तार से जानकारी ली तथा शोधन के पश्चात ही स्वच्छ जल ही गंगा , में जाये, सुनिश्चित करने के निर्देश दिए है। इस अवसर पर विशेष सचिव , सत्य प्रकाश पटेल, मेलाधिकारी , ऋषिराज, नगर आयुक्त , सीलम सांई तेजा, सचिव प्रयागराज विकास प्राधिकरण , अजीत सिंह, मुख्य अभियंता जल निगम नगरीय , संजय कुमार गौतम, अधीक्षण अभियंता , संजय कुमार रंजन, अधिशासी अभियंता , आशुतोष एवं अमितराज सहित अन्य सम्बंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

मारपीट, गाली-गलौज व जान से मारने की धमकी का मुकदमा दर्ज

मंत्र भारत संवाददाता

थरवई थाना क्षेत्र के बसमहुआ गांव निवासी चंद्रशेखर पुत्र खीन्नी लाल के साथ मारपीट, गाली-गलौज व जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। पीड़ित के अनुसार गांव के ही अतुल कुमार पुत्र स्वर्गीय राममिलन ने पुरानी रंजिश को लेकर बुधवार सुबह उसके साथ मारपीट की, जिससे वह घायल हो गया।घटना के बाद पीड़ित ने थरवई थाने पहुंचकर तहरीर दी। पुलिस ने तहरीर के आधार पर आरोपी के खिलाफ मारपीट, गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। घायल को उपचार के लिए भेजा गया है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है।

शादी तय करने के बाद मुकरने पर दहेज उत्पीड़न का मुकदमा दर्ज

थरवई थाना क्षेत्र के रुदापुर गांव निवासी प्रेमचंद साहू ने अपनी पुत्री की शादी फाफामऊ के गद्दोपुर गांव में तय की थी। आरोप है कि शादी तय होने के कुछ माह बाद ही वर पक्ष के शुभम साहू पुत्र नारायण साहू ने शादी करने से इनकार कर दिया।पीड़ित पिता का कहना है कि शादी से पूर्व दहेज को लेकर उत्पीड़न किया गया और बाद में विवाह से साफ इनकार कर दिया गया। इस मामले में परेशान होकर प्रेमचंद साहू ने आरोपी शुभम साहू सहित उसके अन्य परिजनों के विरुद्ध थरवई थाने में दहेज उत्पीड़न का मुकदमा दर्ज कराया है।पुलिस ने तहरीर के आधार पर संबंधित धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर लिया है। मामले की जांच की जा रही है और जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

मण्डलायुक्त/निदेशक द्वारा विरासत यात्रा का हरी झंडी दिखाकर किया गया शुभारम्भ

विरासत यात्रा का मूल उद्देश्य प्रयागराज की कला, संस्कृति, प्राचीनता व आधुनिकता को देखने, समझने की नवीन दृष्टि प्रतिभागियों व जन सामान्य में विकसित करना

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। इलाहाबाद संग्रहालय एवं धारा और धरोहर, प्रयागराज के संयुक्त तत्वावधान में पहली विरासत यात्रा का शुभारम्भ बुधवार को मण्डलायुक्त/निदेशक, इलाहाबाद संग्रहालय श्रीमती सौम्या अग्रवाल द्वारा यात्रा को हरी झंडी दिखाकर किया गया। आज की पहली विरासत यात्रा संग्रहालय की दो वीथियों के साथ पब्लिक लाइब्रेरी, विजयनगरम हाल, इ. वि. वि. और कला संकाय, इ. वि. वि पर केन्द्रित रहा।

आरम्भ में संग्रहालय की तरफ से डॉ संजू मिश्रा ने निदेशक इलाहाबाद संग्रहालय का और आउटरिच प्रभारी डॉ वामन ए. वानखेड़े ने विशिष्ट अतिथि ग्रुप कैप्टन सु, शैलजा शर्मा को पुष्प देकर औपचारिक स्वागत किया। विरासत यात्रा के आयोजन पर बोलते हुए मण्डलायुक्त/निदेशक संग्रहालय सौम्या अग्रवाल ने कहा कि प्रयागराज आदिकाल से भारतीय संस्कृति का प्रतिनिधि शहर रहा है, जो अपने में कला, संस्कृति, प्राचीनता व आधुनिकता का अनुपम समन्वय रखता है। इस शहर को देखने, समझने की नवीन दृष्टि प्रतिभागियों व जन सामान्य में विकसित हो ये इस विरासत यात्रा का मूल उद्देश्य है। इस अवसर पर शहर के वरिष्ठ व गणमान्य नागरिकों में डॉ कावेरी विज, ईशान चट्टोपाध्य, मिताली चट्टोपाध्याय सहित धारा और धरोहर के संयोजक वैभव मैनी व आदर्श मालवीय सहित संग्रहालय के सभी अधिकारी कर्मचारी तथा वालेन्टियर गाईड उपस्थित रहे।

मण्डलायुक्त ने माघ मेला-2026 के दृष्टिगत तैयारियों का निरीक्षण कर जायजा लिया, नियमित साफ-सफाई के साथ ओडोर फ्री बनाये रखने के दिए निर्देश

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। मण्डलायुक्त श्रीमती सौम्या अग्रवाल, जिलाधिकारी , मनीष कुमार वर्मा, मेलाधिकारी , ऋषिराज ने बुधवार को संयुक्त रूप से माघ मेला-2026 के दृष्टिगत हो रही तैयारियों का निरीक्षण कर जायजा लिया तथा सभी सम्बंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। वरिष्ठ अधिकारियों के द्वारा सर्वप्रथम संगम नोज पर स्नानार्थियों के लिए बनाये जा रहे घाटों का निरीक्षण किया गया। उन्होंने वहां पर सर्कुलेटिंग एरिया बढ़ाये जाने के कार्य व स्नान हेतु घाटों के विस्तारीकरण एवं गंगा नदी के किनारे बालू की बोरी का बैरियर लगाकर प्रवाह को धीमा कर स्नानार्थियों हेतु सुरक्षित घाट बनाये जाने के कार्य को देखा तथा आवश्यक दिशा-निर्देश सम्बंधित अधिकारियों को दिए। उन्होंने संगम नोज पर प्रमुख स्नान पर्वों पर स्नानार्थियों के आने व जाने के मार्ग, साइनेज, कोहरे के समय विजिबिलटी, सीसीटीवी कैमरे व साउंड सिस्टम, घाटों पर खस बिछाये जाने का कार्य, साफ-सफाई के कार्यों का निरीक्षण किया।

तत्पश्चात मण्डलायुक्त ने संगम नोज मार्ग पर सेक्टर कार्यालय के सामने बनाये गये टॉयलेटों की

क्रियाशीलता, साफ-सफाई, पानी की सप्लाई, जेट स्प्रे से सफाई के कार्य का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान टॉयलेटों में पानी की सप्लाई न होने तथा साफ-सफाई की अच्छी व्यवस्था न पाये जाने पर मण्डलायुक्त ने कड़ी नाराजगी व्यक्त की तथा टॉयलेट की साफ-सफाई के लिए नियुक्त सभी कर्मियों को बुलाकर साफ-सफाई की अच्छी स्थिति न होने के कारणों के बारे में पूछे जाने पर बताया गया कि पानी की आपूर्ति आज नहीं होने से साफ-सफाई का कार्य ठीक से नहीं हो पाया है। पानी की सप्लाई आते ही सभी टॉयलेटों को क्लीन कर दिया जायेगा। तत्पश्चात मण्डलायुक्त ने जिलाधिकारी व मेलाधिकारी के साथ सभी सेक्टर-4, 5 एवं तत्पश्चात सेक्टर-2 के सभी टॉयलेटों का निरीक्षण कर उनकी साफ-सफाई एवं क्रियाशीलता को देखा। सेक्टर-4, 5 एवं 2 में टॉयलेट क्रियाशील पाये गये एवं पानी की सप्लाई भी थी, परंतु सफाई हेतु नामित वेण्डर के द्वारा टॉयलेट के क्लीनिंग हेतु फिनायल, हार्पिक, दुर्गंधमुक्त केमिकल (ओडोर फ्री) एवं अन्य आवश्यक सामान सफाई कर्मियों को उपलब्ध नहीं कराया जा रहा था, जिसपर उन्होंने कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए सम्बंधित वेण्डरों के दो प्रतिशत का अर्थदण्ड लगाये जाने के लिए कहा है। उन्होंने कहा कि साफ-सफाई की अच्छी व्यवस्था सुनिश्चित किया जाना है, इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही क्षम्य नहीं है। निरीक्षण के दौरान सेक्टर-4 की सड़क पर कुछ स्थानों पर सामानों की बिखरे पॉलीथिन बैगों को डस्टबिन में रखने के निर्देश दिए और सफाई इंस्पेक्टर से कहा कि मार्गों पर किसी भी प्रकार की कोई गंदगी नहीं दिखनी चाहिए और डस्टबिनों को नियमित रूप से खाली किया जाये। उन्होंने सफाई इंस्पेक्टर से सैनिटेशन कालोनी में रहने वाले सफाई कर्मियों को उपलब्ध कराये जा रहे पेयजल, खाने-पीने की व्यवस्था, शौचालय, अलाव की व्यवस्था कराने के निर्देश दिए है। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने मुख्य चिकित्साधिकारी से सेक्टरों में एम्बुलेंस व चिकित्सकों की टीम लगाये जाने एवं मेला क्षेत्र का विजिट कर स्वास्थ्य सुविधाओं को सुनिश्चित कराये जाने के निर्देश दिए है। उन्होंने थाना खाकचौक एवं अग्निशमन केन्द्र का भी निरीक्षण करते हुए व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

मण्डलायुक्त ने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ माघ मेला-2026 में सुगम यातायात हेतु बनायी गई पार्किंगों का निरीक्षण कर वहां पर की गयी व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने माघ मेला क्षेत्र के सेक्टर 3 में बनायी गयी पार्किंग, बदरा सनौटी पार्किंग, झूंसी बस स्टैण्ड पार्किंग, छतनाग पार्किंग, सलोरी के सामने बनायी गयी पार्किंग का निरीक्षण किया तथा वहां पर पानी, बिजली, सीसीटीवी कैमरा, टॉयलेट आदि की व्यवस्था को देखा तथा उन्होंने सभी सम्बंधित अधिकारियों को सभी पार्किंग स्थलों में आवश्यक व्यवस्थायें सुनिश्चित कराये जाने के निर्देश दिए है।

नगर निगम द्वारा अतिक्रम अभियान चलाया गया

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। नगर निगम द्वारा पत्थर गिरजाघर, धरना स्थल हर्ष होटल, एक्सिस बैंक, सुभाष चौराहा, बिग बाजार, हनुमान मन्दिर चौराहा से मेडिकल चौराहा होते हुए पंखुडी गार्डेन, के0पी0डिग्री कालेज के सामने होते हुए अलोपीबाग में मधवापुर सब्जी मण्डी तथा अलोपीबाग हर्षवर्धन चौराहे तक अतिक्रमण अभियान चलाया गया जिसमें लगभग रू0-27400-00 जुर्माना वसूला गया साथ ही 19 चार पहिया, 27 दो पहिया वाहन तथा एक ई-रिक्श को जब्त किया गया, इसके साथ ही 65 दो पहिया वाहनों तथा चार पहिया वाहनों का चालान किया गया तथा चार ट्रक सामान जब्त किया गया। उक्त अभियान में नगर निगम की अतिक्रमण दस्ता के साथ अपर नगर आयुक्त , अरविन्द राय, अतिक्रमण प्रभारी कर्नल दिनेश तनवर स्थानीय पुलिस बल के अलावा ए0डी0एम0 सिटी, सत्यम मिश्रा एवं यातायात पुलिस, बल साथ मौजूद रहे।

ओम नमः शिवाय के विशाल भण्डारे में लाखों श्रद्धालु, कर्मचारी प्रतिदिन लें रहे भण्डारे का प्रसाद

माघ मेला, अर्द्ध कुंभ मेला, कुंभ मेले में पिछले 48 वर्षों से चल रहा अन्न क्षेत्र

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। संगम की रेती पर माघ मेले की शुरुआत होने जा रही है। माघ मेले में देश के कोने-कोने से लाखों श्रद्धालु आते हैं लेकिन यहां आने वाले लोगों पर मां गंगा का ऐसा आशीर्वाद है कि कोई भी व्यक्ति भूखा नहीं रहता है। इसके लिए कई संस्थाओं की ओर से अन्नक्षेत्र और भंडारे चलाये जाते हैं जिसमें प्रतिदिन हजारों लोगों को प्रसाद ग्रहण कराया जाता है लेकिन माघ मेले में पिछले 48 वर्षों से एक अन्न क्षेत्र ऐसा भी है जो कि सबसे अनूठा है। इस महा रसोंई में महा कराहों में मशीनों के जरिए प्रसाद तैयार कराया जाता है जिसमें हर दिन हजारों लोग प्रसाद ग्रहण करते हैं। खास बात यह है कि यह भंडारा पूरे माघ मेले के दौरान 24 घंटे इसी तरह से चलता रहता है और सैकड़ों सेवादार श्रद्धालुओं की सेवा में दिन रात लगे रहते हैं।

माघ मेले की महा रसोंई

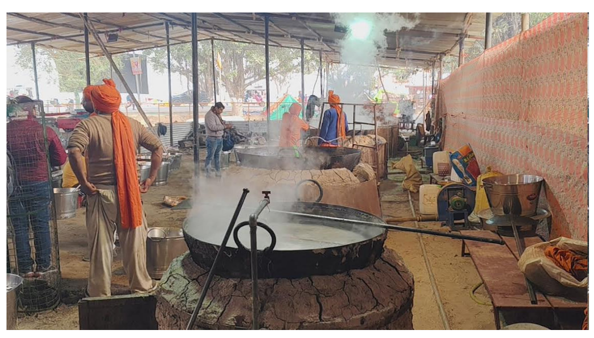

जिसमें 15 बड़े-बड़े महा कराहों में श्रद्धालुओं के लिए भोजन प्रसाद तैयार होता है। ओम नमः शिवाय प्रयागराज संस्था की ओर से माघ मेला, अर्द्ध कुंभ मेला और कुंभ मेले में पिछले 48 वर्षों से यह संस्था अन्न क्षेत्र चला रही है। इसमें बड़े-बड़े कराहे क्रेन के जरिए भट्टियों पर चढ़ाये जाते हैं। यह महा कराहे खासतौर पर पंजाब के जालंधर से मंगाए गए हैं जिसमें एक साथ 40 क्विंटल सब्जियां और दालें तैयार होती हैं जबकि महा कराहे में एक साथ पांच हजार पूड़ियां भी निकाली जाती हैं। इसके साथ ही पूड़ियां और रोटियां बनाने के लिए मशीनों का भी प्रयोग किया जाता है। इस भंडारे में हर दिन हजारों लोगों का भोजन तैयार होता है जिसमें सैकड़ों सेवादार पूरे सेवाभाव से लगे रहते हैं। यहां आने वाले श्रद्धालुओं को बैठाकर पूरे सेवा भाव से निःशुल्क भोजन कराया जाता है।

इस बार माघ मेले में ओम नमः शिवाय गुरु , की ओर से प्रसाद वितरण के लिए एंबुलेंस सेवा भी शुरू की गई है। पांच ई रिक्शा मंगाये गए हैं जिन पर मेले में विभिन्न क्षेत्रों में लोगों को प्रसाद उपलब्ध कराया जा रहा है। ओम नमः शिवाय के पूज्य गुरुदेव ने बताया कि अभी 15 और ई रिक्शा एंबुलेंस मंगाए जा रहे हैं। फिलहाल माघ मेले में सात स्थानों पर इसी तरह से भंडारा स्थाई रूप से दो दर्जन स्थानों पर अस्थाई रूप से चलाया जा रहा है। माघ मेले में सबसे बड़ा भंडारा चलाने वाले ओम नमः शिवाय गुरु, ने बताया कि पौष पूर्णिमा से महाशिवरात्रि तक विशाल भण्डारा दिन, रात चलता रहेगा जहां लाखों श्रद्धालु प्रसाद ग्रहण करेगे।

एजी ऑफिस के छह कर्मचारी हुए रिटायर, गेट पर दी गई विदाई

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। कार्यालय महालेखाकार के माह दिसम्बर में छह सेवानिवृत कर्मचारियों का विदाई समारोह गेट पर आज हुआ। सेवानिवृत कर्मचारियों में संतराम वर्मा वरिष्ठ लेखाधिकारी,सुधीर कुमार सिन्हा सहायक पर्यवेक्षक, मुहम्मद शुजा उल्लाह सिद्दीकी सहायक पर्यवेक्षक, त्रिलोकी नाथ वरिष्ठ लेखाकार, जितेंद्र नाथ वरिष्ठ लेखाकार एवं राजकुमार एमटीएस को फूल माला एवं अंग वस्त्रम प्रदान कर विदाई किया गया। विदाई कार्यक्रम का आयोजन राष्ट्रीय लोक सेवार्थ संगठन प्रयागराज की ओर से किया गया । कार्यक्रम को सफल बनाने में ओम प्रकाश गुप्ता, प्रकाश, अजय नाथ अग्निहोत्री,मनोज कुमार श्रीवास्तव साकेत,राजू मिश्रा, सगीर अहमद,अनिल दास, पंकज मालवीय,विजय श्रीवास्तव,इंद्रेश कुमार,रजनीकांत विद्यार्थी, लक्ष्मी कांत त्रिपाठी, ज्ञान चंद्र, सुजीत चंद्रा,नीरज श्रीवास्तव, देशराज सिंह,विनोद कुमार श्रीवास्तव,सुधीर कुमार शर्मा सुबोध चंद्र प्रजापति, राम मिलन, माता प्रसाद,प्रदीप गुप्ता, शादाब रजा,संजय बहल, कुलदीप कुमार,आत्म प्रकाश सिंह, चन्द्र शेखर सिंह, कृपाशंकर सिंह, रमेश गुप्ता, अनूप कुमार टंडन, राजेश श्रीवास्तव, सतीश राय,श्याम सुंदर दुबे, ,अर्जुन पाठक,सुनील कुमार,वीरेंद्र दयाल एवम अन्य साथियों का सहयोग रहा। विदाई कार्यक्रम में कार्यालय के कर्मचारियों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया।

चार विभूतियों के लिए संत समाज ने मांगा पद्म पुरस्कार भूरा मठ की तरफ से प्रधानमंत्री के पास भेजा जाएगा सवा लाख हस्ताक्षरयुक्त पत्रक

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। तीर्थराज से संत समाज ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से देश की चार विभूतियों के लिए पद्म पुरस्कार की मांग की है। इसके लिए सवा लाख हस्ताक्षरयुक्त पत्रक तैयार किया जा रहा है। यह पत्रक माघ मेला खत्म होने से पहले प्रधानमंत्री को भेज दिया जाएगा।

दंडी स्वामी समाज के प्रवक्ता विद्यामार्तंड अरविंद स्वामी जोशी ने बताया कि संत समाज इस बार माघ मेले में प्रधानमंत्री से चार विभूतियों को पद्म पुरस्कार दिए जाने की मांग करेंगे। इसके लिए संत समाज एकमत हो चुके हैं। उन्होंने सूरत के प्रसिद्ध हीरा व्यापारी दिलीप कुमार लाखी के लिए यह मांग की है। लाखी ने अयोध्या में श्रीराम मंदिर निर्माण के लिए 101 किलोग्राम सोना दान के लिए जाने जाते हैं, जो मंदिर के गर्भगृह और स्तंभों को सजाने में उपयोग हुआ है। वह 'लाखी ग्रुप' के अध्यक्ष हैं। इसके अलावा रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर अनंत अंबानी को पद्म पुरस्कार देने की मांग की है। अनंत ने जामनगर में 'वनतारा' नामक एक विशाल पशु बचाव और पुनर्वास केंद्र की स्थापना की है, जो जंगली जानवरों के संरक्षण के लिए समर्पित है। उन्हें दिसंबर 2025 में पशु कल्याण और संरक्षण में उनके नेतृत्व के लिए 'ग्लोबल ह्यूमैनिटेरियन अवार्ड' से सम्मानित किया गया। हाल में उन्होंने शिर्डी साईं बाबा मंदिर में पांच करोड़ का दान भी दिया था। साथ ही वाराणसी के नित्यानंद तिवारी को भी पद्म पुरस्कार से अलंकृत करने की मांग उठाई है। तिवारी ने पिछले 12 वर्षों में 66,000 लावारिस शवों का अंतिम संस्कार किया है। हरिश्चंद्र घाट पर हर एक अंतिम संस्कार पर वे औसतन 1150 रुपये खर्च करते हैं। अब तक वह छह करोड़ से ज्यादा खर्च कर चुके हैं। चौथा नाम माता अमृतानंदमयी का है। इन्हें 'अम्मा' के नाम से जाना जाता है। वह विश्व प्रसिद्ध भारतीय आध्यात्मिक गुरु और मानवतावादी नेता हैं। उन्हें दुनियाभर में 'गले लगाने वाली संत' के रूप में जाना जाता है, क्योंकि वे हर किसी को गले लगाकर अपना आशीर्वाद और प्रेम देती हैं। वह एम्ब्रेसिंग द वर्ल्ड की संस्थापक हैं, जो शिक्षा, आपदा राहत, स्वास्थ्य सेवा और पर्यावरण जैसे क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर धर्मार्थ कार्य करता है। उन्होंने भारत के शीर्ष नि, विश्वविद्यालयों में से एक अमृता विश्वविद्यापीठम की स्थापना की है।

पाक कला में किरण देवी ने मारी बाजी : द्वितीय उर्मिला देवी, तृतीय पुरस्कार शोभा देवी को मिला

डायट प्राचार्य, एडी बेसिक, बीएसए ने विजाताओं को किया सम्मानित

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। जनपद स्तरीय पाक कला प्रतियोगिता का आयोजन भारत स्काउट गाइड इण्टर कालेज मम्फोर्डगंज प्रयागराज में आज किया गया। कार्यक्रम में बेसिक शिक्षा विभाग, माध्यमिक शिक्षा विभाग, समाज कल्याण एवं अल्पसंख्यक कल्याण विभाग की ओर से संचालित विद्यालयों में मध्यान्ह भोजन योजना अंतर्गत कार्यरत रसोइयों से आवेदन करने के उपरांत स्क्रीनिंग कमेटी ने चयनित 30 रसोइयों को प्रतियोगिता में शामिल किया जिसमें प्रथम पुरस्कार श्रीमती किरण देवी कंपोजिट विद्यालय धारूपुर धनपुर, द्वितीय पुरस्कार श्रीमती उर्मिला देवी उच्च प्राथमिक विद्यालय बगहा हंडिया ब्लाक हंडिया तथा तृतीय पुरस्कार श्रीमती शोभा देवी प्राथमिक विद्यालय सैदाबाद को प्राप्त हुआ।

इसके पूर्व प्रतियोगिता की आयोजन एवं निर्णायक समिति में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अनिल कुमार, सह जिला विद्यालय निरीक्षक अजय गिरी,गवर्नमेंट गर्ल्स इंटर कॉलेज सिविल

लाइन्स की प्रधानाचार्या श्रीमती नीलम मिश्रा, गृह विज्ञान की प्रवक्ता श्रीमती रश्मि सिंह, कक्षा 5 से 8 तक के छात्र नगर क्षेत्र के कंपोजिट विद्यालय दारागंज,सीपीआई एवं एलनगंज के 10 छात्र/ छात्रा, सेफ अजय यादव, चिकित्साधिकारी डॉ अंकित पांडे, जिला खाद्य सुरक्षा अधिकारी सुशील सिंह,मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी संजय सिंह एवं खाद्य सुरक्षा अधिकारी डॉ स्वाति सिंह ने ऑन स्पॉट लॉटरी सिस्टम के माध्यम से मेनू में रोटी, सब्जी, दाल, चावल, बाटी, चोखा, सलाद व हलवा का चयन किया गया जिसे रसोइयों ने बनाया। निर्णायक समिति ने भोजन का स्वाद, पौष्टिक तत्व, भोजन पकाने का तरीका, स्वच्छता व सुरक्षा,सभ्य व्यवहार के आधार पर विजेता घोषित किया गया । कार्यक्रम का प्रारंभ मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डायट प्राचार्य रमेश कुमार तिवारी ने कहा कि भोजन को पौष्टिक एवं स्वादिष्ट बनाने के लिए उपयुक्त मात्रा में सामग्री व भोजन पकाने की विधि की समझ विकसित होना महत्वपूर्ण है। विशिष्ट अतिथि एडी बेसिक संजय कुशवाहा ने भोजन निर्माण प्रक्रिया में रसोइयों की व्यक्तिगत स्वच्छता एवं सामग्रियों की नियमित साफ-सफाई रखने के लिए रसोईयों की जागरूकता पर विशेष ध्यान देने की बात कही गई। बीएसए अनिल कुमार ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि जनपद में कुल 30 प्रतिभागियों को स्क्रीनिंग प्रक्रिया के तहत चुनाव किया गया, चयनित रसोइयां शेष रसोइयों के लिए एक रोल मॉडल होगी जिससे सभी रसोईया प्रेरित होकर अपने विद्यालय में अधिक रुचि लेते हुए और तन्मयता से मध्याह्न भोजन में सहयोग प्रदान करेगी। विशिष्ट अतिथियों में वित्त एवं लेखा अधिकारी बेसिक शिक्षा श्रीमती नीतू यादव, रविशंकर द्विवेदी जिला पंचायत अधिकारी, आरटीओ प्रयागराज, खण्ड शिक्षा अधिकारी हरिश्चंद्र गिरि एवं जनपद के समस्त खंड शिक्षा अधिकारी गण, समस्त जिला समन्वयकगण, वरिष्ठ समाजसेवी अलोक यती, वरिष्ठ अधिवक्ता गौरव मिश्रा, जय प्रकाश त्रिपाठी सहित आदि शामिल हुए।

भिवंडी-निजामपुर मनपा चुनाव में आदर्श आचार संहिता सख्ती से लागू

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी-निजामपुर शहर महानगरपालिका के सार्वत्रिक चुनाव 2025-26 की घोषणा के साथ ही पूरे मनपा क्षेत्र में आदर्श आचार संहिता प्रभावी कर दी गई है। इसे लेकर महानगरपालिका प्रशासन ने सभी विभाग प्रमुखों, नियंत्रण अधिकारियों और कर्मचारियों को राजनीतिक गतिविधियों से पूरी तरह दूर रहने के सख्त निर्देश जारी किए हैं। मनपा प्रशासन द्वारा जारी आदेश के अनुसार, चुनाव की घोषणा के बाद कोई भी अधिकारी या कर्मचारी किसी भी राजनीतिक दल के कार्यक्रम, प्रचार, रैली, सभा या बैठक में प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से शामिल नहीं होगा। साथ ही सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर किसी राजनीतिक पार्टी या प्रत्याशी से संबंधित स्टेटस, पोस्ट, वीडियो या रील साझा करने पर भी पूर्ण प्रतिबंध लगाया गया है। आदेश में यह भी स्पष्ट किया गया है कि चुनाव अवधि के दौरान मतदाताओं को प्रभावित करने के उद्देश्य से किसी भी प्रकार की सामग्री का वितरण, आर्थिक लाभ देना या आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन करने वाली किसी भी गतिविधि को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इन गतिविधियों पर नजर रखने के लिए मनपा क्षेत्र में फ्लाइंग स्क्वॉड तथा वीडियो सर्विलांस टीम का गठन किया गया है, जो लगातार निगरानी रखेगी। प्रशासन ने चेतावनी दी है कि यदि कोई अधिकारी या कर्मचारी आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन करता पाया गया तो उसके विरुद्ध महाराष्ट्र महानगरपालिका अधिनियम, लोकप्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 तथा महाराष्ट्र नागरी सेवा (आचरण) नियमों के अंतर्गत कड़ी कार्रवाई की जाएगी।मनपा आयुक्त एवं आदर्श आचार संहिता प्रभारी ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे आदेश का सख्ती से पालन सुनिश्चित करें और अधीनस्थ कर्मचारियों को इसकी पूरी जानकारी दें। प्रशासन ने दोहराया है कि निष्पक्ष, पारदर्शी और शांतिपूर्ण चुनाव कराना उसकी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

भिवंडी महानगरपालिका में सेवानिवृत्त कर्मचारियों को दी गई विदाई

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी। भिवंडी निजामपुर शहर महानगरपालिका की सेवा से निर्धारित आयु पूरी होने पर पांच कर्मचारी सेवानिवृत्त हुए। इस अवसर पर महानगरपालिका की ओर से एक विदाई समारोह का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम प्रशासक एवं आयुक्त अनमोल सागर के निर्देशानुसार संपन्न हुआ।महानगरपालिका की नई प्रशासनिक इमारत के तीसरे मंजिल पर स्थित कॉन्फ्रेंस हॉल में आयोजित इस समारोह में सहायक आयुक्त (स्वास्थ्य) शैलेश दोंदे के हाथों से सेवानिवृत्त और स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति लेने वाले कर्मचारियों का शाल और पुष्पगुच्छ देकर सम्मान किया गया। साथ ही उन्हें उनके आगे के जीवन के लिए शुभकामनाएं दी गईं।

इस विदाई समारोह में निर्माण विभाग के लिपिक शाहीरा सुदर्शन, वाहन चालक भरत बालकृष्ण नाटेकर, प्रभाग समिति क्रमांक 4 के सफाई कर्मचारी बालू नामपेल्ली बिदुल, हेल्पर मुकेश बलवंत सुळे तथा प्रभाग समिति क्रमांक 1 के सफाई कर्मचारी निळा नरेंद्र चव्हाण सहित कुल पांच कर्मचारियों को महानगरपालिका की ओर से विदाई दी गई।कार्यक्रम के दौरान वाहन विभाग के शेखर चौधरी सहित महानगरपालिका के अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे। इसके अलावा सेवानिवृत्त कर्मचारियों के परिवार के सदस्य भी बड़ी संख्या में समारोह में शामिल हुए। उपस्थित अधिकारियों ने कर्मचारियों द्वारा दी गई सेवाओं की सराहना करते हुए उनके योगदान को महत्वपूर्ण बताया।

'टिकट चोर - गद्दी छोड़' का लगाया नारा

भिवंडी में कांग्रेस के टिकट वितरण को लेकर विवाद

महिला अध्यक्ष ने शहर अध्यक्ष पर लगाए गंभीर आरोप

भिवंडी। भिवंडी में कांग्रेस पार्टी के टिकट वितरण को लेकर विवाद सामने आया है। कांग्रेस की महिला अध्यक्ष और वरिष्ठ कार्यकर्ता रेहाना अंसारी ने शहर अध्यक्ष एडवोकेट रशीद ताहिर पर टिकट चोरी कर बेचने का गंभीर आरोप लगाया है। इस मुद्दे को लेकर पार्टी के स्थानीय कई कार्यकर्ताओं में नाराजगी देखी जा रही है।

रेहाना अंसारी ने कहा कि जिस तरह कांग्रेस नेता राहुल गांधी देशभर में 'वोट चोर गद्दी छोड़ो' का नारा देते हैं, उसी तरह भिवंडी में कांग्रेस पार्टी का टिकट चोरी हुआ है। उन्होंने कहा कि वह भिवंडी की स्थानीय नागरिक और कांग्रेस पार्टी की वरिष्ठ कार्यकर्ता होने के नाते यह नारा देती हैं कि भिवंडी में कांग्रेस का टिकट चोरी हुआ है और इसके लिए 'टिकट चोर गद्दी छोड़ो' कहा जाना चाहिए।

रेहाना अंसारी के अनुसार, उन्हें रात के समय पार्टी कार्यालय से फोन आया था। फोन पर बताया गया कि वार्ड नंबर 5 से बी-फॉर्म तैयार करना है और चयनित उम्मीदवारों की सूची का फोटो भेजने को कहा गया। उन्होंने निर्देश के अनुसार सूची का फोटो भेजा, लेकिन इसके बाद अचानक उनका टिकट काट दिया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि जिस तरह पहले पूर्व सांसद सुरेश टावरे के बेटे का टिकट कटवाया गया था, उसी तरह वर्तमान शहर अध्यक्ष एडवोकेट रशीद ताहिर ने उनकी भी टिकट कटवा दी। उनका कहना है कि यह सब सुनियोजित तरीके से किया गया है। रेहाना अंसारी ने यह भी आरोप लगाया कि कांग्रेस पार्टी में कुछ लोग निजी स्वार्थ के चलते टिकटों की खरीद-फरोख्त किया गया। जिससे जमीनी स्तर पर काम करने वाले कार्यकर्ताओं का मनोबल टूट रहा है और पार्टी की छवि को नुकसान पहुंच रहा है। उन्होंने पार्टी के वरिष्ठ नेतृत्व से इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। इस संबंध में कांग्रेस पार्टी की ओर से समाचार लिखे जाने तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई थी।टिकट विवाद के चलते भिवंडी कांग्रेस में अंदरूनी खींचतान खुलकर सामने आ गई है। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि यदि समय रहते इस विवाद का समाधान नहीं किया गया, तो इसका असर आगामी चुनावों में कांग्रेस के प्रदर्शन पर पड़ सकता है।

माननीय दादासाहेब दांडेकर विद्यालय में वार्षिक स्नेह सम्मेलन उत्साहपूर्वक संपन्न

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी। माननीय दादासाहेब दांडेकर विद्यालय में मंगलवार, 30 दिसंबर की शाम वार्षिक स्नेह सम्मेलन एवं पुरस्कार वितरण समारोह उत्साहपूर्ण वातावरण में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में शिशुविहार शिक्षण संस्था के पदाधिकारी, बड़ी संख्या में विद्यार्थी, अभिभावक, शिक्षकगण तथा गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति रही।समारोह में प्रमुख अतिथि के रूप में भारतीय सेना के सेवानिवृत्त अधिकारी ब्रिगेडियर विनयजी बहल उपस्थित रहे, जबकि विशेष अतिथि के तौर पर परिमंडल-2 भिवंडी के पुलिस उपायुक्त शशिकांत बोराटे शामिल हुए। विद्यार्थियों को प्रेरणा देने के उद्देश्य से विद्यालय की पूर्व छात्रा डॉ. मानसी मनोहर गुरव (एमबीबीएस, डीजीओ) को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया था। कार्यक्रम में संस्था के अध्यक्ष सुधीरजी देशमुख और उपाध्यक्ष शीतल देशमुख भी मौजूद रहीं।

इस अवसर पर शैक्षणिक एवं विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को मान्यवरों के हाथों पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। शैक्षणिक वर्ष 2025-26 के लिए आदर्श विद्यार्थी पुरस्कार अरबाज असिफ पिंजारी को तथा आदर्श छात्रा पुरस्कार रिद्धी राजेंद्र पाटील को प्रदान किया गया। अपने संबोधन में अतिथियों ने विद्यार्थियों से अनुशासन, कर्तव्यनिष्ठा और देशप्रेम को जीवन में अपनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम का प्रस्तावना भाषण संस्था अध्यक्ष सुधीरजी देशमुख ने दिया। स्नेह सम्मेलन के दौरान आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने पूरे वातावरण को जीवंत बना दिया। विद्यार्थियों ने नृत्य, गायन, नाट्य और समूह प्रस्तुतियों के माध्यम से विद्यालय की गौरवशाली परंपरा और भारतीय संस्कृति के मूल्यों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया। इन प्रस्तुतियों को दर्शकों से भरपूर सराहना मिली।कार्यक्रम के अंत में अतिथियों का आभार व्यक्त किया गया। आयोजकों ने बताया कि शिक्षकगण, शिक्षकेतर कर्मचारियों, विद्यार्थियों और अभिभावकों के सहयोग से यह समारोह सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। यह वार्षिक स्नेह सम्मेलन विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास को प्रोत्साहित करने वाला और प्रेरणादायक सिद्ध हुआ।

भिवंडी में महिला से अश्लील हरकत, आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी।नारपोली पुलिस थाना क्षेत्र में एक महिला के साथ अश्लील हरकत किए जाने का गंभीर मामला सामने आया है। इस प्रकरण में पुलिस ने आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धाराओं 74, 75 और 79 के अंतर्गत अपराध दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार पीड़िता 35 वर्ष की है और घरेलू कामकाज कर जीवनयापन करती है। आरोपी की पहचान विलास जैदरत उबाले (50) के रूप में हुई है, जो पीड़िता के घर के सामने रहता है। समाचार लिखे जाने तक आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हो सकी थी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार यह घटना 29 दिसंबर को शाम करीब छह बजे की है। आरोप है कि आरोपी ने अपने कपड़े उतारकर नग्न अवस्था में पीड़िता को अश्लील शब्दों में बुलाया तथा जानबूझकर अपने गुप्तांग दिखाए। इस घटना से पीड़िता की लज्जा भंग हुई और उसे मानसिक आघात पहुंचा। पीड़िता की शिकायत के आधार पर नारपोली पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया। फिलहाल मामले की जांच पुलिस उपनिरीक्षक सुनील बी. हाडे कर रहे हैं।

भिवंडी में रिश्तेदारों पर दुष्कर्म और मानसिक उत्पीड़न का गंभीर आरोप, मामला दर्ज

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी।भोईवाडा पुलिस थाना क्षेत्र में एक गंभीर और सनसनीखेज मामला सामने आया है, जिसमें एक 22 वर्षीय महिला ने अपने ही रिश्तेदारों पर वर्षों तक दुष्कर्म और मानसिक उत्पीड़न करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने इस प्रकरण में भारतीय न्याय साहिता के विभिन्न धाराओं सहित बालकों के लैंगिक अपराधों से संरक्षण अधिनियम 2012 की धारा 6 के अंतर्गत अपराध दर्ज किया है।पुलिस के अनुसार पीड़िता दिल्ली की निवासी है और वर्तमान में गृहिणी है। आरोपियों के नाम सुदीप उपाध्याय और संदीप उपाध्याय बताए गए हैं, जो भिवंडी के नारपोली स्थित भंडारी कंपाउंड में रहते हैं। दोनों आरोपी फिलहाल फरार हैं और उनकी गिरफ्तारी नहीं हो सकी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार वर्ष 2018 में, जब पीड़िता दसवीं कक्षा में अध्ययनरत थी, तब आरोपी सदीप उपाध्याय उसे आगे की पढ़ाई के लिए मुंबई लेकर आया। आरोप है कि बाद में सुदीप के गांव चले जाने के बाद उसके भाई संदीप उपाध्याय ने पीड़िता के साथ जबरन शारीरिक संबंध बनाए। जब पीड़िता ने इसकी जानकारी सदीप को दी, तो उसने विवाह का झांसा देकर और बदनामी की धमकी देते हुए स्वयं भी पीड़िता के साथ शारीरिक संबंध बनाए।?आरोप है कि दोनों आरोपियों ने वर्ष 2018 से अगस्त 2025 तक पीड़िता के साथ बार-बार शारीरिक संबंध बनाकर उसका शारीरिक और मानसिक शोषण किया। पीड़िता ने इस संबंध में पहले नई दिल्ली के बाबा हरिदास नगर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई थी। उक्त शिकायत को शून्य पर दर्ज कर 30 दिसंबर को भोईवाडा पुलिस स्टेशन भेजा गया, जिसके आधार पर उसी दिन रात 9 बजकर 16 मिनट पर मामला पंजीबद्ध किया गया।पुलिस का कहना है कि शिकायत दिल्ली से प्राप्त होते ही त्वरित कार्रवाई करते हुए मामला दर्ज किया गया। फिलहाल इस मामले की जांच सहायक पुलिस निरीक्षक एस. आर. पाटील कर रहे हैं। पुलिस ने आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है और आगे की जांच जारी है।इस गंभीर घटना से क्षेत्र में खलबली मच गई है।

भिवंडी महानगरपालिका चुनाव में आम आदमी पार्टी के छह उम्मीदवारों के नामांकन स्वीकार

भिवंडी। भिवंडी शहर महानगरपालिका के आगामी चुनाव को लेकर आम आदमी पार्टी ने छह उम्मीदवारों के नामांकन पत्र दाखिल किए हैं। पार्टी की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार सभी छह उम्मीदवारों के नामांकन पत्र जांच के बाद स्वीकार कर लिए गए हैं और एक भी नामांकन पत्र खारिज नहीं हुआ है।आम आदमी पार्टी के भिवंडी शहर अध्यक्ष मसीह इकबाल ने बताया कि पार्टी ने सीमित लेकिन मजबूत उम्मीदवारों को मैदान में उतारा है। उन्होंने दावा किया कि यदि भिवंडी शहर की जनता आम आदमी पार्टी के इन छह उम्मीदवारों को महानगरपालिका में भेजती है, तो शहर में किसी भी प्रकार के भ्रष्टाचार को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

पार्टी द्वारा जिन उम्मीदवारों के नामांकन स्वीकार किए गए हैं, उनमें वार्ड क्रमांक 2 से सैयद मोबीन, वार्ड क्रमांक 10 से प्रणाली हणमंत जाधव और ऋषिकेश हणमंत जाधव, वार्ड क्रमांक 12 से नजमा बानो मुमताज अंसारी और नजीर शेख तथा वार्ड क्रमांक 17 से जहीर अली हसन अंसारी शामिल हैं। मसीह इकबाल ने कहा कि आम आदमी पार्टी का उद्देश्य महानगरपालिका में पारदर्शी और जवाबदेह प्रशासन स्थापित करना है। उन्होंने आरोप लगाया कि अब तक भिवंडी शहर में भ्रष्टाचार एक गंभीर समस्या रहा है और पार्टी इसे जड़ से खत्म करने के इरादे से चुनावी मैदान में उतरी है।

महानगरपालिका चुनाव को लेकर शहर में राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। विभिन्न दलों द्वारा उम्मीदवारों के नामांकन दाखिल हो चुके हैं और आने वाले दिनों में चुनावी माहौल और अधिक गर्म होने की संभावना जताई जा रही है।

भिवंडी में सपा के टिकट बंटवारे से सियासी भूचाल

विधायक रईस कासम शेख और अबू आज़मी में खटास

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी। भिवंडी निजामपुर शहर महानगर पालिका चुनाव के लिए टिकट बंटवारे को लेकर समाजवादी पार्टी में अंदरूनी कलह खुलकर सामने आ गई है। भिवंडी से सपा विधायक रईस कासम शेख और पार्टी के वरिष्ठ नेता अबू आज़मी के बीच मतभेद बढ़ने की चर्चा राजनीतिक हलकों में तेज हो गई है। बताया जा रहा है कि पार्टी कमेटी द्वारा विधायक के समर्थकों को टिकट नहीं दिए जाने से नाराज़गी गहराई है।

समाजवादी पार्टी द्वारा जारी उम्मीदवारों की सूची के अनुसार भिवंडी पूर्व विधानसभा क्षेत्र से 35 उम्मीदवारों को टिकट दिया गया है, जबकि भिवंडी पश्चिम विधानसभा क्षेत्र से 26 उम्मीदवार मैदान में उतारे गए हैं। इस तरह कुल 61 वार्डों में सपा ने अपने प्रत्याशी घोषित किए हैं। टिकट वितरण को लेकर यह भी चर्चा है कि वर्ष 2019 में कांग्रेस पार्टी से बगावत कर सपा में शामिल हुए 18 तत्कालीन नगरसेवकों के परिवार के सदस्यों को इस बार टिकट दिए गए हैं। इसे लेकर पार्टी के भीतर असंतोष की स्थिति बनी हुई है। सूत्रों के अनुसार इसी असंतोष के चलते विधायक रईस कासम शेख ने अपने कई समर्थकों को राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार गुट) और कांग्रेस से टिकट दिलवाने में भूमिका निभाई है। ये उम्मीदवार अब सपा प्रत्याशियों के सामने सीधी चुनौती के रूप में खड़े हो गए हैं। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि टिकट बंटवारे से सामने आई यह अंदरूनी खींचतान समाजवादी पार्टी के लिए भिवंडी मनपा चुनाव में मुश्किलें बढ़ा सकती है। पार्टी नेतृत्व हालात संभालने की कोशिश में जुटा है, लेकिन इसका असर चुनावी परिणामों पर पड़ सकता है।

एक उत्तर भारतीय और 2 मुस्लिम उम्मीदवार, राज ठाकरे ने 53 प्रत्याशियों का किया ऐलान

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

राज ठाकरे की महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) ने मंगलवार को 2026 के मुंबई नगर निगम चुनावों के लिए अपने 53 उम्मीदवारों की सूची जारी की। इस सामान्य वर्ग से 36 उम्मीदवारों की घोषणा की गई है, जिनमें 20 महिलाएं और 16 पुरुष शामिल हैं। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना ने सूची में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) को भी महत्वपूर्ण स्थान दिया है। कुल 13 ओबीसी उम्मीदवारों को टिकट मिले हैं, जिनमें 7 महिलाएं और 6 पुरुष शामिल हैं।

चुनाव में एमएनएस और शिवसेना ठाकरे गुट गठबंधन में हैं। सूची में एक उत्तर भारतीय और दो मुस्लिम उम्मीदवार शामिल हैं। बाकी सभी उम्मीदवार मराठी भाषी हैं। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना द्वारा घोषित 53 उम्मीदवारों की सूची में समावेशिता पर जोर दिया गया है। इस सूची में महिला उम्मीदवारों का दबदबा स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। कुल 53 उम्मीदवारों में से 29 महिलाएं हैं, जबकि 24 पुरुष उम्मीदवार हैं। राज ठाकरे ने आधी से अधिक सीटों पर महिलाओं को अवसर देकर एक बड़ा राजनीतिक संदेश दिया है। श्रेणीवार देखें तो

एमएनएस के लिए बीएमसी चुनाव बेहद अहम

विधानसभा चुनावों में मिली हार के बाद एमएनएस के लिए यह चुनाव बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इस बार बीएमसी चुनावों में राजनीतिक समीकरण पूरी तरह बदल गए हैं और राज ठाकरे और उद्धव ठाकरे का गठबंधन चुनावों में कड़ी टक्कर का कारण बनेगा। राज ठाकरे के शिवसेना छोड़ने के 20 साल बाद दोनों ने गठबंधन किया है। यह ऐतिहासिक पुनर्मिलन पूरे देश का ध्यान मुंबई नगर निगम चुनावों की ओर खींचेगा।

सपा सांसद का सनसनीखेज आरोप पुलवामा हमला भाजपा की थी चुनावी साजिश!

लखनऊ **(एजेंसी)**। समाजवादी पार्टी के नेता सनातन पांडे ने एक विवादास्पद बयान में दावा किया है कि 2019 में पुलवामा आतंकी हमला भाजपा की साजिश थी, क्योंकि पार्टी अपने चुनावी वादे पूरे करने में नाकाम रही थी। एएनआई से बात करते हुए सनातन पांडे ने कहा कि पुलवामा हमला, जिसमें केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के 40 जवान शहीद हुए थे, किसी विदेशी साजिश का नतीजा नहीं था। उन्होंने कहा कि 2019 के चुनावों से पहले हुआ पुलवामा हमला भारतीय जनता पार्टी की साजिश थी। 2014 में भाजपा ने दो करोड़ नौकरियां, किसानों की आय दोगुनी करने, महंगाई कम करने और काला धन वापस लाने का वादा किया था। पांच साल में उन्होंने अपने किसी भी चुनावी वादे को पूरा नहीं किया।

पांडे ने आगे कहा कि उन्हें लगा कि उन्होंने झूठ बोला है, इसलिए पुलवामा (आतंकवादी हमला) उनकी साजिश का हिस्सा था। यह कोई विदेशी साजिश नहीं थी। आज तक भाजपा यह बताने में असमर्थ है कि आरडीएक्स कहाँ से आया। उनके पास विकास के एजेंडे नहीं हैं और वे संसद में गरीबी पर चर्चा नहीं कर सकते। वे नागरिकों की भावनाओं को भड़काकर सत्ता हासिल करना चाहते हैं। पश्चिम बंगाल चुनावों से पहले जो हो रहा है, उसे देखिए। क्या राष्ट्रीय चैनल राष्ट्र के हित में कुछ दिखा रहे हैं? वे एक विशेष समुदाय को निशाना बना रहे हैं।

14 फरवरी, 2019 को एक आत्मघाती आतंकी हमले में 40 सीआरपीएफ जवान शहीद हो गए। भारत सरकार का कहना है कि यह हमला पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) द्वारा किया गया था। विदेश मंत्रालय के अनुसार, भारत ने 26 फरवरी, 2019 की सुबह खुफिया जानकारी के आधार पर चलाए गए एक अभियान में बालाकोट स्थित जैश-ए-मोहम्मद के सबसे बड़े प्रशिक्षण शिविर पर हमला किया। इस अभियान में बड़ी संख्या में जैश-ए-मोहम्मद के आतंकवादी, प्रशिक्षक और वरिष्ठ कमांडर मारे गए, जिन्हें फिदायीन गतिविधियों के लिए प्रशिक्षित किया जा रहा था। बालाकोट स्थित इस शिविर का नेतृत्व जैश-ए-मोहम्मद प्रमुख मसूद अजहर के बहनोई मौलाना यूसुफ अजहर उर्फ उस्ताद गौरी कर रहा था।

उस्मान ख्वाजा खुद तय करें टेस्ट क्रिकेट में अपना भविष्य : माइकल वॉन

सिडनी। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा को लेकर बड़ा बयान दिया है। वॉन का मानना है कि ख्वाजा को अपना संन्यास खुद अपनी शर्तों पर लेना चाहिए, न कि चयनकर्ताओं के दबाव में। उन्होंने कहा कि 4 जनवरी से सिडनी क्रिकेट ग्राउंड (एससीजी) में शुरू होने वाला पांचवां एशेज टेस्ट, ख्वाजा के करियर का आदर्श विदाई मुकाबला हो सकता है।

ख्वाजा के भविष्य को लेकर अटकलें तेज हैं कि इंग्लैंड के खिलाफ एससीजी में खेला जाने वाला उनका 88वां टेस्ट, ऑस्ट्रेलिया के लिए आखिरी मैच हो सकता है। तीसरे एशेज टेस्ट के दौरान 39 साल के हो चुके ख्वाजा ने मिडिल ऑर्डर में आकर भरोसेमंद प्रदर्शन किया है। हालांकि, चयनकर्ता ऑस्ट्रेलियाई टेस्ट टीम में युवा खिलाड़ियों को जगह देने के दबाव में हैं, ऐसे में सिडनी टेस्ट को उनका संभावित फेयरवेल माना जा रहा है।

द सिडनी मॉर्निंग हेराल्ड से बातचीत में वॉन ने कहा, 'मैं उस्मान से यही कहूंगा कि किसी और को यह तय न करने दें कि उनका अंत कैसे हो। इतने लंबे समय तक खेलने वाले खिलाड़ी को यह हक होना चाहिए कि वह खुद अपना भविष्य तय करे।'

वॉन ने आगे कहा कि ख्वाजा का करियर शानदार रहा है और बहुत कम खिलाड़ियों को अपने घरेलू मैदान पर, एशेज जैसी प्रतिष्ठित सीरीज में विदाई लेने का मौका मिलता है। 'अगर वह ऐसा नहीं करते, तो जोखिम है कि उनका करियर उनकी शर्तों पर खत्म नहीं होगा। एशेज सीरीज में, अपने होम ग्राउंड पर अलविदा कहना इससे बेहतर कुछ नहीं हो सकता।'

वॉन ने यह भी जोड़ा कि अगर ख्वाजा के अंदर अभी खेलने की ऊर्जा और जज़्बा है, तो वह आगे भी खेल सकते हैं। लेकिन वॉन के मुताबिक, सिडनी में एशेज टेस्ट के साथ विदाई लेना एक आदर्श परिदृश्य होगा। साथ ही उन्होंने संकेत दिया कि आने वाले समय में मैट रेनशॉ, नाथन मैकस्वीनी, कैंपबेल केलावे और ओली पीक जैसे युवा खिलाड़ियों को ऑस्ट्रेलियाई टीम में शामिल किया जाना चाहिए।

माइकल वॉन ने इंग्लैंड टीम की स्थिति पर भी खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि सिडनी टेस्ट का नतीजा ब्रेंडन मैकुलम और बेन स्टोक्स की लीडरशिप जोड़ी के भविष्य को भी प्रभावित कर सकता है। 'इस मैनेजमेंट को आगे बढ़ने के लिए यहां एक मजबूत टेस्ट जीतना बेहद जरूरी है- ऐसा मैच जो दो दिन में खत्म न हो।'

वॉन ने माना कि टीम के भीतर मैकुलम को बनाए रखने की इच्छा है, लेकिन अगर इंग्लैंड को सिडनी में करारी हार मिलती है, तो ईमानदार बातचीत जरूरी होगी। 'अगर वे यह मानने को तैयार नहीं हैं कि इस दौरे पर उनसे कई गलतियां हुई और इसे सिर्फ बदकिस्मती मानते रहे, तो आगे समस्या खड़ी हो सकती है।'

काम्या कार्तिकेयन ने रचा इतिहास, साउथ पोल तक स्कीइंग करने वाली सबसे कम उम्र की भारतीय बनीं

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारतीय नौसेना के एक अधिकारी की 18 साल की बेटी काम्या कार्तिकेयन ने साउथ पोल तक स्कीइंग करके इतिहास रच दिया है। वह यह कारनामा करने वाली सबसे कम उम्र की भारतीय और दुनिया की दूसरी सबसे कम उम्र की महिला बन गई हैं। काम्या ने 89 डिग्री दक्षिण से शुरू करके, अपने पूरे एक्सपेडिशन का सामान ले जा रही स्लेज को खींचते हुए, स्कीइंग करते हुए ज्योग्राफिक साउथ पोल तक पैदल लगभग 115 किमी का सफर तय किया।

उन्होंने 27 दिसंबर को यह मुश्किल अभियान पूरा किया। इस शानदार उपलब्धि को हासिल करने के लिए उन्होंने अंटार्कटिका की मुश्किल परिस्थितियों का सामना किया, जिसमें तापमान माइनस 30 डिग्री सेल्सियस तक गिरना और तेज तूफानी हवाएं शामिल थीं। उनकी उपलब्धि पर बधाई देते हुए भारतीय नौसेना ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, 'भारतीय

नौसेना काम्या कार्तिकेयन, जो एक नौसेना अधिकारी की 18 वर्षीय बेटी और नेवी चिल्ड्रन्स स्कूल की पूर्व छात्रा हैं, को बधाई देती है, जिन्होंने साउथ पोल तक स्कीइंग करके सबसे कम उम्र की भारतीय और दुनिया की दूसरी सबसे कम उम्र की महिला बनकर एक बार फिर इतिहास रचा है।'

नौसेना ने आगे कहा, 'काम्या माइनस 30 डिग्री सेल्सियस के कठोर मौसम और तूफानी हवाओं का सामना करते हुए अपने पूरे एक्सपेडिशन के सामान से भरी स्लेज को खींचते हुए लगभग 60 नॉटिकल मील (लगभग 115 किमी) पैदल चलकर 27 दिसंबर को साउथ पोल पर पहुंचीं।' 12वीं कक्षा की छात्रा काम्या, प्रतिष्ठित एक्सप्लोरर्स ग्रैंड स्लैम को पूरा करने का प्रयास कर रही हैं, जिसमें सभी सात महाद्वीपों की सबसे ऊंची चोटियों पर चढ़ना और नॉर्थ और साउथ पोल दोनों जगह स्कीइंग करना शामिल है।

इससे पहले उन्होंने सेवन समिट्स चैलेंज पूरा किया था और नेपाल की तरफ से माउंट एवरेस्ट पर चढ़ने वाली सबसे कम उम्र की भारतीय और दुनिया की दूसरी सबसे कम उम्र की महिला बनीं। उनकी पर्वतारोहण उपलब्धियों में माउंट किलिमंजारो (अफ्रीका), माउंट एल्ब्रस (यूरोप), माउंट कोसियसको (ऑस्ट्रेलिया), माउंट एकॉनकागुआ (दक्षिण अमेरिका), माउंट डेनाली (उत्तरी अमेरिका), माउंट एवरेस्ट (एशिया), और माउंट विंसन (अंटार्कटिका) पर चढ़ाई शामिल है।

भारत का चीन को बड़ा झटका स्टील इंपोर्ट पर लगाया 3 साल का टैरिफ

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। चीन की सस्ती स्टील डंपिंग की रणनीति पर लगाम लगाने के लिए भारत सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। भारत ने स्टील समेत कुछ चुनिंदा प्रोडक्ट्स के इंपोर्ट पर तीन साल के लिए 11 से 12 प्रतिशत तक का टैरिफ लगाने का फैसला किया है। इस कदम का सीधा असर चीन से आने वाले स्टील शिपमेंट पर पड़ेगा।

सरकारी अधिसूचना के मुताबिक, पहले साल 12इ, दूसरे साल 11.5इ और तीसरे साल 11इ इंपोर्ट ड्यूटी लागू रहेगी। इसका उद्देश्य चीन से बढ़ते सस्ते स्टील इंपोर्ट को नियंत्रित करना और घरेलू स्टील कंपनियों को राहत देना है।

भारत, जो दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा क्रूड स्टील उत्पादक देश है, हाल के महीनों में चीन से सस्ते स्टील इंपोर्ट में तेज बढ़ोतरी का सामना कर रहा है। इससे एंटी-डंपिंग की चिंताएं बढ़ी हैं और घरेलू उद्योग पर दबाव आया है। सरकारी गजट में प्रकाशित आदेश के अनुसार, कुछ विकासशील देशों से होने वाले इंपोर्ट को इस टैरिफ से छूट दी गई है, जबकि चीन, वियतनाम और नेपाल पर यह लेवी लागू होगी। यह ड्यूटी स्टेनलेस स्टील जैसे स्पेशल स्टील प्रोडक्ट्स पर लागू नहीं होगी। वाणिज्य मंत्रालय ने साफ किया है कि सरकार नहीं चाहती कि सस्ते और घटिया इंपोर्ट के चलते घरेलू स्टील इंडस्ट्री को नुकसान पहुंचे। आदेश में कहा गया है कि डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ ट्रेड रेमेडीज ने इंपोर्ट में 'हालिया, अचानक, तेज और बड़ी बढ़ोतरी' पाए जाने के बाद तीन साल के लिए सेफगार्ड ड्यूटी लगाने की सिफारिश की थी।

गौरतलब है कि अप्रैल 2025 में भारत सरकार ने सभी देशों से होने वाले स्टील इंपोर्ट पर 200 दिनों के लिए 12इ का अस्थायी टैरिफ लगाया था, जो नवंबर 2025 में समाप्त हो गया। अब सरकार ने दीर्घकालिक सुरक्षा के तहत यह नया फैसला लिया है।

बंगाल की शानदार गेंदबाजी, जम्मू-कश्मीर को 63 पर ढेर कर 9 विकेट से जीता मैच

राजकोट। मुकेश कुमार और आकाश दीप (चार-चार) विकेट की घातक गेंदबाजी के दम पर बंगाल ने बुधवार को विजय हजारे ट्राफी एलीट ग्रुप बी मुकाबले में जम्मू-कश्मीर की टीम को 243 गेंदे शेष रहते 9 विकेट से रौंद दिया। आज यहां टॉस जीतकर बंगाल ने पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बंगाल के गेंदबाजी आक्रमण के आगे बल्लेबाजी करने उतरी जम्मू-कश्मीर का कोई भी बल्लेबाज अधिक देर तक नहीं टिक सका और उनकी पूरी टीम 20.4 ओवर में 63 के स्कोर पर ढेर हो गई। जम्मू-कश्मीर के कप्तान पारस डोगरा ने टीम के लिए सर्वाधिक 19 रन बनाये। इसके अलावा शुभम खजुरिया 12रन बनाकर आउट हुये। शेष बल्लेबाज दहाई आंकड़े तक भी नहीं पहुंच सके। बंगाल के लिए मुकेश कुमार ने छह ओवर में 16 रन देकर चार विकेट झटके। वहीं आकाश दीप ने 8.4 ओवर में 32 रन देकर चार विकेट लिए। मोहम्मद शमी ने छह ओवर में 14 रन देकर दो बल्लेबाजों को आउट किया। इसके बाद बल्लेबाजी करने उतरी बंगाल ने 9.3 ओवर में एक विकेट पर 64 रन बनाकर नौ विकेट से मुकाबला अपने नाम कर लिया। पहले ही ओवर में कप्तान अभिमन्यु ईश्वरन (चार) को आकिब नबी ने आउट किया। अभिषेक पोरेल (30) और सुदीप कुमार घरामी (25) रन बनाकर नाबाद रहे। इसी जीत के साथ ही बंगाल के चार मैचों में तीन जीत के साथ 12 अंक हो गये है और वह एलीट ग्रुप बी तालिका में तीसरे नंबर पर है।

डब्ल्यूपीएल 2026 में कौन सी टीम जीतेगी खिताब

कौन बनाएगा सबसे ज्यादा रन पूर्व क्रिकेटर ने की भविष्यवाणी

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारत के पूर्व ओपनर आकाश चोपड़ा ने दिल्ली कैपिटल्स के 2026 महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) जीतने की भविष्यवाणी की है और सुझाव दिया है कि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की कप्तान स्मृति मंधाना टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली खिलाड़ी बन सकती हैं।

दिल्ली कैपिटल्स डब्ल्यूपीएल में तीन बार रनर-अप रही है और नई कप्तान जेमिमा रोड्रिग्स की कप्तानी में अपना टाइटल जीतने का सूखा खत्म करना चाहती है। चोपड़ा ने जियोस्टार पर कहा, 'मुझे लगता है कि इस बार दिल्ली कैपिटल्स जीतेगी। उन्होंने बहुत अच्छी टीम बनाई है और वे तीनों बार फाइनल में पहुंचे हैं। उन्हें एक बार जीतने दो।'

उन्होंने यह भी कहा कि स्मृति के अलावा, उनकी ओपनिंग पार्टनर शेफाली वर्मा भी ऑरेंज कैप की दावेदार हो सकती हैं। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि इस डब्ल्यूपीएल सीजन में सबसे ज्यादा रन आरसीबी की कप्तान स्मृति मंधाना बना सकती हैं। स्मृति मंधाना ऑरेंज कैप जीतने की दौड़ में सबसे आगे हो सकती हैं और वह इसे जीत भी सकती हैं। उनके साथ मुझे लगता है, शेफाली वर्मा, जो दिल्ली कैपिटल्स के लिए ओपनिंग करेंगी, वह भी एक मजबूत

दावेदार हो सकती हैं।'

चोपड़ा ने आगे कहा कि दीप्ति शर्मा और श्री चरानी दोनों डब्ल्यूपीएल 2026 में बड़े अवॉर्ड जीत सकती हैं। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि दीप्ति शर्मा प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट अवॉर्ड जीतने की हैट्रिक लगा सकती हैं। वह जिस फॉर्म में हैं, उन्हें रोकना मुश्किल है और मुझे यह भी लगता है कि जब से उन्होंने डब्ल्यूपीएल में अच्छा प्रदर्शन करना शुरू किया है, उनके पूरे खेल में काफी सुधार हुआ है। तो, यह फिर से उनका सीजन हो सकता है। मुझे लगता है कि श्री चरानी इमर्जिंग प्लेयर ऑफ द सीज़न अवॉर्ड जीत सकती हैं। उनका वर्ल्ड कप शानदार रहा था और मुझे लगता है कि वह टूर्नामेंट की सर्वश्रेष्ठ स्पिनर होंगी।'

सेंसेक्स 500 अंक चढ़कर 85, 180 पर कारोबार कर रहा, निफ्टी 26, 100 के पार

मुंबई। घरेलू संस्थागत निवेशकों की निरंतर खरीदारी से सेंसेक्स और निफ्टी में बुधवार को तेजी दर्ज की गई। बीएसई सेंसेक्स पांच सत्र की गिरावट के बाद आज 505.37 अंक चढ़कर 85, 180.45 अंक पर पहुंच गया। वहीं, एनएसई निफ्टी 178.45 अंक की बढ़त के साथ 26, 117.30 अंक पर कारोबार कर रहा है।

सेंसेक्स में शामिल 30 कंपनियों में से टाटा स्टील, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, टाइटन, एक्सिस बैंक, अडानी पोर्ट्स और हिंदुस्तान यूनिलीवर के शेयर सबसे अधिक लाभ में रहे। हालांकि बजाज फिनसर्व, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, महिंद्रा एंड महिंद्रा और इन्फोसिस के शेयर में गिरावट देखी गई।

एशियाई बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, चीन का एसएसई कम्पोजिट इंडेक्स और हांगकांग का हैंग सेंग गिरावट में रहे। अमेरिकी बाजार मंगलवार को गिरावट के साथ बंद हुए थे। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड 0.10 प्रतिशत की गिरावट के साथ 61.27 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर रहा। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) मंगलवार को बिकवाल रहे थे और उन्होंने शुद्ध रूप से 3, 844.02 करोड़ रुपए के शेयर बेचे। दूसरी ओर, घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 6, 159.81 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे।

भारत के लिए सबसे बड़ी चुनौती होंगे 2026 एशियन गेम्स

मुंबई। 2025 के सफल साल के बाद जिसमें भारतीय खिलाड़ियों ने ग्लोबल स्टेज पर कई इवेंट्स में शानदार प्रदर्शन किया, साल 2026 नई और कठिन चुनौतियां लेकर आएगा और सबसे ऊपर 19 सितंबर से 4 अक्टूबर 2026 तक जापान के आइची प्रीफेक्चर और नागोया में होने वाले 20वें एशियन गेम्स हैं। 2025 में भारत के लिए ओलंपिक खेल मिले-जुले रहे क्योंकि देश ने तीरंदाजी, बॉक्सिंग, कुश्ती, शूटिंग, वेटलिफ्टिंग और हॉकी जैसे खेलों में अच्छा प्रदर्शन किया। तीरंदाजी में धीरज बोम्मादेवरा, तरुणदीप राय और अतनु दास की भारतीय पुरुष रिकर्व टीम ने 2025 वर्ल्ड कप में सिल्वर मेडल जीता। जबकि भारत ने कंपाउंड सेक्शन में दबदबा बनाया, महिला टीम और ज्योति सुरेखा वेन्नम ने कंपाउंड टीम और व्यक्तिगत प्रतियोगिता में सिल्वर मेडल जीते।

भारतीय एथलीटों ने 2025 समर वर्ल्ड यूनिवर्सिटी गेम्स में अच्छा प्रदर्शन किया जिसमें 2 गोल्ड और 5 सिल्वर सहित 12 मेडल जीते, लेकिन साल का सबसे बड़ा खेल इवेंट, एथलेटिक्स वर्ल्ड चैंपियनशिप निराशाजनक रहा क्योंकि नीरज चोपड़ा 2018 के बाद से बड़े इवेंट्स में टॉप दो में रहने के बाद बिना मेडल के रह गए।

बैडमिंटन भी मिला-जुला रहा और जूनियर इवेंट्स और मिड-लेवल प्रतियोगिताओं में कुछ मेडल के अलावा, केवल सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की पुरुष युगल जोड़ी ही कड़ी प्रतिस्पर्धा के सामने टिकी रही।

अब वह सब पुरानी बात हो गई है और आइची-नागोया 2026 भारतीय खिलाड़ियों को एशियन गेम्स में अपनी पूरी क्षमता दिखाने का मौका देगा जबकि लॉस एंजिल्स ओलंपिक में दो साल और 2030 कॉमनवेल्थ गेम्स में चार साल बाकी हैं, जब प्रतियोगिताओं के पूरे पैमाने पर लौटने की उम्मीद है जो 2026 में ग्लासगो में होने वाले छोटे पैमाने के संस्करण से अलग होगा, जिसमें केवल 10 खेलों में प्रतिस्पर्धा होगी।

2026 एशियन गेम्स में 32 कोर खेल होंगे जिनमें से ज्यादातर वे खेल होंगे जो ओलंपिक गेम्स का हिस्सा हैं, और 11 अन्य खेल और डिसिप्लिन होंगे जिनमें पांच क्षेत्रीय खेल वुशू, सेपक-टकराव, कबड्डी, कुराश और जूडो शामिल हैं। डांसस्पोर्ट्स, रोलर स्पोर्ट्स, सर्फिंग, क्रिकेट, ई-स्पोर्ट्स, मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स और पैडल भी शेड्यूल का हिस्सा होंगे।

कुल मिलाकर 45 नेशनल ओलंपिक कमेटियों से 2026 गेम्स के लिए अपने दल भेजने की उम्मीद है, जो अनोखे होंगे क्योंकि प्रतिभागियों को आमतौर पर बनाए जाने वाले स्थायी एथलीट विलेज में नहीं ठहराया जाएगा, बल्कि किंजो पियर पर डॉक किए गए एक क्रूज शिप में ठहराया जाएगा।

प्रतिभागियों को नागोया बंदरगाह के पास दोबारा इस्तेमाल किए गए शिपिंग कंटेनरों से बने अस्थायी विला में भी ठहराया जाएगा, और कुछ को प्रीफेक्चर और बाहरी शहरों के कई होटलों में ठहराया जाएगा। आयोजन स्थल आइची प्रीफेक्चर और नागोया के विभिन्न शहरों में फैले होंगे जबकि तैराकी और घुड़सवारी प्रतियोगिताएं टोक्यो में होंगी।

म्यूचुअल फंड परिसंपत्तियों में 2025 में 14 लाख करोड़ रुपए की वृद्धि

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। म्यूचुअल फंड उद्योग ने 2025 में अपनी मजबूती बरकरार रखते हुए परिसंपत्ति आधार में रिकॉर्ड 14 लाख करोड़ रुपए जोड़े। खुदरा निवेशकों की बढ़ती भागीदारी और व्यवस्थित निवेश योजना (एसआईपी) में लगातार रिकॉर्ड निवेश के चलते उद्योग का कुल प्रबंधन अधीन परिसंपत्ति (एयूएम) नवंबर 2025 तक बढ़कर 81 लाख करोड़ रुपए पर पहुंच गया।

एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्फी) के सीईओ वेंकट चालसानी ने कहा कि उद्योग का परिदृश्य सकारात्मक बना हुआ है। उन्होंने बताया कि मजबूत एसआईपी प्रवाह विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की निकासी की भरपाई कर रहे हैं और बाजार को स्थिरता प्रदान कर रहे हैं।

एम्फी के आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2025 में म्यूचुअल फंड उद्योग में शुद्ध निवेश प्रवाह 7 लाख करोड़ रुपए रहा, जबकि निवेशक आधार में 3.36 करोड़ नए निवेशक जुड़े। केवल एसआईपी के माध्यम से ही करीब 3 लाख करोड़ रुपए का निवेश दर्ज किया गया।

मॉर्निंगस्टार इन्वेस्टमेंट रिसर्च इंडिया के अनुसंधान प्रमुख प्रबंधक हिमांशु श्रीवास्तव ने कहा कि 2025 में एयूएम में तेजी का मुख्य कारण मजबूत शेयर बाजार प्रदर्शन और एसआईपी के जरिये लगातार खुदरा निवेश रहा। उन्होंने बताया कि घरेलू बचत का वित्तीयकरण, पहली बार निवेश करने वालों की बढ़ती संख्या और म्यूचुअल फंड को पारदर्शी व विनियमित निवेश विकल्प के रूप में बढ़ती स्वीकार्यता ने उद्योग को मजबूती दी है।

अरबाज खान से तलाक पर मिली थी खूब आलोचना, पर खुद के फैसले पर कायम!

मलाइका अरोड़ा ने बताई जिंदगी की कड़वी सच्चाई

एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा ने एक नए इंटरव्यू में अपनी पर्सनल लाइफ की कुछ बातें शेयर की हैं, जिसमें उन्होंने बताया कि तलाक के दौरान उन्हें न सिर्फ पब्लिक बल्कि अपने दोस्तों और परिवार से भी जजमेंट और विरोध का सामना करना पड़ा। मलाइका की शादी एक्टर अरबाज खान से 1998 से 2017 तक हुई थी। इंडिया टुडे के साथ हाल ही में बातचीत में, मलाइका ने अपनी शादी खत्म करने के फैसले पर मिले रिएक्शन के बारे में बात की। उन्होंने कहा, 'मुझे बहुत जजमेंट और विरोध का सामना करना पड़ा, न सिर्फ पब्लिक से, बल्कि मेरे दोस्तों और परिवार से भी। उस समय मेरे सभी फैसलों पर सवाल उठाए गए। फिर भी, मैं बहुत खुश हूं कि मैं अपने फैसलों पर टिकी रही। मुझे कोई पछतावा नहीं है। मुझे नहीं पता था कि मेरे लिए आगे क्या होने वाला है। मुझे नहीं पता था कि आगे क्या होगा। लेकिन मुझे उस समय पता था कि मुझे अपनी ज़िंदगी में यह कदम उठाना है। मुझे लगा कि मेरे लिए खुश रहना ज़रूरी है। कोई यह नहीं समझता; वे कहते हैं, 'तुम अपनी खुशी को पहले कैसे रख सकती हो?' लेकिन मैं अकेले रहने में ठीक थी। एक्ट्रेस और एंटरप्रेन्योर, जो 2016 में अरबाज खान से अलग हो गईं और एक साल बाद उनका तलाक फाइनल हो गया, उन्होंने इंडिया टुडे की प्रीति चौधरी के साथ एक पॉडकास्ट इंटरव्यू में अपनी यात्रा पर बात की।

मलाइका ने पुरुषों और महिलाओं पर लागू होने वाले दोहरे मापदंडों के बारे में भी बात की, जब वे पारंपरिक उम्मीदों से हटकर कुछ करते हैं। उनके अनुसार, महिलाओं को उन फैसलों के लिए बहुत ज़्यादा कठोरता से जज किया जाता है, जो अक्सर पुरुषों के लिए नॉर्मल माने जाते हैं।

उन्होंने आगे कहा दुर्भाग्य से, वे सवाल कभी नहीं पूछे जाते। वे भौंहें कभी नहीं उठाई जातीं। किसी न किसी लेवल पर, यह बस मान लिया जाता है कि हम एक पितृसत्तात्मक समाज में रहते हैं, और चीजें ऐसी ही हैं। जब पुरुषों की बात आती है तो कुछ खास मामलों में कभी कोई जजमेंट नहीं होता। दुर्भाग्य से, महिलाओं को रोज़ इसका खामियाजा भुगतना पड़ता है। और अगर कोई महिला टिपिकल रास्ते से हटकर चलती है, तो वह अब आइडियल महिला नहीं रहती। तुरंत बातें कही जाती हैं, और उंगलियां उठाई जाती हैं। लेकिन अगर आप उससे हटकर एक ज़िंदगी बनाते हैं, एक मिसाल कायम करते हैं, तो आप कुछ सही कर रहे हैं।

मुझे बहुत मैसेज करते थे सूर्यकुमार यादव, बॉलीवुड एक्ट्रेस खुशी मुखर्जी के बड़े दावे पर मचा हंगामा

एक्ट्रेस और मॉडल खुशी मुखर्जी ने पब्लिकली यह दावा करके काफी हलचल मचा दी है कि भारतीय टी20 आई कप्तान सूर्यकुमार यादव पहले उन्हें अक्सर मैसेज करते थे। एमटीवी स्प्लिट्सविला जैसे रियलिटी शो से मशहूर हुईं मुखर्जी ने ये बातें हाल ही में एक मीडिया बातचीत के दौरान कहीं, जो जल्द ही ऑनलाइन वायरल हो गईं।

रिपोर्टर्स से बात करते हुए खुशी ने साफ किया कि उन्हें स्टार क्रिकेटर से मैसेज तो मिलते थे, लेकिन उनके बीच कभी कोई रोमांटिक रिश्ता नहीं था। उन्होंने यह भी कहा कि वह किसी क्रिकेटर से जुड़ना नहीं चाहतीं और इस खेल में किसी भी तरह के रिश्ते बनाने में उनकी कोई दिलचस्पी नहीं है। उन्होंने किद्दान एंटरटेनमेंट द्वारा शेयर किए गए एक वीडियो में कहा 'मैं किसी क्रिकेटर को डेट नहीं करना चाहती। मेरे पीछे बहुत सारे क्रिकेटर पड़े हैं। सूर्यकुमार यादव मुझे बहुत मैसेज करते थे, लेकिन अब हम ज़्यादा बात नहीं करते और मैं उनसे जुड़ना नहीं चाहती। मुझे अपने बारे में कोई लिंक-अप पसंद नहीं है।

खुशी की बेबाक बातों पर सोशल मीडिया पर तुरंत ध्यान गया, और कई यूज़र्स ने भारत के सबसे जाने-माने व्हाइट-बॉल खिलाड़ियों में से एक के बारे में उनके बयान पर कड़ी प्रतिक्रिया दी। कई लोगों ने उनके इस बेतरतीब कमेंट की आलोचना की और आरोप लगाया कि वह फेम के लिए भूखी हैं।

सूर्यकुमार यादव, जिनकी शादी 2016 से देविशा शेट्टी से हुई है, ने अभी तक उनके बयानों पर कोई पब्लिक जवाब नहीं दिया है। क्रिकेटर के बारे में अपने हालिया दावे के अलावा, मुखर्जी एंटरटेनमेंट प्लेटफॉर्म पर एक जाना-पहचाना नाम रही हैं। रियलिटी टेलीविज़न से ज़्यादा पहचान मिलने से पहले, उन्होंने 2013 में तमिल फिल्म अंजल थुरई से एक्टिंग की शुरुआत की और उसके बाद तेलुगु और हिंदी प्रोजेक्ट्स में काम किया। उनकी बोल्ड पर्सनैलिटी और एक्टिव सोशल मीडिया प्रेजेंस ने उनके तेज़ी से बढ़ते फॉलोअर्स बेस में योगदान दिया है।

डीआरडीओ ने हासिल की बड़ी उपलब्धि, प्रलय मिसाइल का सफल लॉन्च; एक ही लॉन्चर से दागीं दो मिसाइलें

नई दिल्ली। भारत की रक्षा क्षमता को नई मजबूती देते हुए रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन यानी डीआरडीओ ने प्रलय मिसाइल का सफल सैल्वो लॉन्च किया है। यह परीक्षण देश की स्वदेशी मिसाइल तकनीक और त्वरित प्रतिक्रिया क्षमता का बड़ा प्रदर्शन माना जा रहा है। एक ही लॉन्चर से कम समय के अंतराल में दो मिसाइलों का सफल प्रक्षेपण अपने आप में अहम उपलब्धि है।

रक्षा मंत्रालय के अनुसार, बुधवार की सुबह करीब 10:30 बजे ओडिशा तट के पास एक ही लॉन्चर से दो प्रलय मिसाइल दागी गईं। यह उड़ान परीक्षण यूजर इवैल्यूएशन ट्रायल्स के तहत किया गया। दोनों मिसाइलों ने तय की गई दिशा का पूरी तरह पालन किया और सभी उड़ान उद्देश्यों को सफलतापूर्वक हासिल किया।

ट्रैकिंग और टेलीमेट्री से पुष्टि

इस परीक्षण के दौरान मिसाइलों की उड़ान पर कड़ी नजर रखी गई। चांदीपुर स्थित एकीकृत परीक्षण रेंज द्वारा तैनात ट्रैकिंग सेंसरों ने पूरे ट्रैजेक्टरी की पुष्टि की। वहीं, लक्ष्य क्षेत्र के पास तैनात जहाजों पर लगे टेलीमेट्री सिस्टम के जरिए अंतिम चरण की घटनाओं को भी सफलतापूर्वक रिकॉर्ड किया गया।

प्रलय मिसाइल की खासियत

प्रलय एक स्वदेशी ठोस ईंधन से चलने वाली क्वासी-बैलिस्टिक मिसाइल है। इसमें अत्याधुनिक गाइडेंस और नेविगेशन सिस्टम लगाए गए हैं, जिससे यह बेहद सटीक निशाना लगाने में सक्षम है। यह मिसाइल अलग-अलग तरह के वारहेड ले जाने में सक्षम है और विभिन्न लक्ष्यों को भेद सकती है, जिससे इसकी उपयोगिता और प्रभावशीलता बढ़ जाती है।

कई संस्थानों का साझा प्रयास

प्रलय मिसाइल का विकास हैदराबाद स्थित रिसर्च सेंटर इमारत के नेतृत्व में किया गया है। इसमें डीआरडीओ की कई प्रयोगशालाओं और भारतीय उद्योगों का सहयोग रहा है। भारत डायनेमिक्स लिमिटेड और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड ने विकास-सह-उत्पादन भागीदार के रूप में सिस्टम इंटीग्रेशन का काम किया। इस परीक्षण को डीआरडीओ के वरिष्ठ वैज्ञानिकों, भारतीय वायुसेना और भारतीय सेना के प्रतिनिधियों ने देखा।

सरकार और डीआरडीओ की प्रतिक्रिया

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस सफल सैल्वो लॉन्च पर डीआरडीओ, भारतीय सेना, भारतीय वायुसेना और रक्षा सार्वजनिक उपक्रमों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि मिसाइल प्रणाली की विश्वसनीयता को साबित करती है। वहीं, डीआरडीओ प्रमुख ने कहा कि यह सफलता प्रलय मिसाइल के जल्द ही सेना में शामिल होने की तैयारी को दर्शाती है।

पूर्व सरकारों ने रामनगरी को किया लहूलुहान, लेकिन सनातन से ऊपर कोई नहीं, अयोध्या में बोले सीएम योगी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को राम जन्मभूमि मंदिर और राम लल्ला प्राण प्रतिष्ठा के निर्माण के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सराहना की, वहीं विपक्ष पर कटाक्ष करते हुए तुष्टीकरण की राजनीति का आरोप लगाया।

प्रतिष्ठा द्वादशी और राम लला प्राण प्रतिष्ठा की दूसरी वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी ने आरोप लगाया कि विपक्षी दलों ने अयोध्या को अशांति और संघर्ष की भूमि बना दिया है।

उन्होंने कहा कि स्वतंत्र भारत में अयोध्या ने राम जन्मभूमि आंदोलन के कई चरण देखे हैं। अयोध्या का नाम ही बताता है कि यहां कोई युद्ध नहीं लड़ा गया, जिसका अर्थ है कि कोई भी शत्रु इसके साहस के सामने टिक नहीं सका। लेकिन कुछ लोगों ने लालच, धार्मिक कट्टरता और तुष्टीकरण की नीति से प्रेरित होकर अयोध्या को अशांति और संघर्ष का स्थान बना दिया है। उन्होंने मंदिर की नींव रखने के समारोह, प्राण प्रतिष्ठा और ध्वजारोहण को याद करते हुए कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अयोध्या तीन क्षणों को कभी नहीं भूल सकती। 5 अगस्त, 2020, जब भारत के प्रधानमंत्री पहली बार अयोध्या पहुंचे और राम जन्मभूमि मंदिर की नींव रखी। 22 जनवरी, 2024 को प्रधानमंत्री ने राम लल्ला की प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा पूरी की। तीसरा क्षण 25 नवंबर को था, जब प्रधानमंत्री ने मंदिर के शीर्ष पर भगवा ध्वज फहराया। नवंबर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भगवत ने अयोध्या में राम जन्मभूमि मंदिर के 191 फुट ऊंचे शिखर पर भगवा ध्वजारोहण किया, जो मंदिर के निर्माण के पूरा होने का प्रतीक था। इस बीच, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राम जन्मभूमि आंदोलन में उनके योगदान के लिए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को भी धन्यवाद दिया, जो उस अवसर पर उपस्थित थे।

इजरायल से पहली बार हुई होश उड़ाने वाली गलती! हैरान रह गया भारत

येरूसलम। इजरायल में अचानक एक ऐसा बवाल शुरू हुआ है जो यहूदियों के लिए तबाही का कारण बन सकता है। इजरायल के कई रिटायर्ड सैन्य अधिकारियों, पत्रकारों और हजारों लोगों ने अपनी ही सरकार से एक बहुत बड़ी मांग की है। इन सभी ने एक ही स्वर में कहा है कि हमें पाकिस्तान को रोकना होगा। पाकिस्तानियों को हमारी जमीन पर कदम रखने से रोकना होगा। हजारों इजरायलियों का मानना है कि डोनाल्ड ट्रंप ने अपने फायदे के चक्कर में पाकिस्तान जैसा वायरस इजराइल पर छोड़ दिया है।

दरअसल, इजरायल के लोगों ने कहा है कि गाजा में पाकिस्तानी सैनिकों की एंट्री नहीं होनी चाहिए। इजरायली एक्सपर्ट्स के मुताबिक यह ऐसी चूक होगी जिसकी भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। इजराइल के लोगों ने अपनी सरकार से कहा है कि हमें पाकिस्तानियों पर भरोसा नहीं करना चाहिए। गाजा पीस प्लान के तहत गाज़ा में एक इंटरनेशनल स्टेबिलाइजेशन फोर्स की तैनाती होनी है। इस फोर्स में कई देशों के सैनिक शामिल होंगे। इस इंटरनेशनल फोर्स का काम गाज़ा में हमास को रोकना और शांति समझौते के तहत गाज़ा में शांति और पुनर्निर्माण के कार्यों की रक्षा करना होगा। इसी फोर्स में इंडोनेशिया और पाकिस्तानी सैनिक भी शामिल होने हैं। हालांकि शामिल तो तुर्की के सैनिक भी होने थे, लेकिन इजराइल ने पहले ही साफ मना कर दिया कि हमें इंटरनेशनल स्टेबलाइजेशन फोर्स में तुर्की के सैनिक नहीं चाहिए क्योंकि हमें उन पर भरोसा नहीं है। अब इजराइल के पूर्व सैन्य अधिकारियों के मुताबिक पाकिस्तानी सैनिकों को भी गाज़ा बुलाना घातक साबित हो सकता है। इन लोगों ने कहा है कि जिस तरह से तुर्की को ब्लॉक किया गया है। उसी तरह से पाकिस्तान को भी ब्लॉक करना होगा। इजरायली एक्सपर्ट्स के मुताबिक पाकिस्तानी सैनिक कभी भी ईमानदारी और वफादारी से हमास को नहीं रोकेंगे बल्कि हमास को मजबूत करने का काम करेंगे। इजराइली एक्सपर्ट्स के मुताबिक पाकिस्तानी सैनिक गाज़ा में बैठकर हमास की जगह इजराइल के सैनिकों पर ही हमला करेंगे। इजराइली सैनिकों की मूवमेंट के बारे में पहले से ही हमास के आतंकियों को जानकारी दे देंगे। इजराइली लोगों का मानना है कि पाकिस्तानी सैनिक गाजा में पहुंच गए तो एक बड़ा खतरा इजरायल के दरवाजे पर आकर बैठ जाएगा। क्योंकि पाकिस्तान इकलौता मुस्लिम देश है जिसके पास न्यूक्लियर हथियार हैं।

अभिनंदन पर पाक की पोल खोलने वाले नेता के जब सामने आए जयशंकर, किया कुछ ऐसा, हर तरफ चर्चा

नई दिल्ली। पुलवामा अटैक के बाद भारत ने पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में जबा टॉप पर जैश ए मोहम्मद के ठिकानों पर हवाई हमले किये। 27 फरवरी को पाकिस्तान एयर फोर्स ने इसका जवाब देने की कोशिश की। तब एफ 16 को एक मिग 21 से गिराने वाले विंग कमांडर अभिनंदन वर्धमान 60 घंटे पाकिस्तान की कस्टडी में रहकर सकुशल देश लौटे और उन्हें वीर चक्र दिया गया। लेकिन ठीक उसी वक्त पाकिस्तान में घटित घटनाक्रम का जिक्र शहबाज शरीफ के करीबी ने कर पाकिस्तान के कांपती टांगों की कहानी खोल कर रख दी थी। पीएमएल-एन के सांसद सादिक ने बताया कि उस बैठक में विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी ने कहा था कि खुदा के वास्ते भारतीय वायु सेना के विंग कमांडर अभिनंदन को जाने दें। अगर अभिनंदन की रात नौ बजे तक रिहाई नहीं हुई तो भारत हमला कर देगा। वैसे तो इस घटना के छह साल गुजर चुके हैं। लेकिन अभी इसी नेता के सामने भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर आए। जिसके बाद इसकी चर्चा हर ओर हो रही है।

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए ढाका आए विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने पाकिस्तान की राष्ट्रीय सभा के अध्यक्ष अयाज़ सादिक से मुलाकात की। इस मुलाकात की तस्वीरें बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस ने साझा कीं। तस्वीर के कैप्शन में लिखा था, पाकिस्तान की राष्ट्रीय सभा के अध्यक्ष सरदार अयाज़ सादिक ने बुधवार को ढाका में बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के अंतिम संस्कार से पहले भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर से अभिवादन का आदान-प्रदान किया। विदेश मंत्री बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री के अंतिम संस्कार में भारत सरकार का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। वे अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए आज ढाका पहुंचे। विदेश मंत्रालय ने उनके दौरे से पहले एक संक्षिप्त बयान में कहा कि विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री और बांग्लादेश राष्ट्रवादी पार्टी की अध्यक्ष बेगम खालिदा जिया के अंतिम संस्कार में भारत सरकार और जनता का प्रतिनिधित्व करेंगे। वे तदनुसार 31 दिसंबर 2025 को ढाका का दौरा करेंगे। सरदार अयाज सादिक को पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के करीबी नेताओं में गिना जाता है। यही कारण है कि शहबाज शरीफ ने उन्हें संसद के स्पीकर की कुर्सी पर बैठाया है।

खालिदा जिया का लंबी बीमारी के बाद निधन

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री और बीएनपी अध्यक्ष बेगम खालिदा जिया का मंगलवार सुबह लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया। वह 80 वर्ष की थीं। बांग्लादेश राष्ट्रवादी पार्टी (बीएनपी) ने पुष्टि की कि ढाका के अपोलो अस्पताल में इलाज के दौरान सुबह 6 बजे उनका निधन हो गया। जिया को 23 नवंबर को अस्पताल में भर्ती कराया गया था और हृदय और फेफड़ों में संक्रमण के कारण 36 दिनों तक उनका इलाज चला।

H-1B वीजा पर भारत में फंसे हजारों प्रोफेशनलः अमेरिका की नई चेतावनी, देश में बढ़ी टेंशन

अमेरिका में काम कर रहे हजारों भारतीय प्रोफेशनल्स के लिए मुश्किलें और बढ़ती दिख रही हैं। भारत स्थित अमेरिकी दूतावास की ओर से जारी एक हालिया चेतावनी ने उस वक्त चिंता बढ़ा दी, जब पहले से ही H-1B और H-4 वीज़ा धारक लंबे समय से अपॉइंटमेंट में देरी से जूझ रहे हैं।

बता दें कि बड़ी संख्या में भारतीय नागरिक अपने वीज़ा रिन्यूअल के लिए भारत आए थे, लेकिन आखरी समय में अचानक उनके इंटरव्यू अपॉइंटमेंट रद्द कर दिए गए या कई महीनों आगे खिसका दिए गए। कुछ मामलों में यह देरी छह महीने से भी ज्यादा बताई जा रही है। यह सूचना लोगों को केवल ईमेल के जरिए दी गई, जिससे असमंजस और नाराज़गी और बढ़ गई है।

इसी बीच अमेरिकी दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक सख्त संदेश जारी किया। इसमें कहा गया कि जो भी अमेरिकी कानून का उल्लंघन करेगा, उसे गंभीर आपराधिक सज़ा का सामना करना पड़ेगा। साथ ही यह भी जोड़ा गया कि ट्रंप प्रशासन अवैध इमिग्रेशन को खत्म करने और अमेरिका की सीमाओं की सुरक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। गौरतलब है कि इससे पहले 26 दिसंबर को भी इसी तरह की चेतावनी जारी की गई थी, जिसमें अवैध इमिग्रेशन को बढ़ावा देने वालों को निशाने पर लेने की बात कही गई थी।

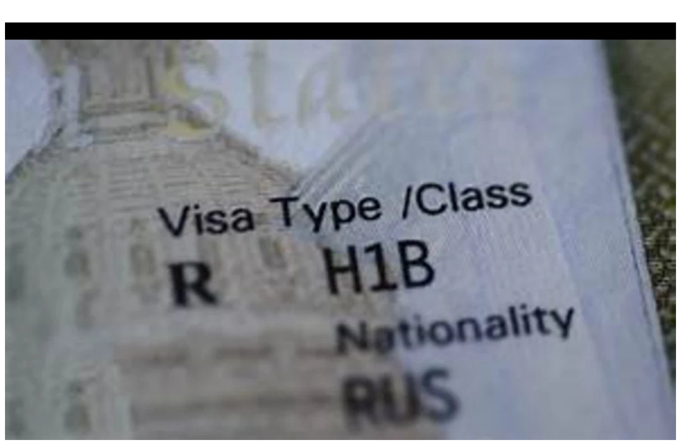

मौजूद जानकारी के अनुसार, इस चेतावनी को लेकर सोशल मीडिया पर नाराज़गी खुलकर सामने आई है। कई यूज़र्स ने आरोप लगाया कि अमेरिकी प्रशासन कानूनी तरीकों से आने वालों के लिए भी जानबूझकर मुश्किलें खड़ी कर रहा है। कुछ लोगों ने इसे राजनीतिक एजेंडे से जोड़ते हुए कहा कि इससे एक खास वोट बैंक को खुश करने की कोशिश की जा रही है।

एक यूजर ने लिखा कि आखिरी वक्त पर अपॉइंटमेंट रद्द करना और महीनों तक आगे बढ़ा देना अमानवीय है। वहीं दूसरे ने सवाल उठाया कि क्या एक राजनयिक मिशन का काम डर पैदा करना है या समाधान निकालना।

गौरतलब है कि अमेरिका में काम कर रहे हजारों भारतीय प्रोफेशनल्स पहले ही अनिश्चितता के दौर से गुजर रहे हैं और अब इस चेतावनी ने उनकी चिंता और बढ़ा दी है। आने वाले दिनों में इस मुद्दे पर भारत और अमेरिका के बीच कूटनीतिक स्तर पर बातचीत होने की संभावना भी जताई जा रही है।

ढाका पहुंचे जयशंकर का गजब का धमाका, बांग्लादेश को हाथों-हाथ दिया मोदी का सीक्रेट संदेश!

ढाका। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने बुधवार को ढाका में बांग्लादेश राष्ट्रवादी पार्टी (बीएनपी) के कार्यवाहक अध्यक्ष तारिक रहमान से मुलाकात की और उनकी माता, पूर्व प्रधानमंत्री और बीएनपी अध्यक्ष बेगम खालिदा जिया के निधन पर भारत की ओर से गहरी संवेदना व्यक्त की। एक पोस्ट में उन्होंने बताया कि ढाका पहुंचने पर, बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री बेगम खालिदा जिया के पुत्र और बीएनपी के कार्यवाहक अध्यक्ष तारिक रहमान से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का एक निजी पत्र तारिक रहमान को सौंपा। जयशंकर ने कहा कि मैंने उन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का निजी पत्र सौंपा। मैंने भारत सरकार और जनता की ओर से गहरी संवेदना व्यक्त की।

उन्होंने खालिदा जिया की विरासत और द्विपक्षीय संबंधों के लिए इसकी प्रासंगिकता पर भी विश्वास व्यक्त किया। उन्होंने आगे कहा कि उन्हें विश्वास है कि बेगम खालिदा जिया की दूरदृष्टि और मूल्य हमारी साझेदारी के विकास का मार्गदर्शन करेंगे। भारत में बांग्लादेश के उच्चायुक्त रियाज हामिदुल्लाह ने कहा कि जयशंकर ने ढाका यात्रा के दौरान पूर्व प्रधानमंत्री के निधन पर बांग्लादेश के शोक में भारत की जनता और सरकार की ओर से संवेदना व्यक्त की। एक्स पर एक पोस्ट में हामिदुल्लाह ने कहा कि जयशंकर ने लोकतंत्र में खालिदा जिया के योगदान को स्वीकार किया और आगामी फरवरी 2026 के चुनावों के माध्यम से बांग्लादेश के लोकतांत्रिक परिवर्तन के बाद द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के बारे में आशा व्यक्त की। दुनिया भर से श्रद्धांजलि का तांता लगा रहा, बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री बेगम खालिदा जिया का पार्थिव शरीर उनके गुलशन स्थित आवास फ़िरोज़ा में पहुंचा, जहां परिवार के सदस्यों और करीबी रिश्तेदारों ने नमाज़-ए-जनाज़ा से पहले उन्हें अंतिम श्रद्धांजलि दी। बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि पार्थिव शरीर आवास पर पहुंच गया है, जहां परिवार के सदस्य और रिश्तेदार अंतिम श्रद्धांजलि देने के लिए एकत्रित हुए हैं।

युद्ध की तैयारी में लगे युनूस? बांग्लादेश ने तुर्किए से लिया हथियार, भारत अब करेगा तगड़ा इलाज!

नई दिल्ली। भारत का दुश्मन देश दुनिया के किसी भी हिस्से में क्यों ना हो तुर्की उसके साथ अपने रिश्ते बना ही लेता है। चाहे पाकिस्तान हो, चीन हो या फिर बांग्लादेश। तुर्की भारत के खिलाफ क्यों हो गया है और भारत के दुश्मनों का इतना करीबी क्यों बनता जा रहा है? तुर्की और बांग्लादेश ने वो प्लान रचा है जिसने दुनिया के होश उड़ा दिए हैं। बांग्लादेश जो पाकिस्तान की राह पर चल रहा है। पाकिस्तान बनने की कोशिश कर रहा है। अब उसने तुर्की के साथ हाथ मिलाकर एक नई साजिश रच डाली है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक शेख हसीना के जाने के बाद मोहम्मद यूनुस के राज्य में बांग्लादेश और पाकिस्तान के बीच दोस्ती नई ऊंचाइयों पर पहुंच रही है। पाकिस्तान भी बहुत बड़े पैमाने पर तुर्की से हथियार खरीदता है।

तुर्की के राष्ट्रपति एदोर्गन को दक्षिण एशिया में हथियार बेचकर कमाई का बड़ा मौका भी दिख रहा है। और इसी के चलते अब खबरें यह भी आ रही है कि बांग्लादेश की वायुसेना तुर्की के क्रिटिक सेमी एक्टिव लेजर गाइडेड मिसाइलों को खरीदने जा रही है। इसमें मल्टीपवेज वॉर हेड भी शामिल है। यही नहीं तुर्की का इरादा भविष्य में जमीनी हथियार बंद वाहन और अटैक हेलीकॉप्टर भी लेने का है। बांग्लादेश ने पहले ही तुर्की के बायर तार टीबी2 ड्रोन भी खरीदा है। इससे वह भारतीय सीमा पर लगातार निगरानी भी करता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक बांग्लादेश के रक्षा मंत्रालय एक टेंडर निकालने का नाटक कर रहे हैं। लेकिन इसमें तुर्की के क्रिटिक वेपन सिस्टम को खरीदना तय माना जा रहा है। इस मिसाइल को तुर्की की कंपनी बनाती है। मिसाइल की मदद से किसी भी स्थिर पर और किसी भी सड़क पर दौड़ते हुए हथियारबंद वाहन या फिर गैर हथियारबंद लक्ष्यों को तबाह किया जा सकता है। आइए अब जान लेते हैं कि भारत पर क्या होगा तुर्की की मिसाइल का असर। तो बता दें कि तुर्की की यह मिसाइल 70 एमएम के रॉकेट और गाइडेड एंटी टैंक मिसाइल के बीच अंतर को पाटने का काम करेगी।

ताइवान पर चीन का 'जस्टिस मिशन': मिसाइलें दागीं, बंदरगाह घेराव की डराने वाली ड्रिल, India पर भी असर!

ताइपे। ताइवान के चारों ओर तनाव एक बार फिर तेज़ होता दिख रहा है। चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी ने लगातार दूसरे दिन बड़े पैमाने पर सैन्य अभ्यास जारी रखते हुए दर्जनों रॉकेट दागे और बंदरगाहों पर कब्ज़े की रणनीतिक रिहर्सल की। यह अभ्यास 'जस्टिस मिशन' के तहत किया जा रहा है, जिसे बीजिंग ताइवान की 'अलगाववादी सोच' और बाहरी हस्तक्षेप के खिलाफ चेतावनी के तौर पर पेश कर रहा है।

बता दें कि इस सैन्य अभ्यास की शुरुआत साल के अंत से ठीक पहले की गई थी। इसमें चीन के पूर्वी थिएटर कमांड ने ताइवान के चारों ओर सात अलग-अलग ज़ोन में मिसाइल, नौसैनिक और वायुसेना की तैनाती की है। मौजूद जानकारी के अनुसार, यह अभ्यास ताइवान को घेरने और बाहरी ताकतों को दूर रखने की चीन की रणनीति को दिखाने के लिए किया जा रहा है।

गौरतलब है कि हाल ही में अमेरिका द्वारा ताइवान को लगभग 11 अरब डॉलर के हथियार पैकेज की मंजूरी दी गई थी, जिसमें HIMARS रॉकेट सिस्टम और अन्य उन्नत हथियार शामिल हैं। चीन ने इसी को लेकर कड़ी प्रतिक्रिया जताई है और अपने सरकारी मीडिया में यह दावा किया है कि अभ्यास के दौरान ऐसे जहाजों को भी रोका गया जो ताइवान को हथियार पहुंचा रहे थे।

मंगलवार को अभ्यास का सबसे अहम चरण रहा, जब पीएलए ने लंबी दूरी की बैलिस्टिक और हाइपरसोनिक मिसाइलों के साथ लाइव-फायर ड्रिल की। रिपोर्ट्स के मुताबिक, डोंग फेंग सीरीज़ की मिसाइलों और PHL-16 रॉकेट सिस्टम का इस्तेमाल किया गया। ताइवान के रक्षा मंत्रालय का कहना है कि करीब 17 रॉकेट कीलुंग बंदरगाह के उत्तर में और 10 रॉकेट ताइनान के पश्चिमी इलाके में गिरे, जो अब तक का सबसे नजदीकी हमला माना जा रहा है।

पूर्वी तट पर चीनी नौसेना के हेलिकॉप्टर कैरियर से सैनिकों ने अभ्यास के तहत तट पर उतरने की कार्रवाई की, जबकि ज़मीन पर मौजूद मरीन यूनिट्स ने बंदरगाह कब्ज़े की रिहर्सल की। इसके जवाब में ताइवान ने अपने एंटी-शिप मिसाइल सिस्टम, त्वरित प्रतिक्रिया बल और तटवर्ती सुरक्षा इकाइयों को सक्रिय कर दिया है।

मौजूद जानकारी के अनुसार, ताइवान की सत्तारूढ़ डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव पार्टी ने भी अपनी सैन्य क्षमताओं को दर्शाने वाले ग्राफिक्स जारी किए हैं। वहीं अमेरिका की प्रतिक्रिया फिलहाल सीमित रही है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि इस तरह के अभ्यास चीन लंबे समय से करता आ रहा है और इससे उन्हें कोई खास चिंता नहीं है।

फिलहाल पश्चिमी प्रशांत क्षेत्र में अमेरिकी नौसेना के विमानवाहक पोत तैनात हैं और हालात पर नज़र रखी जा रही है। विशेषज्ञ मानते हैं कि आने वाले दिनों में यह सैन्य तनाव एशिया-प्रशांत क्षेत्र की राजनीति को और प्रभावित कर सकता है।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.phpid=100063787346044 **Twitter:** https://twitter.com/mantrabharatt=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 **Mobile No:** 7007837917

मंत्र भारत : R.N.I. MAHHIN/ 2016/65841 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा AIS Printing solution प्लॉट नं0-A- 544 TTC इंडस्ट्रियल एरिया एमआईडीसी माहपे-नवी मुंबई, थाने 400709 से मुद्रित एवं शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012प्रकाशित एवं सम्पादित । कार्यालय : शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012 । फोन : 022-24706563 । कार्यकारी सम्पादक- योगेन्द्र चौधरी
E-Mail : editormantrabharat@gmail.com mantrabharatmumbai@gmail.com । सम्पादक : विनोद आर शर्मा, मोबाइल : 7007837917 । समूह सम्पादक : डॉ दयानन्द तिवारी। वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे के लिए मंत्र प्रधान कार्यालय क्षेत्र प्रयागराज/इलाहाबाद न्यायालय ही होगा। प्रधान कार्यालयः 80ए मेंहदौरी, तेलियरगंज, प्रयागराज-211004 (नोटः कानूनी पत्र व्यवहार का पता प्रधान कार्यालय ही होगा।)